3 | राजधानी
शहर में चलेगा भिक्षावृत्ति मुक्ति अभियान

9 | राष्ट्रीय
कांग्रेस विधायक पर प्राथमिकी

11 | विदेश
इजराइली हमले में 11 मरे

12 | स्पोर्ट्स
सरफराज और पंत की शानदार बल्लेबाजी

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 4
लखनऊ, रविवार, 20 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

जलवायु परिवर्तन का असर हर जगह देखा जा सकता है
राष्ट्रीय-10

राष्ट्रीय राजधानी में स्वागत है आपका

● बम की फर्जी धमकियों से उड़ान में आफत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

भारतीय एयरलाइनों को निशाना बनाकर उड़ान के दौरान धमकाने का सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा। विस्तारा, एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट, स्टार एयर और अकासा एयरलाइंस द्वारा संचालित कम से कम 30 उड़ानों को बम की धमकियों के बाद आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, जो बाद में एक अफवाह निकली। शनिवार को सबसे ज्यादा अफवाहें आईं। इस सप्ताह अब तक भारतीय एयरलाइनों की कम से कम 70 उड़ानों को बम की धमकियां मिली हैं और उनमें से अधिकांश अफवाह निकलीं। यह धमकी त्योहारी सीजन के ठीक बीच में आई है, जब बड़ी संख्या में भारतीय उड़ान भरने की योजना बना रहे हैं।

बम की धमकी वाले संदेशों के बढ़ते चलन से चिंतित, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने इस मुद्दे से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एयरलाइनों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को एक बैठक के लिए बुलाया है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है और एयरलाइनों को नुकसान हो रहा है। अधिकारियों के अनुसार, जिन छह उड़ानों के खिलाफ सोशल मीडिया के जरिए बम की धमकी दी गई थी, वे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्धारित समय पर उतरीं। अधिकारी ने कहा कि ये धमकियाँ एक ही एक्स अकाउंट से आई थीं और गहन जाँच के बाद इन्हें 'फर्जी' और 'अविशिष्ट' श्रेणी में रखा गया। अधिकारी ने कहा कि 'आधा' नामक यूजर के अकाउंट में कई एयरलाइनों की उड़ानों का उल्लेख था, हालाँकि केवल छह ही मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने वाली थीं। ये दिल्ली, गोवा और दरभंगा से थीं। फर्जी बम धमकियाँ भारतीय विमानन क्षेत्र पर कहर बरपा सकती हैं क्योंकि उनका पता लगाना आसान नहीं है। एयरलाइनों को खालिस्तानी धमकियों को देखते हुए, सरकार या एयरलाइंस ऐसी कॉल को हल्के में नहीं ले सकती हैं, भले ही उन्हें लगे कि ये फर्जी कॉल हैं। उल्लेखनीय रूप से, भारतीय एयरलाइनों के खिलाफ फर्जी बम धमकियों की बाढ़ ने बड़े वित्तीय नुकसान को जन्म दिया है। एयरलाइन अधिकारियों ने करोड़ों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। विमानन उद्योग के सूत्रों के अनुसार, अनिर्धारित लैंडिंग, यात्री आवास, विमान ग्राउंडिंग और चालक दल के प्रतिस्थापन की लागत सहित, इस फर्जीवाड़े से कुल वित्तीय नुकसान 3 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत घरेलू एयरलाइनों द्वारा संचालित (शेष पृष्ठ 9)

दुश्वारियों से भरा है सड़क पर चलना

राजेश कुमार। नई दिल्ली

स्वामी विवेकानंद बस टर्मिनल के नाम से मशहूर आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल के पास ट्रैफिक जाम की बढ़ती समस्या को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। यह दिल्ली का सबसे व्यस्त इलाका है, क्योंकि यह आनंद विहार आईएसबीटी, आनंद विहार मेट्रो स्टेशन और उत्तर प्रदेश की सीमा से जुड़ा हुआ है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं और उत्तर प्रदेश की सीमा से भी ट्रैफिक की आवाजाही बहुत ज्यादा है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है और उल्लंघनकर्ताओं तथा अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अलग-अलग मदों में 205 चालान भी काटे हैं। हाल ही में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दौरे के दौरान, यह पाया गया कि सड़क पर दोनों तरफ से अवैध वेंडर, फेरीवाले अपना सामान हैंगर और रिंग पर रखकर अतिक्रमण कर रहे थे और साथ ही तिपहिया, बस, निजी टैक्सियों जैसे अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों के कारण भी भारी ट्रैफिक जाम हो रहा था। इस कारण चौड़ी सड़क दोनों तरफ से छोटी हो गई और पैदल चलने वालों और यात्रियों को फुटपाथ पर चलने के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं मिल रही थी। इससे इलाके में ट्रैफिक जाम की समस्या भी पैदा हो गई। आनंद विहार आईएसबीटी मधु विहार ट्रैफिक सर्किल के अंतर्गत आता है। (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली में फिर छाने लगा स्मॉग
हवा की गुणवत्ता और खराब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में स्मॉग की एक परत छा गई। पिछले कुछ दिनों में हवा की गुणवत्ता तेज़ी से 'खराब' और 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुँच गई है। शनिवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 278 रहा और इसका मुख्य कारण यहाँ परिवहन और निर्माण कार्य हैं। राष्ट्रीय राजधानी के ज़्यादातर इलाकों में हवा की गुणवत्ता बहुत खराब दर्ज की गई। इंडिया गेट और आस-पास के इलाकों में खराब एक्यूआई दर्ज किया गया, जबकि आनंद विहार समेत राष्ट्रीय राजधानी के दूसरे इलाकों में हवा की गुणवत्ता गिरकर 334 पर पहुँच गई, जिसे बहुत खराब श्रेणी में रखा गया। मुंडका में AQI 374 दर्ज किया गया, इसके बाद बवाना (367), वज़ीरपुर (354), जहाँगीरपुरी (346), द्वारका (332), नरेला (328) और रोहिणी (328) का स्थान रहा। ओखला (298), विवेक विहार (294), पंजाबी बाग (286), आर के पुरम (271) और अशोक विहार (266) सहित पांच स्टेशनों ने खराब वायु गुणवत्ता की सूचना दी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के अनुसार, बदलते मौसम की स्थिति के कारण राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई है और दिवाली के बाद प्रदूषण का स्तर और खराब होने की उम्मीद है। उन्होंने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए केंद्र की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, भाजपा की सभी सरकारें सो रही हैं। प्रदूषण बढ़ रहा है और भाजपा कुछ भी करने को तैयार नहीं है। यूपी, हरियाणा और राजस्थान में भाजपा की सरकार है, वे सो रहे हैं और निष्क्रिय हैं। केंद्र में भाजपा है, वे सो रहे हैं... कोई उनसे सवाल नहीं कर रहा है और दूसरी तरफ, भाजपा नेता नौटंकी कर रहे हैं... प्रदूषण एक गंभीर समस्या है। हम सभी को मिलकर सहयोग करना होगा...। धूल पर नियंत्रण के लिए अभियान के तहत राय ने बताया कि अब तक 2764 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया गया है। इनमें से 76 उल्लंघनकर्ताओं पर 17.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। 7 अक्टूबर से शुरू हुआ धूल विरोधी अभियान 7 नवंबर तक चलेगा। इस अभियान के लिए 13 विभागों के (शेष पृष्ठ 9)

झारखंड की जंग के लिए भाजपा तैयार

● जारी की सूची, बाबू लाल मरांडी, चंपई सोरेन, सीता सोरेन के नाम

पायनियर समाचार सेवा। रांची/नई दिल्ली

बाबूलाल मरांडी | चंपई सोरेन | सीता सोरेन | गीता कोरा | सुदर्शन भगत

भाजपा ने शनिवार को झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 66 उम्मीदवारों की सूची जारी की। जिसमें पार्टी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को धनवार से और पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को सरायकेला से मैदान में उतारा गया है। पार्टी ने जेएमएम नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन को जामताड़ा से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। सूची में गीता कोड़ा और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत के नाम भी हैं।

भाजपा राज्य की 81 विधानसभा सीटों में से 68 पर चुनाव लड़ रही है, जबकि बाकी सीटें अपने सहयोगियों को दे रही रही है। झारखंड में विधानसभा चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे और मतगणना 23 नवंबर को होगी। पूर्व सीएम चंपई सोरेन, जिन्होंने सरायकेला से चुनाव लड़ा था, 30 अगस्त को भाजपा में शामिल हुए थे। दो दिन पहले उन्होंने जेएमएम से इस्तीफा दिया। उन्होंने जेएमएम पार्टी की मौजूदा कार्यशैली से असंतुष्टि जताई थी और जहां उन्हें 'कठोर अपमान' का सामना करना पड़ा था। 67 वर्षीय नेता सोरेन के भाजपा में शामिल होने को अनुसूचित जनजातियों के साथ संबंध मजबूत करने के पार्टी के प्रयासों के तौर पर देखा जा रहा है। जो झामुमो का एक मजबूत समर्थन आधार है। इस बीच, झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के बीच दरार सामने आई क्योंकि राजद ने राज्य में 81 में से 70 सीटों पर झामुमो और कांग्रेस के चुनाव लड़ने की घोषणा पर निराशा व्यक्त की। राजद ने इंडिया गठबंधन के दो घटकों द्वारा सीट बंटवारे के निर्णय को 'एकतरफा' बताया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने कहा, हम सीटों की पेशकश पर अपनी निराशा व्यक्त करते हैं। यह निर्णय एकतरफा है। इससे पहले दिन में, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घोषणा की कि झामुमो और कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनावों में 70 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। झा ने दावा किया, हमसे इस बारे में कोई सलाह नहीं ली गई और हमारे पास सभी विकल्प खुले हैं। उन्होंने कहा कि राजद ने झारखंड में कम से कम 15 से 18 सीटों की पहचान की है जहां वह अपने दम पर भाजपा को हराने की क्षमता रखती है। पिछली बार पार्टी ने सात सीटों पर चुनाव लड़ा था और उनमें से पांच पर दूसरे स्थान पर रही थी। (शेष पृष्ठ 9)

ईसी ने झारखंड के डीजीपी को हटाया

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकार को कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के खिलाफ पूर्व के चुनावों में शिकायतों के इतिहास के कारण उन्हें तत्काल पद से हटाने का शनिवार को निर्देश दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। झारखंड विधानसभा चुनाव 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में कराए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि पिछले चुनावों में गुप्ता के खिलाफ शिकायतों के इतिहास और आयोग द्वारा की गई कार्रवाई के आधार पर उन्हें हटाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक का अंतरिम प्रभार अब कैडर में डीजीपी स्तर के सबसे वरिष्ठ अधिकारी को सौंपा जाएगा। राज्य सरकार को 21 अक्टूबर की सुबह तक भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारियों के नामों की एक सूची सौंपने के लिए कहा गया है, ताकि निर्वाचन आयोग उनमें से अगले डीजीपी का चुनाव कर सके।

सावधि जीवन बीमा प्रीमियम, बुजुर्गों के स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी से मिल सकती है छूट

पीएनएस। नई दिल्ली

सावधि जीवन बीमा तथा वरिष्ठ नागरिकों द्वारा स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए जाने वाले प्रीमियम को कर मुक्त किया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर पर निर्णय लेने के लिए मंत्री समूह की शनिवार को बैठक हुई। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों के अलावा अन्य व्यक्तियों के लिए पांच लाख रुपए तक के कवरेज वाले स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। पांच लाख रुपए से अधिक के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता रहेगा। इस समय सावधि पॉलिसी और फैमिली फ्लोटर पॉलिसी के लिए भुगतान किए गए जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता है। एक अधिकारी ने कहा, जीओएम के सदस्य बीमा प्रीमियम पर दरों में कटौती के लिए व्यापक रूप से सहमत हैं। अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, मंत्रिसमूह का हर सदस्य लोगों को राहत देना चाहता है। वरिष्ठ नागरिकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हम परिषद को एक रिपोर्ट सौंपेंगे। अंतिम निर्णय परिषद द्वारा लिया जाएगा। हालांकि, वरिष्ठ नागरिकों के लिए भुगतान किए गए बीमा प्रीमियम पर कोई जीएसटी नहीं लग सकता है, भले ही कवरेज राशि कितनी भी हो। जीएसटी परिषद ने पिछले महीने अपनी बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए 13 सदस्यीय मंत्री समूह गठित करने का निर्णय लिया था। चौधरी मंत्री समूह के संयोजक हैं। इसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, मेघालय, पंजाब, तमिलनाडु और तेलंगाना के मंत्री शामिल हैं। मंत्री समूह को अक्टूबर के अंत तक परिषद को अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया था।

कश्मीर ने मांगा राज्य का दर्जा

● उपराज्यपाल ने राज्य कैबिनेट के प्रस्ताव को स्वीकृति दी

मोहित कंधारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर में नवनिर्वाचित सरकार और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के बीच टकराव के पहले दौर के लिए मंच तैयार करते हुए, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली कैबिनेट द्वारा पारित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसमें केंद्र से केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित केंद्रीय नेताओं ने संसद के पटल पर की गई प्रतिबद्धता की बार-बार घोषणा की और दोहराया कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के सूचना और जनसंपर्क विभाग के प्रवक्ता के अनुसार कैबिनेट ने मुख्यमंत्री को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के साथ मामला उठाने के लिए अधिकृत किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस संबंध में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से मिलने के लिए आने वाले दिनों में नई दिल्ली जाएंगे। इस बीच, सूचना और जनसंपर्क विभाग के प्रवक्ता ने शनिवार को जारी एक लिखित बयान में कहा, उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने भी 4 नवंबर को श्रीनगर में विधानसभा बुलाने का फैसला किया है और एलजी को विधानसभा बुलाने और उसे संबोधित करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि पहले सत्र की शुरुआत में एलजी द्वारा विधानसभा को संबोधित करने का मसौदा भी मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा गया था, जिस पर परिषद ने आगे विचार करने और चर्चा करने का फैसला किया है।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, 'बृहस्पतिवार को उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में राज्य के मूल स्वरूप को बहाल करने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।' प्रवक्ता ने आगे कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करना एक सुधार प्रक्रिया की शुरुआत होगी, संवैधानिक अधिकारों को पुन: प्राप्त करना और जम्मू-कश्मीर के लोगों की पहचान की रक्षा करना। प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट पहचान और लोगों के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा नव-निर्वाचित सरकार की नीति की आधारशिला है।

दीपोत्सव पर शानदार ड्रोन शो से जगमगाएगा अयोध्या का आकाश

● 500 ड्रोन पर लगाई गई लाइटों से रामायण के प्रमुख प्रसंग दिखाए जाएंगे

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

अयोध्या में दीपोत्सव की भव्यता को बढ़ाने के लिए योगी सरकार एक शानदार हवाई ड्रोन शो का आयोजन करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप, इस कार्यक्रम में अयोध्या के रात्रि आकाश को जगमगाने के लिए रंग-बिरंगी रोशनी से लैस 500 ड्रोन का आकर्षक प्रदर्शन होगा। दीपोत्सव समारोह का एक प्रमुख आकर्षण, 15 मिनट का यह शो मेड-इन-इंडिया ड्रोन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। उपस्थित लोग लेजर लाइट, वॉयसओवर और संगीतमय वर्णन के संयोजन के माध्यम से भगवान श्री राम, लक्ष्मण और हनुमान की 'वीर मुद्रा' की एक लुभावनी प्रस्तुति देखने की उम्मीद कर सकते हैं।

इस शो में रामायण के प्रमुख प्रसंगों जैसे रावण वध, पुष्पक विमान, दीपोत्सव के दृश्य, राम दरबार, वाल्मीकि, तुलसीदास और राम मंदिर को दर्शाने वाले गतिशील प्रदर्शन भी शामिल होंगे। सरकारी प्रवक्ता ने कहा, 'मनमोहक दृश्य दर्शकों को रोमांचित करने का वादा करते हैं।' इस वर्ष का दीपोत्सव विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह भगवान रामलला की मूर्ति को भव्य मंदिर में स्थापित किए जाने के बाद पहला उत्सव है। इस अवसर को अविस्मरणीय बनाने के लिए, ड्रोन शो को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयारियाँ चल रही हैं। मुख्य कार्यक्रम से एक दिन पहले 29 अक्टूबर को एक पूर्ण रिहर्सल पूर्वाभ्यास निर्धारित की गई है, ताकि त्रुटिहीन समन्वय और सटीक ड्रोन संरचनाएँ सुनिश्चित की जा सकें। राम नगरी में यह भव्य शो प्रतिष्ठित राम की पैड़ी पर होगा।

फाइल फोटो

ड्रोन शो में आकाश में 15 अलग-अलग संरचनाएँ दिखाई जाएँगी। इसे क्रियान्वित करने के लिए, एनिमेशन के साथ एक विस्तृत स्टोरीबोर्ड तैयार किया जाएगा और अनुमोदन के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग को प्रस्तुत किया जाएगा। हवाई प्रदर्शनों के साथ पटकथा, पृष्ठभूमि संगीत रचना, वॉयसओवर, वर्णन और लेजर लाइट प्रभाव जैसे विभिन्न तत्वों को सावधानीपूर्वक तैयार किया जा रहा है। ड्रोन शो के अलावा, राम की पैड़ी पर लेज़र लाइट और साउंड प्रेजेंटेशन भी होगा, जिसमें भगवान श्री राम के जीवन के प्रेरक क्षणों को दर्शाया जाएगा। वैसे तो राम की पैड़ी पर रोजाना लेज़र और साउंड शो का आयोजन किया जाता है, लेकिन दीपोत्सव के दौरान यह विशेष प्रस्तुति उत्सव का मुख्य आकर्षण बनी हुई है। ड्रोन के तमाशे के पूरक के रूप में, कलात्मक रूप से तैयार किए गए ग्रीन पटाखों की विशेषता वाला साउंड और लेज़र डिस्प्ले माहौल को और भी बेहतर बना देगा, अयोध्या और कार्यक्रम स्थल के ऊपर आसमान को रोशन कर देगा, जिससे यह दीपोत्सव सभी के लिए एक यादगार उत्सव बन जाएगा। इस अवसर पर बहुत बड़ी संख्या में रामभक्तों के अयोध्या में आने की आशा है।

हर सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से जुटें: मुख्यमंत्री

● उपचुनाव जीतना केवल चुनावी सफलता नहीं बल्कि जनता के विश्वास की जीत होगी

उपचुनाव को लेकर सीएम योगी ने की अहम बैठक, तय की मंत्रियों और पदाधिकारियों की जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपमुख्यमंत्री, जिलों के प्रभारी मंत्री और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उपचुनाव को लेकर व्यापक विचार विमर्श हुआ और रणनीतियां तैयार की गईं। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी 9 सीटों पर उपचुनाव को जीतने के लिए मंत्रियों और पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित किया। बैठक के दौरान मंत्रियों और पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह भी तय हुआ कि उपचुनाव में पार्टी का कोई भी नेता अपने निर्धारित क्षेत्र में जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में कोई कमी न छोड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचुनाव जीतना केवल चुनावी सफलता नहीं बल्कि जनता के विश्वास की जीत होगी, इसलिए हर सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया जाना चाहिए। सीएम योगी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक चुनाव प्रबंधन को मजबूती से संभालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में हर सीट महत्वपूर्ण है और इसके लिए बूथ स्तर पर सटीक प्रबंधन और निगरानी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने और जमीनी स्तर पर लोगों के बीच जाकर चौपाल लगाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि चौपाल के माध्यम से जनता की समस्याओं को समझा जाए और उनका समाधान किया जाए जिससे लोगों का विश्वास पार्टी में बढ़े।बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि प्रभारी मंत्री और पदाधिकारी उन जिलों में अधिक समय बिताएं जहां उपचुनाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को सुनें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जिलों के स्थानीय पदाधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चुनावी तैयारियों को और सुदृढ़ किया जाए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया और सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी 9 सीटों के लिए पूरी तैयारी कर चुकी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। चौधरी ने विश्वास जताया कि पार्टी न सिर्फ 9 घोषित सीटों पर विजय प्राप्त करेगी बल्कि जल्द ही दसवीं सीट भी घोषित होगी और वह भी भाजपा के खाते में ही जाएगी।बैठक में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सूर्यप्रताप शाही समेत राज्य के कई वरिष्ठ मंत्री और प्रभारी मंत्री समेत भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

इन सीटों पर होना है उपचुनाव

बता दें कि जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उसमें 5 सपा और 5 एनडीए गठबंधन के पास थी। बीजेपी के खाते में 3 सीट थी। एक आरएलडी के पास थी और एक निषाद पार्टी के पास थी। कटेहरी, करहल, सीसामऊ, कुंदरकी सीट सपा ने 2022 में जीती थी। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट भी सपा के खाते में थी। जिस पर अभी तारीख नहीं आई है। इसके अलावा फूलपुर, मझवां, गाजियाबाद सदर, खैर, मीरापुर सीट पर उपचुनाव होना है।

सीएम योगी फिर बने भाजपा के सक्रिय सदस्य

● लोगों से पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सेवा से जुड़ने का आह्वान किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण करते हुए सक्रिय सदस्य के रूप में फिर से स्वयं को पार्टी के प्रति समर्पित किया है। सीएम योगी ने यह नवीनीकरण भाजपा के 'सक्रिय सदस्यता अभियान' के तहत किया है, जिसे पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से प्रेरित होकर आरंभ किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अभियान में शामिल होकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि वे विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सदस्य के रूप में गर्व महसूस कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर अपने सभी समर्थकों और कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए इस महत्वपूर्ण अभियान से जुड़ें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अभियान न केवल पार्टी को मजबूत करेगा बल्कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने में भी सहायक होगा। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों की संख्या को और भी व्यापक बनाना और पार्टी के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना है। भाजपा, जो राष्ट्रवाद और विकास को अपने मुख्य आधार के रूप में मानती है, इस अभियान के माध्यम से अपनी वैचारिक शक्ति को और बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। इस सदस्यता अभियान के तहत देश भर में लाखों कार्यकर्ता और समर्थक भाजपा से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। योगी आदित्यनाथ के इस कदम से पार्टी को और भी मजबूती मिलेगी और भारतीय राजनीति में भाजपा का वर्चस्व और अधिक सशक्त होगा। उनका आह्वान है कि सभी लोग इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और देश को एक नई दिशा में ले जाने के प्रयासों को मजबूती प्रदान करें।

वन्य जीव के अंगों की तस्करी करने वाले दो तस्कर गिरफ्तार

● बाघ के पांच दांत व दो पंजे बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वन्य जीव (बाघ) के अंगों की तस्करी करने वाले गिरोह के 2 तस्करों को लखीमपुर खीरी के निघासन क्षेत्र से गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से बाघ के पांच दांत व दो पंजे बरामद हुए। एसटीएफ के अनुसार इनका अंतराष्ट्रीय बाजार मूल्य 20 लाख रुपए के करीब अनुमानित है। पकड़े गए अभियुक्तों में दीनदयाल और सतीश निवासी भैरमपुर, थाना सिंगाही, लखीमपुर खीरी शामिल हैं। इनमें दीनदयाल गिरोह का सरगना है। अभिसूचना संकलन के दौरान विश्वसनीय स्त्रोत के माध्यम से एसटीएफ को जानकारी प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति निघासन-पलिया मार्ग निकट ग्राम बोझवा जनपद लखीमपुर खीरी पर बाघ के दांतों व पंजो की खरीद फरोख्त कर रहे है। इस सूचना पर क्षेत्रीय वन अधिकारी विनय कुमार को अवगत कराते हुए क्षेत्रीय वन अधिकारी व वन्य जीव अपराध नियंत्रक ब्यूरो, नई दिल्ली के टीम को साथ लेकर निघासन-पलिया मार्ग निकट ग्राम बोझवा जनपद लखीमपुर खीरी से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्तो ने पूछताछ में बताया कि उनका एक गिरोह है, जो वन्यजीवों का वध करके उनके अंगो की तस्करी करता है। इस गिरोह का सरगना दीनदयाल है। लखीमपुर के जंगलो में जानवरों का बध करने वाले व्यक्तियों से संपर्क करके उनसे जानवरों के अंग (दांत, नाखून आदि) खरीदते है और उनकी ऊंचे दामो में सप्लाई करते है। गिरफ्तार अभियुक्तो के विरुद्ध उत्तर खीरी प्रभाग बफर जोन की पलिया रेंज पर केस पंजीकृत कराया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही उत्तर खीरी प्रभाग बफर जोन की पलिया रेंज द्वारा की जायेगी।

प्रभु श्रीराम के जीवन प्रसंगों पर आधारित 18 प्रसंगों की झांकियां बनेंगी आकर्षण का केंद्र

दीपोत्सव-2024

● 11 झांकियां सूचना विभाग व 7 पर्यटन विभाग की ओर से की जाएंगी निर्मित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

अयोध्या में योगी सरकार की ओर से लगातार सात वर्ष से भव्य दीपोत्सव का आयोजन कर गिनीज बुक में रिकॉर्ड दर्ज कराया जाता रहा है। पिछले वर्षों में आयोजित हुए दीपोत्सव के सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए आठवें दीपोत्सव को हर बार के दीपोत्सव से और अधिक भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। अयोध्या जिला प्रशासन रात दिन एक कर दीपोत्सव को यादगार बनाने में जुटा है। उल्लेखनीय है कि दीपोत्सव ने केवल देश बल्कोकि पूरी दुनिया में यूनीक इवेंट की तौर पर अपनी पहचान सशक्त कर चुका है जिसे देखने के लिए देश विदेश से दर्शक अयोध्या आते हैं। मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि दीपोत्सव के लिए हर कार्यक्रम को अनूठा बनाने की व्यापक तैयारी की जा रही है। दीपोत्सव में विभिन्न प्रकार की लाइटिंग से अयोध्या को सजाया जा रहा है। इनमें प्रभु श्रीराम के आदर्श चरित्र से जुड़े 18 प्रसंगों पर आधारित झांकियां रहेंगी। इनमें 11 झांकियां सूचना विभाग की ओर से और सात झांकियां पर्यटन विभाग की ओर से तैयार की जा रही हैं।

आठवें दीपोत्सव पर आयोजित होने वाली झांकियों में श्रीराम की शिक्षा, सीता- राम विवाह , राम-वन गमन, भरत मिलाप, शबरी प्रसंग , अशोक वाटिका, हनुमान का लंका गमन, शक्तिबाण लगने से लक्ष्मण का मूर्छित होना, रावण वध, राम का पुन: अयोध्या आगमन और दीपोत्सव पर आधारित झांकियां निकाली जाएगी। ट्रकों पर यह झांकियां सजाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साकेत महाविद्यालय में रामायण कालीन प्रसंग मंचन करने के लिए 18 झांकियां सजाई जा रही हैं, जिसमें 11 झांकियां सूचना विभाग और सात झांकियां पर्यटन विभाग की ओर से तैयार की जाएंगी। पर्यटन विभाग की ओर से दीपोत्सव पर सात झांकियां निकाली जाएगी। जिसमें तुलसीकृत राम चरित मानस के सात अध्याय बाल काण्ड, अयोध्या काण्ड, अरण्य काण्ड, सुन्दर काण्ड,किष्किंधा काण्ड, लंका काण्ड व उत्तर काण्ड पर आधारित सात झांकियां निकाली जाएगी।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने दोनों डिप्टीसीएम की सक्रिय सदस्यता का किया नवीनीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने शनिवार को उपमुख्यमंत्रीद्वय केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक को अंत्योदय के मूल मंत्र के साथ प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उत्थान हेतु समर्पित भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश की सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण कर उन्हें मंगलकामनाएं दी। इस दौरान प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, अनूप गुप्ता एवं रामप्रताप सिंह चौहान भी साथ रहे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी का सक्रिय सदस्य बनकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूती प्रदान करने हेतु अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता अवश्य सुनिश्चित करें। आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण की भावना से निरंतर देश व प्रदेश की सेवा कर रही भाजपा विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए अनवरत प्रयासरत है। चौधरी ने कहा कि सदस्यता अभियान संगठन को जमीनी स्तर पर अटूट मजबूती प्रदान करने के साथ ही जन-जन को राष्ट्रवादी विचारधारा और मां भारती की सेवा करने के लिए प्रेरित करेगा।

सात स्तरीय सुरक्षा चक्रव्यूह से महाकुंभ को अभेद्य बनाएगी प्रदेश सरकार

महाकुंभ 2025

10 जोन, 25 सेक्टर, 56 थाने व 155 चौकियों में विभाजित होगा मेला क्षेत्र, तैनात होंगे 37 हजार से अधिक पुलिसकर्मी

● 1500 महिला पुलिसकर्मी देंगी महिला श्रद्धालुओं को सुरक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

प्रयागराज के संगम तट पट पर आयोजित होने वाले दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए खुद इसकी तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। महाकुंभ को अंतरराष्ट्रीय स्तर की बुनियादी सुविधाओं से परिपूर्ण करने के साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी इसे अभेद्य बनाने के लिए रणनीतियां तैयार कर ली गई हैं। इस बार महाकुंभ में श्रद्धालुओं को सात स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के चक्रव्यूह से सुरक्षित किया जा रहा है, जिसमें 37 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात होंगे। इसके साथ ही संपूर्ण मेला अवधि के दौरान 10 प्रकार के सुरक्षा ऑपरेशन भी चलाए जाएंगे।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विशेष फोकस है। हाल ही में महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने सीएम योगी ने खुद प्रयागराज का दौरा किया था, जहां उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर आलाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर तैयारी की समीक्षा की भी थी। सीएम ने हर स्तर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कड़े दिशा निर्देश दिए थे। सीएम योगी के निर्देश पर अधिकारियों ने महाकुंभ को सात स्तर की सुरक्षा व्यवस्था से लैस करने की तैयारी कर ली है, जिससे किसी भी अप्रिय घटना से न सिर्फ तुरंत निपटा जा सके बल्कि समय रहते किसी भी घटना टाला जा सके। महाकुंभ 2025 में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कुल 37,611 पुलिसकर्मी रहेंगे मुस्तैद। जिनमें से महाकुंभ मेला क्षेत्र के लिए 22,953 पुलिस कर्मी, कमिश्नरेट के लिए 6887 और जीआरपी के 7771 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। वहीं महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 1378 महिला पुलिसकर्मी तैनात रहेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ 2025 की सुरक्षा के लिहाज से पिछले कुंभों की तुलना में अधिक सख्त बनाने के निर्देश पर इस बार बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। पुलिस के अलग-अलग विभागों की भागीदारी के लिहाज से 2013 के महाकुंभ के 22,998 पुलिसकर्मियों की तुलना में इस बार 14,713 पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। वहीं अर्धकुंभ 2019 की 27,550 पुलिसकर्मियों की तुलना में 10,061 अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

ये होंगे सुरक्षा के सात चक्र

- पहला चक्र- मूल स्थल (प्वाइंट ऑफ ऑरीजन) पर चेकिंग
- दूसरा चक्र- ट्रेन, बस और निजी वाहनों की चेकिंग
- तीसरा चक्र- प्रदेश की सीमाओं पर व्यापक चेकिंग
- चौथा चक्र-जोन की सीमाओं और टोल प्लाजा पर चेकिंग
- पांचवा चक्र-प्रयागराज कमिश्नरेट की सीमा पर चेकिंग
- छठा चक्र- मेला क्षेत्र आउटर में चेकिंग
- सातवां चक्र-इनर व आइसोलेशन कार्डन पर चेकिंग

अलग-अलग इकाइयों की पुलिस जनशक्ति का विवरण

नागरिक पुलिस- 18479-महिला पुलिस- 1378-यातायात पुलिस- 1405-सशस्त्र पुलिस-1158-घुड़सवार पुलिस- 146-परिवहन शाखा- 230-एलआईयू-510-जल पुलिस- 340-होमगार्ड्स-13,965

इंटेलिजेंस यूनिट से मिलेगी पल-पल की खुफिया रिपोर्ट

महाकुंभ 2025 सुरक्षा के लिहाज से श्रद्धालुओं को कोई असुविधा का सामना न करना पड़े और वो निर्भीक रूप से तीर्थयात्रा संपन्न कर सकें इसके लिए सुरक्षा की तगड़ी रणनीति तैयार की गई है। भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ प्रयागराज पहुंचने वाले हर व्यक्ति की गतिविधियों पर सुरक्षाकर्मियों की नजर होगी। इसके लिए लोकल इंटेलिजेंस यूनिट्स के साथ पुलिसकर्मियों के अलग-अलग विभाग निरंतर संपर्क में रहेंगे। इसके लिए संपूर्ण मेला अवधि के दौरान 10 प्रकार के सुरक्षा ऑपरेशन भी चलाए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को हर कदम पर सुरक्षा का एहसास होता रहे। इसके लिए अभिसूचना आधारित एकीकृत नियंत्रण और कमान केंद्र (आईसीसीसी) के माध्यम से आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) युक्त सीसीटीवी कैमरों द्वारा फोटो, पहचान के चिह्न और टीएसपी (तकनीकी सेवा प्रदाता) के माध्यम से निगरानी की जाएगी।

...और श्रद्धालुओं से यूपी पुलिस पूछेगी 'मे आई हेल्प यू'

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● श्रद्धालुओं से विनम्र व्यवहार के लिए पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

योगी सरकार महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को वर्ल्ड क्लास सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न कदम उठा रही है। वहीं मेले के दौरान श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार पर भी फोकस कर रही है, ताकि वह जब यहां से जाएं तो अच्छा और सुखद अनुभव लेकर जाएं। साथ ही वह अपने इस सुखद अनुभव को लोगों से शेयर कर सकें। इसमें सबसे अहम रोल पुलिस का होगा। ऐसे में योगी सरकार ने पुलिसकर्मियों का तीन सेशन में दो तरह के प्रशिक्षण कराने का निर्णय लिया है। इसके तहत पहले सेशन का प्रशिक्षण शुरू भी कर दिया गया है। इसके अलावा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नाविकों, गोताखोरों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इतना ही नहीं श्रद्धालुओं से तय किराया लेने समेत अन्य चीजों को लेकर ई रिक्शा और टैंपो चालकों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

महाकुंभ मेला एसएसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को अच्छा व्यवहार करने के लिए विभाग को रणनीति तैयार करने के निर्देश दिये थे। इसी के तहत पुलिसकर्मियों को तीन सेशन में प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया। सीएम योगी से हरी झंडी मिलने के बाद पुलिसकर्मियों का पहले सेशन का प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मियों को दो तरह के प्रशिक्षण दिये जाएंगे। इनमें अंतः और बाह्य प्रशिक्षण शामिल है। इसे तीन सेशन में विभाजित किया गया है। इसमें पहला सेशन 21 दिन, दूसरा सेशन 14 दिन और तीसरा सेशन 7 दिन का होगा। इसमें पहले सेशन का प्रशिक्षण 16 अक्टूबर से शुरू हो गया है। एसएसपी ने बताया कि अंतः प्रशिक्षण (इन डेप्थ) को भी सात चरणों में विभाजित किया गया है। इसमें पुलिसकर्मियों को सॉफ्ट स्किल के तहत श्रद्धालुओं से कैसा व्यवहार करना है, इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपना नाम अरबाज जफर से बदलकर अरबाज जफर अन्सारी पुत्र जफर वसीम कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। पता-132/98 बाबूपुरवा कानपुर।

सूचना

मैं शिवानी पत्नी अवधेश शर्मा निवासी 624बी/38 नया गांव फैजाबाद रोड गोमतीनगर लखनऊ उत्तर प्रदेश की निवासी हूँ। मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम लखनऊ में पालिसी नं० 218531042 है। मेरा घरेलू नाम शिवा शर्मा है। लिखा-पढ़ी में शिवानी नाम है। शिवा शर्मा व शिवानी दोनो ही मेरे नाम है। भविष्य में शिवा शर्मा के स्थान पर शिवानी के नाम से ही जानी व पहचानी जाय।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम अजनीश कुमार व जन्मतिथि 10-10-1991 अंकित है जो सही नहीं है। मेरे शैक्षिक अभिलेखों में मेरा नाम अंशराम सिंह व जन्मतिथि 01-07-1998 अंकित है जो सही है। जिसका आधार कार्ड में भी अंकन आवश्यक है। अंशराम सिंह पुत्र गजराज सिंह निवासी ग्राम- कुकापुर, थाना- सौरिख, ज़िला- कन्नौज।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक किता आवासीय भवन रकबा 1620 वर्गफिट जो खसरा सं० 598/2 के भाग पर निर्मित है, स्थित-ग्राम-ओबरी, परगना तहसील नवाबगंज, जिला-बाराबंकी की स्वामित्व श्रृखला का मूल विक्रय विलेख दिनांकित 25.11.1987 जो राम आसरे व शारदा प्रसाद द्वारा मुख्तारेआम प्यारे लाल द्वारा श्रीमती सुशीला श्रीवास्तव के पक्ष में निष्पादित है जो कार्यालय उपनिबंधक नवाबगंज बाराबंकी में बही 1 जिल्द 764 पृष्ठ 360-361 क्रमांक 2622 पर दिनांकित 25.11.1987 को पंजीकृत है जो कि श्रीमती रेखा सिंह (वर्तमान स्वामिनी) द्वारा दिनांक 02.10.2024 को शाम 5 से 6 बजे के बीच अपने घर से नवाबगंज चौराहे पर फोटोकापी कराने जाते समय उक्त विक्रय विलेख कहीं खो गया है इसका किसी भी व्यक्ति/संस्था द्वारा प्रयोग पूर्णतः गैरकानूनी व शून्य होगा। उपरोक्त सम्पत्ति श्रीमती रेखा सिंह द्वारा आई०सी०आई०सी०आई० एच.एफ.सी. में लोन के सापेक्ष बन्धक की जायेगी। यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त विक्रय विलेख प्राप्त हुये हो अथवा इस संदर्भ में कोई आपत्ति या हित हैं तो साक्ष्य व दस्तावेजो के साथ इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी से संम्पर्क करे।
अमित कुमार सिंह राठौर, अधिवक्ता, पता- चेम्बर 7, यू०जी०एफ०, कृष्णा टावर, चकवस्त रोड, कैसरबाग, लखनऊ। मो० 9559811119

कांग्रेस ने मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ किया प्रदर्शन, पुतला फूंका

● कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले मंत्री को बर्खास्त करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ भाजपा सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में शनिवार को भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि एवं उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस मध्य के अध्यक्ष दीपक शिवहरे के नेतृत्व में आक्रोशित युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन कर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि ने कहा कि किसी भी संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति को किसी महिला के विरूद्ध अमर्यादित टिप्पणी निंदनीय है। भाजपा ऐसे मंत्री को तत्काल बर्खास्त करे। उन्होंने कहा कि भाजपा का चरित्र पूरी तरह महिला विरोधी है। एक तरफ महिलाओं की सुरक्षा सम्मान की बात करते वहीं दूसरी तरफ उनके सरकार के मंत्री देश की बेटी प्रियंका गांधी के विरुद्ध अशोभनीय टिप्पणी करते हैं। ऐस मंत्री को एक पल भी सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं है।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने की 'कांग्रेस दिलाएगी न्याय' कार्यक्रम की समीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस सोशल आउटरीच विभाग की बैठक में विभाग द्वारा चलाये जा रहे 'कांग्रेस दिलाएगी न्याय' कार्यक्रम की समीक्षा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय द्वारा की गई। समीक्षा बैठक में सोशल आउटरीच विभाग के संयोजक विक्रम पाण्डेय भी मौजूद रहे। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए हुए न्याय समितियों के प्रभारियों ने अपने प्रभार क्षेत्र के जनपद से प्राप्त प्रान्तीय स्तर की शिकायतों को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के समक्ष समाधान हेतु प्रस्तुत की। बैठक में आये हुए सभी न्याय समितियों के प्रभारियों द्वारा दी गई शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राय ने कहा कि हम आपके द्वारा संज्ञान में लाई गई प्रदेश स्तरीय शिकायतों का समाधान कराने का पूर्ण प्रयास करेंगे। बैठक में उप्र कांग्रेस सोशल आउटरीच विभाग के प्रदेश संयोजक विक्रम पाण्डेय ने कहा कि हमने अभी प्रदेश के 25 जनपदों में इस कार्यक्रम को चलाते हुए वहां के आम जनमानस की शिकायतों के निस्तारण के लिए प्रयास किया है जिसमें जिला स्तर पर कई समस्याओं का निस्तारण कराया जा चुका है।

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) इलाहाबाद
Indian Bank (A Govt. of India Undertaking) ALLAHABAD

कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति हेतु)
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन)अधिनियम 2002 के नियम-8(1) के अंतर्गत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **इंडियन बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002, (धारा 54, 2002) की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (प्रवर्तन) की सपठित नियम 3, 8 व 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऋणी को मांग सूचना पत्र से यहाँ विस्तृत रूप से नीचे दी गयी राशि 60 दिनों के भीतर लौटाने के लिए निर्गमित किया।
ऋण-ग्रहिता/ जमानतकर्ता के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋण-ग्रहिता/जमानतकर्ता और सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचना दी जाती है की अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 व 9 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में निम्नलिखित सम्पत्तियों का आधिपत्य ग्रहण कर लिया गया है। ऋण-ग्रहिता/जमानतकर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्व-साधारण को सामान्य रूप से एतद्वारा संपत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संपत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय **इंडियन बैंक** के अधीन रहेगा।
उधारकर्ता/जमानतकर्ता का ध्यान प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।
यह सूचना इस अधिग्रहण के आयोजन के सम्बन्ध में कर्जदारों, जमानतकर्ताओं और बंधककर्ताओं को बकाया जमा करने के लिए कहा जा रहा है।
विवरण निम्नुसार हैं:-

क्र. सं.	ऋणी/प्रोपराइटर/जमानतकर्ता/बंधककर्ता का नाम एवं पता	अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि / कब्जा की तिथि / बकाया धनराशि
शाखाः सीएमएस विवेक खंड शाखा			
1.	1. श्री सूरज कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 प्रमोद कुमार गुप्ता (ऋणी/बंधककर्ता), सी-3259 राजाजीपुरम आवास विकास कॉलोनी लखनऊ 2. श्रीमती सौम्या दुबे पत्नी सूरज कुमार गुप्ता, सी-3259 राजाजीपुरम आवास विकास कॉलोनी लखनऊ	संपत्ति के सभी भाग व खण्ड, मकान सं. सी-3259 ब्लॉक सी राजाजीपुरम योजना, लखनऊ पिन 226010, क्षेत्रफल-59.83 वर्ग मीटर विक्रय विलेख संख्या-4295 बही संख्या-01, जिल्द संख्या-15355 पृष्ठ संख्या-151 से 168 दिनांक 01.06.2022 को उप रजिस्ट्रार सदर लखनऊ में पंजीकृत **चौहद्दीः उत्तरः** 9 मीटर चौड़ी सड़क, **दक्षिणः** मकान सं. सी-3159, **पूर्वः** शिया, सुंदर गुप्ता का मकान, **पश्चिमः** मकान सं. सी-3261	25.04.2024 18.10.2024 रु. 46,95,854.64 एवं उसपर ब्याज

दिनांक: 20.10.2024 स्थान: लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

पांच विभाग मिलकर शहर में चलाएंगे भिक्षावृत्ति मुक्ति अभियान

● नजर रखने के लिए गठित किए गए पांच स्थैतिक निगरानी दल

● पहले 15 दिनों तक चिन्हित किए गए 6 हॉट स्पॉट चौराहों व उनसे जुड़े मार्गों पर चलेगा बड़े स्तर का अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में भिक्षावृत्ति से मुक्त करने के लिए संयुक्त अभियान चलाया गया। पांच विभागों द्वारा अभियान चलाकर भिक्षावृत्ति प्रथम चरण की शुरुआत की गयी। अभियान संचालन के लिए दो सचल निगरानी दल और पांच स्थैतिक निगरानी दल (एसएसटी) गठित किए गए हैं।

नगर निगम प्रशासन द्वारा पहले 15 दिनों तक चिन्हित किए गए 6 हॉट स्पॉट चौराहों व उनसे जुड़े मार्गों पर अभियान चलेगा। इसके बाद अन्य स्थानों को चिन्हित किया जाएगा। शनिवार को भिक्षावृत्ति में संलिप्त परिवारों और बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराते हुए उनके चिह्नांकन, पुनर्वासन और सामाजिक एकीकरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम, पुलिस विभाग, जिला नगरीय विकास अभिकरण, समाज कल्याण विभाग, महिला कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन से 2 सचल निगरानी दल और 5 स्थैतिक निगरानी दलों का गठन करते हुए एक बड़े स्तर अभियान का संचालन किया जाना है। उक्त अभियान का प्रथम चरण 19 अक्टूबर से प्रारम्भ होकर अगले 15 दिवस तक संचालित होगा। उक्त अवधि में अभियान का संचालन शहर के अन्तर्गत चिह्नित 5 चौराहे (हॉट स्पॉट) जिसमें हजरतगंज, लाल बत्ती, अवध, इन्दिरागाँधी प्रतिष्ठान, चारबाग चौराहों को शामिल किया गया है, यहां पर संचालित किया जायेगा, इसके बाद दूसरे चौराहों पर अभियान का संचालन किया जायेगा। अभियान के तहत निगरानी दल और स्थैतिक दल दो दलों का गठन किया गया है। संयुक्त विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों के गठित किए गए निगरानी दल अभियान के मध्य निरंतर रूप से निर्धारित मार्गों पर भ्रमणशील रहते हुए यह निगरानी करेंगे और निर्धारित चौराहों व चौराहों को जोड़ने वाले मार्गों पर स्थैतिक दल के द्वारा भिक्षावृत्ति से मुक्ति के लिए अपेक्षित कार्यवाही सम्पादित की जाएगी। साथ ही निगरानी दल, स्थैतिक दल को इस कार्य में आवश्यक सहयोग भी प्रदान करेगी और प्रतिदिन की सूचना संकलित कर जिला प्रोबेशन अधिकारी से अपर जिलाधिकारी नगर (पूर्वी) लखनऊ को उपलब्ध करायी जायेगी। अपर जिलाधिकारी नगर (पूर्वी) लखनऊ द्वारा प्रतिदिन सायंकाल अभियान की समीक्षा की जायेगी और प्रगति से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराया जायेगा। उक्त अभियान में निगरानी एवं स्थैतिक दल के सुविधाजनक रूप से आवागमन और आवश्यकतानुसार रेस्क्यू कार्य के लिए जिला प्रोबेशन अधिकारी लखनऊ द्वारा 02 रेस्क्यू वाहन यथावश्यक स्थल वन स्टॉप सेण्टर, आशियाना, लखनऊ और टिकरा हाउस, लालबाग, लखनऊ पर उपलब्ध कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार नगर.निगम और पुलिस विभाग के वाहनों का भी प्रयोग किया जा सकेगा। गठित निगरानी एवं स्थैतिक दल के अधिकारी एवं कार्मिक निर्गत आदेश का अक्षरश: अनुपालन करते हुए निर्धारित चौराहों, मार्गों को भिक्षावृत्ति मुक्त चौराहा, मार्ग बनाया जाना सुनिश्चित करेंगे, जिसकी पाक्षिक रूप से समीक्षा की जायेगी।

स्थैतिक निगरानी दलों द्वारा किए जाने वाले कार्य

■ चिह्नित चौराहों पर तथा सटे हुए आसपास के क्षेत्रों में भिक्षावृत्ति में संलिप्त पुरुष.महिलाओं तथा बच्चों का चिह्नांकन करते हुए निर्धारित प्रारूप पर विस्तृत सूचना (प्रोफाईलिंग) तैयार की जायेगी।
■ उचित परामर्श सेवाओं के माध्यम से भिक्षावृत्ति से मुक्त कराने के समुचित प्रयास किये जायेंगे।
■ विभिन्न विभागों द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किये जाने के तहत प्रयास करते हुए पात्रता के अनुरूप निर्धारित आवेदन कराया जायेगा।
■ किसी योजनान्तर्गत पात्र होनेए किन्तु निर्धारित अभिलेख उपलब्ध न होने की दशा में अभिलेख बनवाये जाने हेतु विशेष शिविरों का आयोजन कराये जायेंगे।
■ रेस्क्यू की कार्यवाही केस टू केस आधार पर आवश्यक होने के दृष्टिगत् कराया जायेगा। - नाबालिग बच्चों के संबंध में किशोर न्याय अधिनियम के अन्तर्गत निर्धारित प्राविधानों का अनुपालन भी सुनिश्चित कराया जायेगा।
■ यह सुनिश्चित किया जायेगा कि जिन परिवारों ध् व्यक्तियोंध् बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया जा रहा है वे पुन: भिक्षावृत्ति में संलिप्त न हो सकेए इस के लिए नियमित रूप से फॉलोअप किया जायेगा।

नौबस्ताकला में 68 करोड़ मूल्य की सरकारी भूमि हुई कब्जामुक्त

● नगर निगम की टीम ने भूमाफिया के कब्जे से खाली कराई 19 हजार वर्गमीटर जमीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नौबस्ता कला में नगर निगम द्वारा सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं के कब्जे को हटाया गया। भूमाफिया 19,000 वर्गमीटर भूमि पर काबिज थे। संपत्ति प्रभारी द्वारा नगर आयुक्त के आदेश पर पुलिस फोर्स की मदद से कब्जा हटाया गया। संपत्ति विभाग के अनुसार खाली करायी गयी भूमि की मार्केट मूल्य 68 करोड़ रुपए की आंकी गयी।

शहर के नौबस्ता कला में नगर निगम ने अवैध कब्जे में फंसी बेशकीमती जमीन को खाली कराया। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के आदेश पर संपत्ति प्रभारी अधिकारी संजय यादव, तहसीलदार अरविंद कुमार पांडेय ने अवैध कब्जे के विरुद्ध अभियान को चलाया। ग्राम नौबस्ताकला, तहसील व जिला लखनऊ की खसरा संख्या.584, 586, 597, 598, 599, 600, 631 व 632 राजस्व अभिलेखों में बंजर व ऊसर के रूप में दर्ज भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जा किया था। लंबे अर्से से जमे भूमाफियाओं को नायब तहसीलदार संजय सिंह, लेखपाल राजू सोनी, शक्ति वर्मा और आनंद की उपस्थित में हटाया। पुलिस, नगर निगम की ईटीएफ टीम के सहयोग से शांतिपूर्ण ढंग से 19,000 वर्गमीटर भूमि से कब्जा हटवा दिया। इस अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई भूमि की बाजारू कीमत लगभग 68 करोड़ रुपए है।

राजकीय आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर

लखनऊ। नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई अलीगंज, राज कुमार यादव ने बताया कि लखनऊ जनपद के सभी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2024 के विभिन्न व्यवसायों में रिक्त सीटों के लिए प्रवेश हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2024 सायं 5 बजे तक है।

ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जिन्होंने आवेदन किया है, लेकिन किसी कारणवश प्रवेश नहीं ले सके हैं, अथवा जिनका चयन नहीं हुआ है, वे जनपद के किसी भी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। प्रवेश के समय अभ्यर्थियों को अपना प्रार्थना पत्र, ऑनलाइन किया हुआ आवेदन पत्र, रैंक पत्र और शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र साथ लाना होगा। अभ्यर्थियों को समय पर उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

नए शिक्षकों से काफी उम्मीद, संस्थान की गरिमा को रखेंगे बरकरार: प्रो. नित्यानन्द

● केजीएमयू शिक्षक संघ ने किया नवनियुक्त शिक्षकों का सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी शिक्षक संघ द्वारा शनिवार को नवनियुक्त शिक्षकों का स्वागत तथा प्रोन्नत व सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान समारोह कलाम सेंटर में आयोजित किया गया। समारोह में कुलपति के अतिरिक्त, प्रतिकुलपति, डीन, सीएमएस, एमएस, प्राक्टर, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, अध्यक्ष डा. के.के. सिंह, सचिव डा. संतोष कुमार व कोषाध्यक्ष डा भास्कर अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान नयी भर्ती से ज्वाइन कर चुके 58 शिक्षकों का स्वागत किया गया तथा 67 प्रोन्नत व 7 सेवानिवृत्त शिक्षकों यथा डा. ए.पी. टिक्कू, डा. जी.पी. सिंह, डा. इदरीस व डा. एस.पी. जैसवार का आदि सम्मान समारोह किया गया। इस अवसर पर कुलपति द्वारा शिक्षकों के शोध व अध्यापन कार्यों हेतु प्रोत्साहित करते हुए संस्थान की रैंकिंग बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने संस्थान के बैकग्राउंड, प्रोग्रेस, अचीवमेंट पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमे नए शिक्षकों से काफी आशा है, वो इस यूनिवर्सिटी की गरिमा को बरकरार रखेंगे। यह हमारा दायित्व है कि हम अपने एकेडमिक ड्रीम्स को पूरा करें। यह यूनिवर्सिटी काफी फेमस है इसकी गरिमा को बचाये रखना आपकी जिम्मेदारी है। सभी शिक्षक कक्षाएं लें। इस दौरान उन्होंने सांध्यकालीन कक्षाओं को शुरू करने, नैक और एआईआरएफ रैंकिंग पर भी बात की। इस दौरान शिक्षकों की सुविधा हेतु केजीएमयू के शिक्षकों की अपडेटेड टेलीफोन, ईमेल व पद की डायरेक्टरी का भी विमोचन किया गया। शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो केके सिंह ने कहा कि पिछले 3 से 4 साल में एसोसियेशन काफी एक्टिव हुआ है। जब एसोसिएशन को हाथ मे लिया तो हमारी पहुंच कम थी। धीरे धीरे हमने जगह बनाई और आज हम लोगों की बात सुनी जाती है। कार्यकारिणी ने प्रशासन से अच्छा ताल मेल रखने का निर्णय लिया। प्रशासनिक पदों पर हमारे ही टीचर ही है। पिछले 3 साल में एसोसियेशन ने किसी की सिफारिश नही की है। उन्होंने कहा कि संघ के बाइलॉज नही थे। अब हमारी लीगल संस्था है। एसोसिएशन का प्रयास है कि नए टीचर को मदद की जरूरत पर मदद की जाएगी। नए शिक्षक संस्था का मान बढ़ावे। इसे बरकरार रखना होगा। कोविड में काम करने का फल है कि आज कई प्रोजेक्ट शासन से मिले हैं।

सेंट पॉल एलुमनाई एसोसिएशन ने किया वार्षिक इंटर हाउस मिनी मैराथन का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शैक्षणिक और एथलेटिक उत्कृष्टता के प्रतीक सेंट पॉल कॉलेज ने शनिवार की सुबह सेंट पॉल एलुमनाई एसोसिएशन, लखनऊ के सहयोग से अपने वार्षिक इंटर हाउस मिनी मैराथन का आयोजन किया। सुबह 6 बजे शुरू हुई मैराथन, कॉलेज समुदाय को फिटनेस, परंपरा और एकता के एक दिन के लिए एक साथ लेकर आई।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुई, इसके बाद राष्ट्रगान का गायन हुआ, जिसने दिन के लिए एक गंभीर और देशभक्तिपूर्ण स्वर स्थापित किया। मैराथन में छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए विभिन्न श्रेणियां शामिल थीं, जिससे सभी को भाग लेने और अपने हॉउस का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। सेंट पॉल एलुमनाई एसोसिएशन ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य फादर तेज प्रकाश बारा, प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी, शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक डी.पी. गुरुंग, पूजा गोस्वामी, अनु और पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष आशीष यादव, उपाध्यक्ष रवि सेठ, सचिव मनप्रीत सिंह और वरिष्ठ पूर्व छात्र दलजीत सिंह थे। इस दिन का मुख्य आकर्षण लड़कियों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ समय के लिए विशेष पुरस्कार था, जहां अविका गोस्वामी को पूर्व छात्र पुलकित राजपाल द्वारा प्रायोजित साइकिल से सम्मानित किया गया, जिसे रेवरेंड फादर तेज प्रकाश बारा और आशीष यादव ने भेंट किया। मैराथन श्रेणियां और विजेता में क्रमश: सीनियर लड़कों में प्रथम मुदित कांत श्रीवास्तव, द्वितीय सार्थक यादव, तृतीय रयान चेरुबिन रहे। सीनियर लड़कियां में प्रथम अविका गोस्वामी, द्वितीय श्रेया सिंह चौहान, तृतीय मनश्वी यादव, जूनियर लड़कों में प्रथम कार्तिक श्रीवास्तव, द्वितीय अर्पित टोप्पो, तृतीय जैक्विन क्रिस साजी, जूनियर लड़कियों में प्रथम अनकिता दास, द्वितीय अनन्या सोनकर, तृतीय सृष्टि वर्मा, सब-जूनियर लड़कों में प्रथम हिमांशु शुक्ला, द्वितीय प्रभकीरत सिंह, तृतीय अभिराज श्रीवास्तव, सब-जूनियर लड़कियां में प्रथम रान्या बाजपेयी, द्वितीय अदित्री सिन्हा, तृतीय अक्षिता सिंह, पूर्व छात्र लड़कों में प्रथम उत्कर्ष आनंद द्विवेदी, द्वितीय अमित सिंह, तृतीय रोहन अग्रवाल, पूर्व छात्र लड़कियों में प्रथम गायत्री देबनाता रहीं।

इस मौके पर सेंट पॉल के पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष आशीष यादव ने कहा, हमें इस साल फिर से इंटर हाउस मिनी मैराथन की मेजबानी करने पर गर्व है। यह मैराथन केवल जीतने के बारे में नहीं है, बल्कि किसी बड़ी चीज का हिस्सा बनने के बारे में है, एक ऐसा आयोजन जो हमारे समुदाय को मजबूत करता है और सेंट पॉल की भावना का सम्मान करता है। यह कार्यक्रम टीम वर्क, दृढ़ता और स्कूल के गौरव का सच्चा प्रतिबिंब था, तथा प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों के लिए एक अच्छे दिन की यादें छोड़ गया।

बच्चों में मलद्वार की सर्जरी एक ही चरण में सम्भव

● केजीएमयू के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग ने मनाया 26वां स्थापना दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग ने शनिवार को अपना 26 वां स्थापना दिवस एवं सतत् शिक्षा कार्यक्रम मनाया। इस कार्यक्रम में जेनी लिंड अस्पताल नॉर्विक यूके के डॉ. आशीष मिनोचा ने वाखलू-टंडन व्याख्यान दिया। जिसमें उन्होंने 'यूनाइटेड किंगडम में पीडियाट्रिक सर्जरी प्रशिक्षण की संभावनाओं' के बारे में चर्चा की। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आये अन्य विशेषज्ञों ने भी मल द्वार विकृति के इलाज के बारे में अपने अनुभव साझा किये।

डॉ. एएन गंगोपाध्याय ने बताया कि मल द्वार की सर्जरी एक ही चरण में की जा सकती है। डॉ. एस एन कुरील और डॉ सुनीता ने क्रमश: लड़के एवं लड़कियों में इस स्थिति के इलाज के बारें में जानकारी दी। इन रोगियों में लैप्रोस्कोपी विधि द्वारा इलाज के बारे में मुंबई के डॉ. रसिक शाह और जबलपुर के डॉ. विकेश अग्रवाल ने अपने अनुभव साझा किये। डॉ. शिल्पा, डॉ. सिम्मी रतन ने मल द्वार की जटिलता के आपरेशन के विषय में बताया। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञों में पीजीआई चण्डीगढ से डाक्टर रवि कनौजिया, श्रीनगर से डॉ. राशिद, दिल्ली से डा संदीप सिन्हा ने भी अपने अपने अनुभव साझा किये। समारोह के उद्घाटन की अध्यक्षता कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद और उप कुलपति डॉ. अपजीत कौर एवं डीन डॉ. अमिता जैन ने किया। पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस एन कुरील ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया, आयोजन सचिव एवं पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जेडी रावत ने विभाग की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की उन्होनें बताया कि मल द्वार का न होना एक महत्वपूर्ण जन्मजात स्थिति है और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के पास इन रोगियों के इलाज में व्यापक अनुभव है। डॉ. अर्चिका गुप्ता ने इस कार्यक्रम में आये सभी मेहमानों का एवं विभाग के सभी डाक्टरों, कर्मचारियों एवं नर्सिंग स्टॉफ को कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने किया राजकीय बाल गृह का निरीक्षण

● स्थानान्तरित बालिकाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए: अपर्णा यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष, अपर्णा यादव ने शनिवार को श्रीराम औद्योगिक अनाथालय, अलीगंज, लखनऊ से स्थानान्तरित की गयी 33 बालिकाओं एवं 2 नवजात शिशुओं का हाल-चाल लेने हेतु राजकीय बाल गृह, सिंधी खेड़ा, पारा, का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने सभी बालिकाओं से बातचीत की। उन्होंने बालिकाओं को समझाया कि नये स्थान से सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें को कुछ समय लगेगा। उपाध्यक्ष ने संस्था के कर्मचारियों को स्थानान्तरित बालिकाओं पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया। उपाध्यक्ष द्वारा संस्था की अधीक्षिका की कार्यप्रणाली एवं संस्था का वातावरण संतोषजनक पाया गया। सूडा के माध्यम से भवन की रंग-रोगन का कार्य व जिला होमगार्ड कमाण्डेंट के माध्यम से 12 महिला होमगार्ड तथा 3 पुरुष एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ होमगार्ड उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये। उपाध्यक्ष द्वारा संस्था की अधीक्षिका को बालिकाओं की काउंसलिंग कर उनके यथाशीघ्र घर वापसी कराये जाने हेतु प्रयास करने के निर्देश दिये गये।

निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी, संस्था अधीक्षिका सफलता एवं सूर्यकान्त चौरसिया, बाल संरक्षण इकाई एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमडी मध्यांचल ने नेटवर्क ऑपरेशन एंड मॉनीटरिंग सेंटर का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इन्द्रलोक हाइडिल कालोनी कृष्णानगर, लखनऊ में स्थापित मध्यांचल विद्युत वितरण लिमिटेड के नेटवर्क ऑपरेशन एंड मॉनीटरिंग सेंटर (एनओएमसी) का लोकार्पण प्रबन्ध निदेशक, मध्यांचल विद्युत वितरण लिमिटेड द्वारा किया गया।

नेटवर्क ऑपरेशन एंड मॉनीटरिंग सेंटर में सिस्टम मॉनिटरिंग कार्य के साथ स्मार्ट मीटर रियल टाइम रिचार्ज की मॉनिटरिंग एवं स्मार्ट मीटर के नवीन कनेक्शन और डिस्कनेक्शन की भी मॉनिटरिंग की जायेगी। जिससे कि उपभोक्ताओं द्वारा दर्ज कराई गयी बिलिंग एवं आउटेज सम्बन्धि शिकायतों का त्वरित निस्तारण भी सम्भव होगा एवं स्मार्ट मीटर की प्रतिस्थापना, निगरानी और संचालन में गुणात्मक सुधार हो सकेगा। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक मध्यांचल द्वारा परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। लोकार्पण के अवसर पर इं. योगेश कुमार, निदेशक (वाणिजय), मनोज बंसल, निदेशक (वित्त), इं. नीरज स्वरूप, निदेशक (तकनीकी), सौरोजित घोष निदेशक (आईटी), मुख्य अभियन्ता अमौसी क्षेत्र एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी भी उपस्थिति थे।

अपने साथ दूसरों की मदद को भी आगे आएं: एडीजी नीरा रावत

● यूपी 112 के प्रति जागरूक करने के लिए 'संवाद श्रंखला-2' का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रदेश के करोड़ों नागरिकों को यूपी 112 की विभिन्न सेवाओं के बारे में जागरूक करने के लिए 'एक पहल' अभियान के अंतर्गत 'संवाद श्रृंखला- 2' का आयोजन शनिवार को हुआ। इसके पूर्व 'संवाद श्रृंखला-1' का आयोजन 7 सितम्बर को यूपी 112 भवन में आयोजित किया गया था। जिसके अंतर्गत विभिन्न स्कूलों के बच्चों को जागरूक किया गया है।

संवाद श्रंखला-2 के अंतर्गत परिवहन सम्बन्धी समूहों को आमंत्रित किया गया, साथ ही प्रतिष्ठानों की सुरक्षा जैसे सीआईएसएफ, जीआरपी, आरपीएफ के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी प्रतिभाग किया। एडीजी 112 नीरा रावत ने आये हुए विभिन्न संगठनों से आह्वान किया कि अपने साथ साथ दूसरों की मदद के लिए आगे आएं और आपात सहायता के लिए यूपी 112 मिलाएं। सूचना देने वाले का नाम व नंबर गुप्त रखा जायेगा 7 नंबर एक सेवाएं अनेक के अंतर्गत यूपी 112 के साथ 32 संगठनों के एकीकरण की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। कार्यक्रम का शुभारम्भ अपर पुलिस अधीक्षक मोहिनी पाठक द्वारा 'एक पहल' के उद्देश्य को बताते हुए विभिन्न संगठनों व एसोसिएशन से आये हुए लगभग 200 नागरिकों का स्वागत किया । 112 की सेवाओं से जागरूक करते हुए प्रदेश के विभिन्न संगठनों तक यह बात पहुंचाते हुए सजग नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर टैक्सी, ऑटो आदि के प्रतिनिधियों को बताया गया कि भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजार, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कहीं भी कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखे तो उसे अनदेखा न करें, इसकी जानकारी तत्काल यूपी-112 को दें। उनका एक छोटा सा प्रयास किसी बड़ी घटना को रोकने में सहायक सिद्ध होगा। यूपी-112 ऐसे जागरूक नागरिकों को समय समय पर सम्मानित भी करता है। यूपी-112 पर कॉल कर के सिर्फ पुलिस सहायता ही नहीं बल्कि आग लगने, दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा, ट्रेन में भी आपात स्थिति में सहायता प्राप्त कर सकते है। इसको नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने नाट्य एवं गीत के द्वारा सरलता से सभी प्रमुख स्थितियों पर प्रकाश डालते हुए दर्शाया, जिनके अभिनय की सभी के द्वारा प्रशंसा की गई। अपर पुलिस महानिदेशक यूपी 112 नीरा रावत ने बताया कि सहायता के लिए कॉल करने वाले नागरिक का नाम, पता, फोन नंबर सहित सभी जानकारी गुप्त रखी जाती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि अपने साथ-साथ दूसरों की मदद के लिए भी बेझिझक आगे आएं और यूपी 112 पर कॉल मिलाएं। गौरतलब है कि एक पहल अभियान का शुभारंभ पुलिस महानिदेशक द्वारा किया गया है। जिसके अंतर्गत प्रत्येक जनपद में नागरिकों को यूपी 112 की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया जा रहा है। इसके साथ ही साथ एडीजी 112 द्वारा सभी अतिथियों से अनुरोध किया कि आप पूरे प्रदेश में यूपी 112 की एक पहल जागरूकता अभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक शहाब रशीद खां, उपमहानिरीक्षक पुलिस दूरसंचार सत्य प्रकाश सिंह, पुलिस अधीक्षक निधि सोनकर, अपर पुलिस अधीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय व अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश पुरी उपस्थित रहे।

दीपावली की सौगात देने आज वाराणसी पहुंचेंगे प्रधानमंत्री

काशी से ही देशवासियों को 6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करके देंगे सौगात

● 90 करोड़ की लागत से बने आरजे शंकरा नेत्र चिकित्सालय को शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती के मौजूदगी में आमजन के लिए करेंगे लोकार्पित

● वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण व नए टर्मिनल भवन की नींव भी रखेंगे मोदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को दीपावली की सौगात देने के लिए रविवार को वाराणसी पहुंचेंगे। अपने सांसद का ग्रैंड वेलकम करने के लिए काशी तैयार है। तीसरी बार वाराणसी से सांसद और प्रधानमंत्री बनने के बाद काशी को पीएम मोदी विकास की परियोजनाओं की सौगात देंगे। काशी से ही देश को 6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करके देशवासियों को सौगात देंगे। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, धर्म, पर्यटन से रोजगार, आवास, विमानन जैसी कई सुविधाओं का लोकार्पण करके जनता को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण व नए टर्मिनल भवन की नींव भी रखेंगे। वह आरजे शंकरा नेत्र चिकित्सालय को आमजन के लिए लोकार्पित करेंगे और सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में 20 हजार से अधिक लोगो से संवाद करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा संस्कृत विद्यालयों और अस्पतालों में तीमारदारों के लिए शुरू की गई निःशुल्क भोजन व्यवस्था की घोषणा मंच से कर सकते है। कार्यक्रम के अंतर्गत, करीब 1 बजे पीएम वाराणसी पहुंचेंगे और लगभग 6 बजे काशी से रवाना हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री की अगवानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री समेत कई केंद्रीय और कैबिनेट मंत्रियों के मौजूद रहने की भी संभावना है। सिविल एविएशन, ओलिंपिक संघ आदि के पदाधिकारी भी मौजूद रह सकते है । विकास की परियोजनाओं से काशी का कायाकल्प करने वाली भाजपा की डबल इंजन की सरकार एक बार फिर पूर्वांचल समेत देश के अन्य भागों को दीपावली में विकास की सौगात देने जा रही है। भाजपा, काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि प्रधानमत्री के रविवार को काशी आगमान पर उनका स्वागत काशीवासी ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा से करेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी जगह-जगह स्वागत की तैयारी की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबतपुर इंटरनेशल एयरपोर्ट से हरहुआ गाजीपुर रिंग रोड स्थित शंकरा नेत्रालय के उद्घाटन के बाद सड़क मार्ग से सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स पहुंचकर परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री एक बड़ी जनसभा को सिगरा स्टेडियम में सम्बोधित करेंगे, इसमें 20 हज़ार से अधिक लोगो के रहने की सम्भावन है। इसमें प्रमुख रूप से खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों, बुद्धजीवियों, प्रबुद्धजनों,जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्त्ता रहेंगे। प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से जुड़े 90 करोड़ की लागत से बने आधुनिक आर झुनझुनवाला शंकरा नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, सिगरा स्टेडियम समेत 380.13 करोड़ की लागत से तैयार14 परियोजनाएं को जनता को समर्पित करेंगे। वहीं, 2,874.17 करोड़ की लागत की 2 महत्पूर्ण योजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

निशुल्क भोजन व्यवस्था की भी मंच से घोषणा कर सकते हैं पीएम

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि न्यास की ओर से नाट्यकोटम संस्था के सहयोग से 16 संस्कृत विद्यालयों के छात्रों को और 3 अस्पतालों में तीमारदारों को भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गोदौलिया स्थित जम्मू कोठी में बनाए गए अन्नक्षेत्र में सात्विक सनातन रसोई का ट्रायल किया जा चुका है।

प्रथम चरण में लगभग 3000 लाभार्थियों को भोजन वितरण से प्रारंभ कर यह योजना 5000 लाभार्थियों तक भोजन उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगी। विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से निशुल्क भोजन व्यवस्था का सफल ट्रायल शुक्रवार को हुआ था। न्यास के सीईओ दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्तूबर को नई व्यवस्था की घोषणा मंच से कर सकते हैं।

इत्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंः एससीएल दास

● कन्नौज दौरे पर आए भारत सरकार के सचिव एमएसएमई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ कन्नौज

कन्नौज दौरे पर आए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारत सरकार के सचिव एस.सी.एल. दास ने इत्र उद्योग को बढ़ावा देने और निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया। कन्नौज स्थित एफएफडीसी सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने प्रमुख उद्यमियों और औद्योगिक संगठनों के साथ इत्र उद्योग की मौजूदा चुनौतियों और उनके समाधान पर विचार-विमर्श किया।

बैठक के दौरान उद्यमियों ने सैंडलवुड की जगह अन्य बेस ऑयल विकल्प तलाशने और फूलों व मसालों की स्थानीय स्तर पर खेती करने की आवश्यकता पर चर्चा की। साथ ही, इत्र उत्पादों की पैकेजिंग के महत्व को देखते हुए, जनपद में एक पैकेजिंग संस्थान या उसकी शाखा स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा गया। अतर एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन त्रिवेदी ने गंगा के किनारे फूलों की खेती को बढ़ावा देने और औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार की मांग की। उद्यमियों ने निर्यात में कस्टम से जुड़ी समस्याओं को भी उठाया, खासतौर से चंदन के तेल और उससे जुड़े उत्पादों के निर्यात में आने वाली बाधाओं को लेकर। उन्होंने इत्र और परफ्यूम के लिए अलग-अलग मानक तय करने की मांग की और भारत मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा इत्र का मानकीकरण किए जाने का सुझाव दिया। औद्योगिक आस्थान के अध्यक्ष आदित्य कुमार मिश्रा ने इत्र उद्योग में रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए विशेष पैकेज की मांग की, और सूक्ष्म इकाइयों के लिए टेस्टिंग में सब्सिडी की सुविधा दिए जाने का अनुरोध किया। बैठक में सचिव दास ने एफएफडीसी के प्रधान निदेशक को इत्र उत्पादों के मानकीकरण पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि वाणिज्य मंत्रालय और जीएसटी काउंसिल से समन्वय स्थापित कर सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही, जनपद में एक सामान्य सुविधा केंद्र की स्थापना की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

दौरे के दौरान, सचिव दास ने गोपाल सैनी फार्मलैंड में फूलों की खेती का भौतिक निरीक्षण किया और एफएफडीसी कन्नौज कैंपस का भी दौरा किया।

वादों का निस्तारण अगले दो माह में सुनिश्चित करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए में राज्य सूचना आयुक्त द्वारा सूचना का अधिकार से सम्बंधित लंबित प्रकरणों के विषय में समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में राज्य सूचना आयुक्त द्वारा कहा गया कि समस्त सरकारी कर्मचारियों को पारदर्शिता बनाये रखते हुए समयबद्ध तरीके से प्रकरणों का निस्तारण करना चाहिए। साथ में ही उन्होंने निर्देश दिये कि जन सूचना के समस्त लंबित वादों का निस्तारण अगले दो माह में सुनिश्चित करा लिया जाना चाहिए।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के रूद्राक्ष सभागार में शनिवार को राज्य सूचना आयुक्त पदम नारायण द्विवेदी द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम.2005 से सम्बंधित लंबित प्रकरणों के विषय में समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में प्राधिकरण के सचिव विवेक श्रीवास्तव, मुख्य विधि सलाहकार संजय शुक्ल, वित्त नियंत्रक दीपक सिंह, मुख्य अभियंता अवनीन्द्र कुमार सिंह व संयुक्त सचिव सोमकमल सीताराम समेत समस्त जन सूचना अधिकारी, प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं जन सूचना के अधिवक्ता उपस्थित रहे। बैठक में राज्य सूचना आयुक्त द्वारा विभागाध्यक्षों व जन सूचना अधिकारियों को अवगत कराया गया कि सूचना का अधिकार अधिनियम लोकतंत्र का मजबूत स्तम्भ है। जिसके अनुसार समस्त सरकारी कर्मचारियों को पारदर्शिता बनाये रखते हुए समयबद्ध तरीके से प्रकरणों का निस्तारण करना चाहिए। इस दौरान राज्य सूचना आयुक्त ने बैठक में उपस्थित अधिकारी एवं अधिवक्ताओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर देते हुए सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अंतर्गत मांगी जाने वाली सूचनाओं के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अंत में उन्होंने निर्देश दिये कि जन सूचना के समस्त लंबित वादों का निस्तारण अगले दो माह में सुनिश्चित करा लिया जाना चाहिए।

डीएम का आदेश दरकिनार, सभासदों की शिकायत पर दो माह बाद भी नहीं हुई जांच

सम्पूर्ण समाधान दिवस

● अवैध कब्जों की शिकायत पर भी कार्रवाई से कतरा रहे तहसील अफसर

संवाददाता। मोहनलालगंज

ईओ पर अभद्र भाषा के प्रयोग का आरोप लगाकर डीएम से शिकायत दर्ज कराने वाले सभासदों की शिकायत पर दो माह बाद भी सुनवाई नही हो सकी है। नाराज सभासदों ने जांच अधिकारी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर शनिवार को दोबारा शिकायत दर्ज कराई। हालांकि शिकायत पर त्वरित कार्रवाई के बजाए एसडीएम ने तहसीलदार को वार्ता के लिए लिखकर सभासदों को आश्वासन की घुट्टी पिलाकर वापस लौटा दिया।

मोहनलालगंज तहसील में 17 अगस्त को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में नगर पंचायत के कुछ सभासदों ने ईओ पर अभद्र भाषा के प्रयोग का आरोप लगाकर डीएम सूर्यपाल गंगवार से शिकायत की थी। नाराज सभासदों ने सुनवाई नही होने पर सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी दी थी। शिकायत की गंभीरता देखते हुए डीएम ने एडीएम एफआर को मामले की जांच सौंपी थी। लेकिन हिमांशु सिंह समेत अन्य सभासदों का आरोप है कि दो माह बाद भी एडीएम मामले की जांच के लिए फुरसत नही निकल सके हैं। उधर दो माह से शिकायत लंबित है फिर भी तहसील अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। जिसे लेकर खफा सभासदों ने शनिवार को फिर से शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई। जबकि ईओ के विरुद्ध जांच में लापरवाही बरत रहे अधिकारियों के रवैये की मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत की गई है।

शिकायतों की भरमार, अवैध कब्जेदारों पर मेहरबान अफसर

सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनगिनत शिकायतों के बाद भी अवैध कब्जेदारों पर कार्रवाई में लापरवाही बरत रहे तहसील अधिकारियों को फरियादियों ने शनिवार को फिर से आईना दिखाया। टिकरा सानी निवासी अविनाश शुक्ल ने बताया पिछले आठ माह से लगातार शिकायतों के बावजूद चकमार्ग से अवैध कब्जे नही खाली कराए जा सके हैं। ग्राम्य विकास और राजस्व विभाग के अधिकारी मनमाफिक रिपोर्ट लगाकर शिकायतें निपटा रहे हैं।

गौरियाकला के ग्राम प्रधान राम प्रघट सिंह ने अनगिनत शिकायतों के बाद भी सरकारी जमीनों से अतिक्रमण नहीं खाली कराए जाने की शिकायत दर्ज कराई। रत्नापुर के कृष्ण कुमार ने भी शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अवैध कब्जे नही खाली कराए जाने की शिकायत दर्ज कराई। मऊ गांव में भी सरकारी जमीनों पर प्लॉटिंग कंपनियों के अवैध कब्जों की शिकायत दर्ज कराई गई।

शिक्षा भवन में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाई जाएगीः महेंद्र सिंह

● शिक्षकों ने किया आम आदमी पार्टी, शिक्षक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह का शनिवार को रामाधीन सिंह इंटर कॉलेज में जोरदार स्वागत किया गया । कॉलेज के प्रधानाचार्य सहित कई शिक्षकों ने माला पहनाकर, पुष्प वर्षा कर स्वागत किया ।

इस अवसर पर महेंद्र सिंह ने सभी शिक्षकों का स्वागत करने पर आभार व्यक्त किया और इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा भवन में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाई जाएगी, शिक्षकों के लंबित प्रकरणों पर जल्द विभाग के अधिकारियों से मुलाकात कर प्रकरण का समाधान कराया जाएगा । उन्होंने कहा शिक्षकों का उत्पीड़न कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा । स्वागत समारोह में प्रधानाचार्य एसके यादव, राघवेंद्र सिंह सचान, राजीव गुप्ता, रामशंकर, इंकलेश यादव, अरुण सिंह, संध्या शर्मा, अनुपमा सोनकर, माया टुन्नु, किरण लता, अनीता वर्मा, रचना, पूनम गुप्ता, रामलाल, धीरेन्द्र कुमार, विकास कुमार, राजीव तिवारी सहित कई शिक्षक/ शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 6 जनवरी को होगा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को मतदाता सूची दिए जाने के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत आलेख्य एवं अन्तिम प्रकाशित मतदाता सूचियां समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती रही हैं। उन्होंने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 कार्यक्रम के अन्तर्गत 6 जनवरी 2025 को अन्तिम प्रकाशन होगा। इस हेतु तैयार की जाने वाली मतदाता सूचियां समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों को अंतिम प्रकाशन के समय दो प्रतियों (हार्ड एवं साफ्टकापी में) में निशुल्क उपलब्ध करायी जाएंगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 के अन्तिम प्रकाशन-2024 अर्थात् 23 जनवरी 2024 के पश्चात् से प्रारम्भ हुए निरन्तर पुनरीक्षण की अवधि में परिवर्द्धित या विलोपित किए गए नामों तथा मतदाता सूची की प्रविष्टि में संशोधनों की सूचियां जन सामान्य के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर प्रत्येक माह की उपलब्ध हैं, जहां से सम्बन्धित सूचियां प्राप्त की जा सकती हैं। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर 29 अक्टूबर 2024 से प्रारम्भ हो रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 की अवधि में आलेख्य प्रकाशित निर्वाचक नामावलियों की दो प्रतियां (हार्ड एवं साफ्टकापी में) निःशुल्क सम्बन्धित जिला निर्वाचन अधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों को उपलब्ध करायी जाएंगी एवं मतदाता सूची (बिना फोटो) की पीडीएफ मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर जन सामान्य हेतु उपलब्ध रहेंगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा दावे और आपत्तियों से सम्बन्धित सूचियां प्रत्येक सप्ताह समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों को उपलब्ध करायी जाएंगी तथा यह सूचियां जन सामान्य हेतु भी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेंगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार किसी भी निर्वाचन के समय निर्वाचन में प्रयुक्त होने वाली अद्यतन मतदाता सूचियां प्रदेश के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों को निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं। वर्तमान में 09 विधानसभाओं में गतिमान उप निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान भी मतदान में प्रयुक्त होने वाली मतदाता सूची निःशुल्क समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों को नामांकन वापसी एवं निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की अन्तिम सूची तैयार होने के 3 दिन के भीतर उपलब्ध करायी जाएंगी।

मोहनलालगंज के आर्यभट्ट का निधन, दौड़ी शोक की लहर

मोहनलालगंज। काशीश्वर इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य अमरेन्द्र सिंह का शनिवार की शाम निजी अस्पताल में निधन हो गया। मोहनलालगंज में आर्यभट्ट के नाम से प्रसिद्ध अमरेन्द्र सिंह को लंबी बीमारी के बाद हालत बिगड़ने पर कई दिन पूर्व निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 75 वर्षीय अमरेन्द्र सिंह अपने पीछे पत्नी और छह बच्चों का भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। रविवार को पैतृक गांव गढ़ी मवैया में सुबह 9 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शनिवार की शाम अमरेन्द्र सिंह के निधन की खबर फैलते ही समूचे क्षेत्र में उनके शिष्यों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके आवास पर लोगों की भीड़ जुट गई। सोशल मीडिया के जरिए भी लोगों ने उनके असामयिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की।

बस का ब्रेक फेल, टक्कर लगने से स्कूटी और कार सवार जख्मी

संवाददाता। मोहनलालगंज

कस्बे में मौरावां तिराहे पर शनिवार की दोपहर प्रतापगढ़ डिपो का अचानक ब्रेक फेल हो गया। बेकाबू बस की टक्कर से स्कूटी सवार पुरसेनी निवासी सूरज जख्मी हो गए। जिन्हें पुलिस टीम ने सीएचसी ले जाकर भर्ती कराया।

जबकि हादसे के दौरान एक अन्य कार भी क्षतिग्रस्त हो गई जबकि कार सवार भी मामूली रूप में जख्मी हो गए। गनीमत रही कि टक्कर मारने के बाद ड्राइवर ने किसी तरह बस रोंक ली। जिससे बड़ा हादसा टल गया। बस में सवार 20 सवारियों में हड़कंप मच गया। कुछ सवारियां भी मामूली रूप में जख्मी हो गईं।

पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया। किसी ने कोई शिकायत नहीं की है।

जीवंत हुईं संगम नगरी की दीवारें

● 10 लाख स्क्वायर फीट से बड़े क्षेत्र में उकेरी जा रही सनातन संस्कृति

● देशभर के कलाकार दिन-रात जुटकर कुंभ नगरी को दे रहे नया रूप

● सीएम योगी आदित्यनाथ की कलाकारों ने की जमकर प्रशंसा, दिया धन्यवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनूठी पहल ने संगम नगरी को एक बड़े कैनवास में तब्दील कर दिया है। महाकुंभ- 2025 के लिए प्रयागराज की दीवारों को धर्म, संस्कृति और आस्था के रंगों से सराबोर किया जा रहा है। प्रयागराज और देशभर से आए कलाकार दिन-रात सनातन धर्म से जुड़े प्रतीकों को दीवारों पर उकेर रहे हैं। 10 लाख स्क्वायर फीट से भी बड़े क्षेत्र में महाकुंभ-2025 के लिए पेंटिंग्स तैयार की जा रही हैं। इंदौर की अर्चना जाधव की 70 लोगों की टीम दिन-रात दीवारों पर पेंटिंग बनाने में जुटी है। अर्चना अक्टूबर के पहले सप्ताह में प्रयागराज आ गई थीं। वो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद देते हुए कहती हैं कि योगी जी की ओर से यह ऐसा कार्य कराया जा रहा है, जो दिव्य भी है और नव्य भी है। उनकी टीम म्यूरल पेंटिंग, 3डी आर्ट, मधुबनी आर्ट आदि पर काम कर रही है। नटराज की नृत्य करती 108 मुद्राएं भी उनकी टीम ने दीवारों पर बनाई हैं।

अर्चना बताती हैं कि रामायण को दीवारों पर उकेरा जा रहा है। भगवान राम, माता सीता, हनुमान आदि को दर्शाते हुए पूरी रामायण दीवारों पर बनाई जा रही है। फाइन आर्ट्स के स्टूडेंट्स के अलावा कुछ मूक-बधिर युवा भी दीवारों पर पेंटिंग बना रहे हैं। अर्चना की टीम विशेष रूप से सनातन संस्कृति को बढ़ावा देते चित्रों को बना रही है। अर्चना बताती हैं कि नवंबर के अंत तक वो अपनी पेंटिंग्स को पूरा कर लेंगी। अर्चना की टीम में प्रयागराज के अलावा सुल्तानपुर, अयोध्या, बनारस, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि के छात्र काम में जुटे हुए हैं। सभी को पारिश्रमिक मिलता है।

पुणे के अमित दरस्तवार महाकुंभ मेला क्षेत्र में दीवारों पर सनातन के प्रतीकों की पेंटिंग्स बना रहे हैं। उनकी 10 लोगों की टीम गंगा माता, जीव-जंतुओं, साधुओं की रियलिस्टिक पेंटिंग, वाद्य यंत्र, हिंदू धर्म के चिन्ह आदि पर काम कर रहे हैं। अमित की टीम ने मेला प्राधिकरण के कार्यालय की दीवारों पर बेहद सुंदर चित्र बनाए हैं। समुद्र मंथन, सप्त ऋषि आदि की पेंटिंग भी दीवारों के साथ फ्लाईओवर, पिलर्स पर बनाई जा रही हैं। दीवारों पर पेंटिंग्स कितने दिनों तक सुरक्षित रहेंगी, के सवाल पर अर्चना जाधव कहती हैं कि दो साल तक पेंटिंग्स अपने मूल स्वरूप में बनी रह सकती हैं, यदि लोग उन्हें नुकसान न पहुंचाएं।वैसे यह पेंटिंग्स पांच साल तक भी सुरक्षित रहेंगी, यदि इनका सही से रख-रखाव किया जाए।

बाजरे की होगी बल्ले बल्ले, चना बोने वाले किसानों को भी मिलेगा चैन

● और बढ़ेगी गुड़ की मिठास मूंगफली की भी बढ़ेगी मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मोटे अनाजों में शामिल बाजरा बोने वाले किसानों की बल्ले बल्ले होगी। इसी तरह चना बोने वाले किसानों को भी चैन मिलेगा। साथ ही गन्ना किसानों के लिए गन्ने की मिठास और बढ़ जाएगी। साथ ही मूंगफली की मांग बढ़ने से उत्पादक क्षेत्र के किसानों को भी लाभ होगा।

यह सब कुछ होगा योगी सरकार द्वारा लिए गए एक हालिया निर्णय के नाते। दरअसल उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि वह प्रदेश के 1.57 लाख परिषदीय प्राथमिक और प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले करीब 1.48 करोड़ बच्चों को मध्यान्ह भोजन के गुरुवार के मीनू में बेहतर पोषण के मद्देनजर बदलाव करेगी। इसके तहत अब बच्चों को हर गुरुवार को बाजरे/रामदाने का लड्डू देगी। अन्य विकल्प होंगे गुड़ और तिल (तिलवा), भुना चना, मूंगफली की चिक्की और गजक। सरकार फिलहाल इस पर 95 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसमें केंद्र और प्रदेश का हिस्सा क्रमशः 57 करोड़ और 38 करोड़ रुपए होगा। यकीनन योगी सरकार के इस फैसले से संबंधित फसलों की मांग बढ़ेगी। मांग बढ़ने पर वाजिब दाम मिलने से उत्पादक किसानों को वाजिब दाम भी मिलेंगे। बतौर बोनस सबसे बड़ा लाभ तो इससे होने वाला बच्चों का स्वास्थ्य है। उल्लेखनीय है कि खाद्यान्न सुरक्षा के बाद अब पोषण संबंधी सुरक्षा ही महत्वपूर्ण है। खासकर बच्चों और महिलाओं में। इसमें भी सर्वाधिक ध्यान प्रोटीन और आयरन पर देने की जरूरत है। सरकार ने योजना के तहत जिन अनाजों का चयन किया है उनमें प्रोटीन और आयरन के साथ अन्य पोषक तत्वों की उपलब्धता का भी ध्यान रखा है। मसलन मूंगफली, चना, रामदाना में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। बाजरा अन्य पोषक तत्वों के साथ आयरन का अच्छा सोर्स है।

मूंगफली: इसमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन और फैट मिलता है। इसमें इनकी उपलब्धता क्रमशः 25 और 50 फीसद की होती है। इसके अलावा 10 फीसद फाइबर,विटामिन ई, मैग्नीशियम- मूंगफली में मैग्नीशियम, पोटैशियम,आयरन, जिंक और कॉपर भी होता है।

चना: अन्य दलहनी फसलों की तरह चना भी प्रोटीन का अच्छा सोर्स है। इसमें चने में लगभग 19 फीसद प्रोटीन होता है। इसके अलावा 10 फीसद फाइबर, 2 फीसद फैट, विटामिन बी 6 मैग्नीशियम, चने में मैग्नीशियम, पोटैशियम, आयरन, जिंक और कॉपर मिलता है।

रामदाना: में भी करीब 20 फीसद प्रोटीन होता है। प्रोटीन के अलावा इसमें, फाइबर, फैट, विटामिन बी 6, मैग्नीशियम, पोटैशियम, जिंक, कॉपर और आयरन मिलता है।

बाजरा: इसमें भी करीब 12-15 फीसद प्रोटीन होता है। यह आयरन का अच्छा सोर्स है। उम्र, लिंग और स्वास्थ्य के अनुसार सबको प्रति दिन अलग अलग मात्रा में आयरन की जरूरत होती है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं और गर्भवती महिलाओं को अधिक आयरन की जरूरत होती है। प्रति 100 ग्राम बाजरे में लगभग 4-5 मिलीग्राम आयरन होता है। इसके अलावा बाजरे में फाइबर, फैट, विटामिन बी 6, जिंक और कॉपर भी होता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

अपोलो नवी मुंबई में कार्यरत वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर तृप्ति दूबे के अनुसार आयरन की कमी से होने वाली एनीमिया आम है। खासकर किशोर उम्र की लड़कियां और गर्भवती महिलाओं में। इनको इस तरह के अनाज और फल, सब्जियां खाने की सलाह दी जाती है। इसी तरह मांसपेशियों के निर्माण में प्रोटीन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह शरीर में होने वाले टूट फूट को भी रिपेयर करता है। हर उम्र के लोगों के लिए यह महत्वपूर्ण है।

डीएम ने की संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा

संवाददाता। अंबेडकर नगर

जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण (1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर एवं दस्तक अभियान(11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर) चल रहे अभियान के सम्बंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अभियान के दौरान सभी विभागों द्वारा अब तक की गई गतिविधियों एवं कार्ययोजना के अनुरूप अवशेष गतिविधियों के तैयारियों की विभागवार गहन समीक्षा की एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संबंधित विभागाध्यक्षों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभियान के समस्त गतिविधियों को गंभीरता के साथ क्रियान्वित करें। संचारी रोगों से बचाव एवं उस पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जन सामान्य को जागरूक करें। सभी अधिशासी अधिकारी एवं डीपीआरओ शहरी एवम् ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। डेंगू बीमारी के चिन्हित हॉट स्पॉट पर विशेष ध्यान दिया जाए।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान से संबंधित विभागाध्यक्ष स्वयं भी नियमित क्षेत्र में निकलकर अभियान की गतिविधियों का सत्यापन करें तथा अभियान प्रत्येक गतिविधि का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी विभाग इस अभियान के सफल संचालन हेतु अपनी भूमिका पूर्ण मनोयोग से निभाये तथा संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाएं।

उन्होंने डेंगू, मलेरिया तथा अन्य संचारी रोग तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित इलाज सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि दस्तक अभियान तथा संचारी अभियान में आशा व आंगनवाड़ी कार्यकत्री की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही साथ नगर पालिका,पंचायत क्षेत्र में अधिशाषी अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्र में डीपीआरओ को निर्देश दिया गया कि एंटी लार्वा छिड़काव, साफ-सफाई एवं फॉगिंग आदि कराया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी विभागों को निर्देश दिया गया कि सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्यक्रम को सफल बनायें तथा तहसील, ब्लाक, ग्राम स्तर पर प्रगति रिपोर्ट बनाकर संयुक्त रूप से जिला स्तर पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाय तथा स्वच्छता एवं साफ-सफाई के लिये लोगों में जागरूकता लायी जाय। उन्होंने कहा कि सभी विभाग संचारी रोग अभियान को सफल बनाने हेतु बेहतर प्रयास करें तथा प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करें। आयोजित बैठक में समस्त विभागों की गतिविधियों के लक्ष्य के सापेक्ष गतिविधि विवरण तथा एक्शन टेकेन रिपोर्ट पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी।

बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजकुमार, जिला विकास अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, समस्त केन्द्र अधिक्षक,प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने लिया उपचुनाव संबंधी गतिविधियों का जायज़ा

संवाददाता। अंबेडकर नगर

जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 277-कटेहरी के उप निर्वाचन के नामांकन कक्ष तथा नामांकन प्रक्रिया की विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया ।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने रिटर्निंग ऑफिसर से संचालित निर्वाचन कार्यों की जानकारी ली तथा नामांकन सहित निर्वाचन की समस्त प्रक्रियाओं में अनिवार्य रूप से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित करते हुए संपन्न करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में नामांकन प्रक्रिया को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने हेतु की गई सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया तथा ड्यूटी पर तैनात मजिस्ट्रेट एवं पुलिस के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त दिशा-निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित करते हुए संपूर्ण मतदान प्रक्रियाओ को पूर्ण निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न किया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी,प्रभारी अधिकारी मतदान कार्मिक आनंद कुमार शुक्ला, उप जिला निर्वाचन अधिकारी,एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ सदानंद गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। रिटर्निंग ऑफिसर,उप जिलाधिकारी भीटी द्वारा अवगत कराया गया कि विधानसभा उप निर्वाचन-2024 के अंतर्गत 277-कटेहरी विधानसभा में नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन 19 अक्टूबर 2024 को गोविंद कुमार निर्दल प्रत्याशी द्वारा एक सेट में नामांकन पत्र तथा बसपा प्रत्याशी अमित कुमार वर्मा द्वारा दो सेट में नामांकन पत्र प्राप्त किया गया। उन्होंने बताया कि दिनांक 18 अक्टूबर को 06 प्रत्याशियों द्वारा कुल 11 नामांकन पत्र प्राप्त किया गया था। अब तक कुल सात प्रत्याशियों द्वारा 14 सेट नामांकन पत्र प्राप्त किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्था योजना के तहत किसानों को उपलब्ध कराया मक्का

भीटी, अम्बेडकरनगर। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, पार्ती, अंबेडकर नगर में सिमेट अंतरराष्ट्रीय संस्था है। योजनांतर्गत किसानों को उपलब्ध कराए गए मक्का की नवीन प्रजातियों (पी. जे. एच. एम.-1,कलिंग राज एवं आई. ऐम. सच. 224) का प्रक्षेत्र परीक्षण विकासखंड- कटेहरी एवं भीटी में कराया गया है। आज दिनांक 19 अक्टूबर 2024 को, एक्रीसेट, हैदराबाद के प्रधान वैज्ञानिक डा.पी.एच. जैदी ने कृषि विज्ञान केंद्र, पार्ती, अंबेडकर नगर के अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक डॉ. राम जीत, उद्यान वैज्ञानिक डा. शशांक शेखर सिंह, डॉ. राम गोपाल यादव, एवं डॉ. जे.पी. राम के साथ प्रक्षेत्र भ्रमण कर नवीन प्रजातियां का अवलोकन कर किसानों को सलाह दिया कि खरीफ मक्का की बुआई मेंड बनाकर लाइन में करें। लगाई गई मक्का की प्रजातियों के विषय में किसानों से जानकारी जानकारी प्राप्त किया। डा .जैदी ने किसानों को अवगत कराया कि सिमेट द्वारा मक्का की उन्नत खेती विषयक प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केंद्र ,पार्ती, अंबेडकर नगर में कराया जाएगा।

शिकायतों का हो गुणवत्तापूर्ण निस्तारण: डीएम

संवाददाता। सोनभद्र

शासन की मंशा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील राबर्ट्सगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा की अध्यक्षता में किया गया।

इस मौके पर शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को बड़े ही सरलभाव से सुना और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारयों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण किया जाना है, सम्बन्धित अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में समय से उपस्थित होते हुए जनमानस के शिकायतों का निस्तारण समय से करें।

जिलाधिकारी ने समस्त कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने-अपने अधीनस्थों को अवगत करा दें कि किसी प्रकार की योजनाओं को आम जनता को देने में पैसे की मांग किये जाने की शिकायत प्राप्त होती है तो सम्बन्धित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर एसडीएम सदर उत्कर्ष द्विवेदी, डीडीओं शेषनाथ चौहान आदि ने 133 शिकायतें सुनते हुए 17 मामलें निस्तारित किये गये और 04 टीम को क्षेत्र में भेजकर निस्तारित किया गया। तहसील दिवस राबर्ट्सगंज में कुल 21 मामले निस्तारित हुए, बाकी 112 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश दिये गये। तहसील ओबरा में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस मौके पर शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को बड़े ही सरलभाव से सुना और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर 55 शिकायतें सुनते हुए 06 मामलें निस्तारित किये और 03 टीम को क्षेत्र में भेजकर निस्तारित किया गया। 46 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश दियें गयें। तहसील घोरावल में उप जिलाधिकारी घोरावल राजेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, इस मौके पर 59 शिकायतें सुनते हुए मौके पर ही 05 मामलें निस्तारित किये गये और 01 टीम को क्षेत्र में भेजकर निस्तारित किया गया।

बाकी 53 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश दियें गयें। तहसील दुद्धी में तहसीलदार ज्ञानेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस मौके पर 37 शिकायतें सुनते हुए 02 मामलें निस्तारित किये गये और 01 टीम को क्षेत्र में भेजकर निस्तारित किया गया। बाकी 34 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

श्री रुद्रांबिका महायज्ञ में भागवत कथा सुनने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गाजीपुर। जनपद के नवली क्षेत्र में स्थित श्री रूद्रांबिका धाम प्राचीन शिवकाली मंदिर प्राचीन गंगा धारा नगरी परिसर में चल चल रहे श्री रूद्रांबिका महायज्ञ के क्रम में वेदाचार्य ,वेद विभूषण डॉ0 पंडित धनंजय पांडे के आचार्यत्व में काशी से पधारे पंडित गोविंद, जितेंद्र, गौरव आदि ने चारों वेदों के मंत्रों से सविधि पूर्वक मंडप में सभी देवताओं के पूजन क्रम को संपन्न कराया। आचार्य जी ने बताया कि देव पितृ कार्य में प्रमाद नहीं करना चाहिए। यथा सामर्थ्य अनुसार देव यज्ञ में सम्मिलित होने से मानव जीवन का उद्धार होता है। खचाखच भरे हुए श्रद्धालुओं से यज्ञ पंडाल में अपने मनोकामना की पूर्ति हेतु गांव क्षेत्र के बड़े, बूढ़े ,बच्चे, बच्चियों ने यज्ञ में आहुतियां समर्पित किया। यज्ञ के महिमा पर प्रकाश डालते हुए डॉ0 पांडे जी ने कहा कि यज्ञ को श्रेष्ठ कर्म बताया गया है। यज्ञ परमार्थ प्रयोजन के लिए किया गया एक उच्च स्तरीय पुरुषार्थ है। अंतर्जगत में दिव्यता का समावेश कर प्राण की अपान में और अपान की प्राण में आहुति देकर जीवन रूपी समिधा को समाज रूपी यज्ञ में होम करना ही वास्तविक यज्ञ है। भावनाओं में यदि सत्प्रवृत्ति का समावेश होता चला जाए तो यही वास्तविक यज्ञ है। चौबीस अवतारों में एक अवतार यज्ञ भगवान का भी है। यज्ञ हमारी संस्कृति का आराध्य इष्ट रहा है तथा यज्ञ के बिना हमारे किसी दैनंदिन क्रियाकलाप की कल्पना तक नहीं की जा सकती।

भागवत कथा का विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए काशी से पधारे भगवताचार्य पंडित कन्हैया द्विवेदी ने कहा कि भागवत कथा सुनने से सारे पापों से मुक्ति मिलती है और पितृगण भी संतुष्ट होते हैं। इस दौरान गोकर्ण उपाख्यान की कथा, परम पापी धुंधकारी की मुक्ति का वर्णन, ज्ञान वैराग्य की कष्ट निवृत्ति की चर्चा भागवत कथा में हुई। यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूरी तन्मयता से कथा का श्रवण किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे श्री श्री 1008 स्वामी रामचरण दास,दूधाधारी त्यागी जी महाराज का दर्शन व आशीर्वचन से सभी श्रद्धालु लाभान्वित हुए। इस मौके पर अजय पांडेय,अरविंद सिंह, बबुआ सिंह, मुन्ना पांडेय,उत्सव हृदय नारायण,साधु जी, गोविंद चौरसिया सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जीएम एनसीआर उपेंद्र चंद्र जोशी ने किया टूंडला कानपुर खण्ड का निरीक्षण

संवाददाता। प्रयागराज

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेन्द्र चंद्र जोशी ने प्रयागराज मण्डल के टूंडला कानपुर खण्ड का निरीक्षण शनिवार को किया। महाप्रबंधक ने टूंडला कानपुर खण्ड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। बता दें कि विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भारतीय रेल में एक विशेष निरीक्षण है। जिसमें चलती ट्रेन से निरीक्षण कार की पिछली खिड़की से ट्रैक और उसके आसपास के प्रतिष्ठानों जैसे सिग्नल ओएचई प्लेटफॉर्म आदि का निरीक्षण किया जाता है।

निरीक्षण के दौरान मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की सफाई यात्री सुविधाएं और समग्र स्थिति विशेष रूप से प्वाइंट और क्रॉसिंग पर ट्रेन की सवारी की गुणवत्ता ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स टीजीआई में सुधार ओएचई स्थिति समपार फाटकों की स्थिति सिग्नल दृश्यता सिग्नल बाक्स की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर आदि महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे द्वारा देखे गए। महाप्रबंधक श्री जोशी ने कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के रीडिवेलपमेंट कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस अवसर पर मुख्य इंजीनियर निर्माण अजय कुमार सिंह ने महाप्रबंधक को चल रहे कार्य की वर्तमान प्रगति से अवगत कराया। महाप्रबंधक ने कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया और सभी संबंधित अधिकारियों को कार्य को निर्धारित समय के अंतर्गत पूरा करने और गुणवत्ता मानकों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किये जा रहे टूंडला जंक्शन स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा नवीन प्रकाश ने टूंडला स्टेशन के अमृत भारत स्टेशन के रुप में विकसित किए जाने के दौरान किए जा रहे विकास की पूरी योजना के बारे में महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने टूंडला स्थित केंद्रीय यातायात नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया।

गौमांस के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र। थाना पिपरी प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप सिंह उ0नि0 शशिभूषण नरेन्द्र कुमार राय हे0का0 अरविन्द कुमार रमेश सिंह कुशवाहा का0 मनीष तिवारी द्वारा शनिवार को मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन तिराहा के पास से 03 अभियुक्त विजय कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 राम खेलावन निवासी वार्ड नं0-06 शिवा पार्क रेनुकूट मूल पता ग्राम गणेशपुर थाना करमा सोनभद्र उम्र करीब 44 वर्ष, आकाश उर्फ पिन्टू कुमार साहनी पुत्र स्व0 गंगा प्रसाद साहनी निवासी वार्ड नं0-03 अम्बेडकर पार्क के पीछे तुर्रा थाना पिपरी सोनभद्र उम्र करीब 30 वर्ष, मोहम्मद बीर साहब कुरैशी उर्फ सूफी अली उर्फ मोनू पुत्र स्व0 मंशूर आलम कुरैशी उर्फ आजाद मास्टर निवासी वार्ड नं0-04 दर्जी मार्केट इमाम चौक के पास रेनुकूट उम्र करीब 24 वर्ष को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 82 किलोग्राम गौ मांस बछड़ा का चापड़ व दो चाकू बरामद किया गया। उक्त के सम्बन्ध में थाना पिपरी पर मुकदमा दर्ज गिरफ्तारी की गई।

टीबी मुक्त अभियान के तहत आशाओं को मिल रहा प्रशिक्षण

मीरजापुर। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत समस्त विकास खंडों में कार्यरत आशाओं एवं आशा संगनीयों को अपने-अपने कार्य क्षेत्र से ज्यादा से ज्यादा टीबी मरीजों को खोज कर इलाज पर लाने हेतु प्रशिक्षित करने का कार्य क्षय विभाग द्वारा किया जा रहा है। उपरोक्त अभियान के तहत शनिवार को सीखड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उपरोक्त प्रशिक्षण में क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा आशाओं वह संगनीयों को निर्देशित किया कि आप सभी क्षेत्रीय भ्रमण के समय हर घर के व्यक्तियों को टीबी के संपूर्ण लक्षणों एवं सरकारी स्तर से वर्तमान में उपलब्ध समस्त निः शुल्क सुविधाओं के विषय में पूरी जानकारी दें जिससे कि अज्ञात टीबी रोगी को खोज कर इलाज पर लाया जा सके।

श्री यादव द्वारा यह भी कहा गया कि आप सभी अपने क्षेत्र के सम्मानित जनों को टीबी मरीजों के हित में नि:क्षय मित्र एवं टीबी चैंपियन बनाने का प्रयास करें जिससे कि माननीय प्रधानमंत्री जी के 2025 तक टीबी समाप्ति के लक्ष्य को पूरा होना संभव किया जा सके।

एंटी करप्शन की मनमानी के खिलाफ प्रमुख सचिव गृह के नाम पत्रक

सकलडीहा, चन्दौली। एंटी करप्शन और विजिलेंस टीम की ओर से आये दिन कर्मचारियों को घूस लेते हुए गिरफ्तार किये जाने को लेकर आक्रोश है। शनिवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आवाहन पर तहसील ईकाई के लेखपाल संघ ने एंटी करप्शन व विजिलेंस टीम पर मनमानी किये जाने का आरोप लगाते हुए प्रमुख सचिव गृह के नाम एसडीएम को पत्रक सौपा। एसडीएम ने पत्रक को उच्चाधिकारी के माध्यम से भेजने का आश्वासन दिया।

लेखपाल संघ ने आरोप लगाया कि एंटी करप्शन और विजिलेंस की टीम साजिशन व झूठा फंसाये जाने की नियत से साधरण शिकायत के आधार पर टीम द्वारा आये दिन जबरन ट्रैप की कार्रवाई की जा रही है। जिसके कारण कर्मचारी मानसिक ,सामाजिक और आर्थिक रूप से परेशान होता है। लेखपाल राजस्व विभाग की फील्ड का कर्मचारी है। जिसका संबध जनता से सीधे होता है। जनता की भूमि विवाद सहित अधिकांश समस्याओं से सम्बधित संदर्भ निस्तारण हेतु लेखपाल के पास ही आते है। दो पक्षो के विवाद में एक पक्ष स्वभाविक रूप से असंतुष्ट होता है। पंचायत व राजस्व संबधित अवैध अतिक्रमण हटवाने सहित अन्य कार्यो के दौरान एक पक्ष का लेखपाल राजनीतिक शिकार भी होता है। अक्सर लेखपालों के खिलाफ साजिश करते हुए एंटी करप्शन टीम द्वारा फसाया जा रहा है। जबकि एंटी करप्शन विभाग वास्तविक तथ्यों का परीक्षण किये बगैर साजिशकर्ता के साथ मिलकर जबरन पैसा पकड़वाने व पाउडर लगे हाथ से जबरन पकड़वाने पर दोषी बनाया जाता है। बगैर रिश्वत स्वीकार किये कर्मचारियों को दोषी बना दिया जाता है। लेखपाल संघ ने सरकारी कर्मचारियों की छवि धूमिल करने इस प्रकार की कृत पर रोक लगाने की मांग को लेकर प्रमुख सचिव गृह के नाम से सम्बोधित पत्रक सौपा। इस मौके पर लेखपाल संघ अध्यक्ष चंदन यादव, प्रेमानंद मौर्य, राजेश पासवान सहित अन्य रहे।

व्यक्ति के विकास के लिए मातृभाषा का विकास जरूरी: बृजभूषण शरण सिंह

संवाददाता। प्रयागराज

भोजपुरी संगम और स्वाती फाउंडेशन के तत्वावधान में भोजपुरी के उत्थान और संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए दबाव बनाने पर शनिवार को चर्चा की गयी। भोजपुरी साहित्य के मुर्धन्य लोगों ने कविता पाठ से लेकर साहित्य विकास तक की चर्चा की। इसके बाद देर रात तक भोजपुरी लोकगीतों का कार्यक्रम चलता रहा। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सासंद बृजभूषण शरण सिंह उपस्थित रहे। भोजपुरी माई महोत्सव कार्यक्रम में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की मातृभाषा ही उसके विकास की जड़ में होता है जितना भाषा का विकास होगा उतना ही उस क्षेत्र का बौद्धिक विकास होगा।

यह जरूरी नहीं कि उसे आठवीं अनुसूची में शामिल ही किया जाए। उससे पहले जरूरी है कि हम सभी उसमें रचे बसें कहीं भी रहें अपनी भोजपुरी को बोलने में शर्म न करें। बल्कि गर्व करें और उसी भाषा में बात करें। वहीं विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कहा कि जिस भाषा में हमने बोलना सीखा है। जिसने हमें अपनत्व का बोध कराया है। वह निश्चय ही हमारी मां से कम नहीं है। आखिर मां ही है। जो पशुवत से मनुष्यत्व की ओर ले जाने की शिक्षा देती है। वहीं हमारी पहली अध्यापक है जो समाज के साथ भाषा के प्रयोग को बताती है।

आखिर भाषा का भी तो यही काम है। शायद यही कारण है कि अजीत विक्रम और अजीत सिंह ने इसे माई का दर्जा दिया है। क्योंकि मातृ भाषा हर बच्चे के लिए मां ही है। आखिर इस भाषा में मिठास भी जितनी ज्यादा है अन्य कहीं भी मिलना मुश्किल है। विशिष्ट अतिथि कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि भोजपुरी में ही नहीं भोजपुरी समाज के लोगों में भी जो मिठास है वह अन्यत्र कहीं नहीं दिख सकता। डा उदेश्वर सिंह अमित अनजान डा ज्वाला प्रसाद डा चंद्रभूषण राय पंकज गांधी आदि ने अपने अपने विचार रखे। कार्यक्रम संयोजक अजीत विक्रम सिंह और अजीत कुमार सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

अजीत विक्रम सिंह ने कहा कि भोजपुरी प्यार की भाषा के साथ साथ वक्त पड़ने पर दबंग की भी भाषा है। अजीत सिंह ने कहा कि भोजपुरी में जो प्यार है वह कहीं नहीं मिल सकता। इससे जितना अधिक जुड़ेंगे उतना अधिक भावनाओं से ओत। प्रोत होंगे। कवि सम्मेलन में डा श्लेष गौतम मनोज भावुक देव कांत पांडेय डा विनम्र सेन सिंह संजीव त्यागी आदि ने कविता पाठ कर समाज और भोजपुरी भाषा पर भावनाओं के माध्यम से अपने विचार रखे।

सकलडीहा में सीवर नाला निर्माण कार्य की जांच के दिये गये निर्देश

सकलडीहा, चन्दौली। सकलडीहा कस्बा में ग्राम सभा की ओर से महीनों से सीवर नाला निर्माण कार्य कराया जा रहा है। आरोप है कि ग्राम सभा की ओर से एक माह पूर्व बनायी गयी नाला का ढ़क्कन जगह जगह टूटने लगा है। कई जगह नाला सकरा और गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है। जिसके कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। शनिवार को सीडीओ के निर्देश पर एडीओ पंचायत बजरंगी पांडेय ने निर्माण कार्य की जांच कराने का निर्देश दिया है।

सकलडीहा कस्बा में ग्राम सभा की ओर से एक माह पूर्व लाखों रूपया खर्च करके सीवर नाला का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। ग्रामीणों के घर के सामने मनमानी ढ़ग से गड्ढा खोदकर नाला निर्माण बगैर मानक के अनुरूप किया जा रहा है। कही नाला का चैंबर सकरा तो कही बड़ा बनाया गया है। कई जगह नाला पर हफ्तों पूर्व लगाया गया ढ़क्कन टूट गया है। कई जगह गड्ढा खोदकर बगैर चैंबर को ढके छोड़ दिया गया है। जिसके कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। कई ग्रामीणों के घर के सामने का चबूतरा टूटा हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम सभा की ओर से सरकारी धन का खुलेआम दुरूपयोग किया जा रहा है। निर्माण कार्य अभी पूरा हुआ नहीं है। इसके बाद भी भुगतान कर दिया गया है। शनिवार को तहसील दिवस पर ग्रामीणों की शिकायत पर सीडीओ ने निर्माण कार्य की जांच का निर्देश दिया है। इस बाबत एडीओ पंचायत बजरंगी पांडेय ने बताया कि सकलडीहा कस्बा में हो रहे सीवर नाला निर्माण का स्थलीय निरीक्षण किया जायेगा। मानक के अनुरूप कार्य नही होने पर संबधित से स्पष्टीकरण लिया जायेगा। संतोष जनक जबाब नहीं होने पर कार्रवाई की जायेगी।

मिशन शक्ति के तहत डीएवी की छात्राओं को किया गया जागरूक

बीजपुर, सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद स्टेशन के आवासीय परिसर में स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्र एवं महिला पुलिस कर्मियों द्वारा मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वालंबन आदि के संबंध में टिप्स देकर उन्हें विशेष रूप से जागरूक किया गया। छात्राओं को वूमेन पावर लाइन1090, चाइल्डलाइन1098 महिला हेल्पलाइन181 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन1076 पुलिस आपात सेवा112 स्वास्थ्य सेवा102 एंबुलेंस सेवा108 एवं केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर उनके कल्याण के लिए चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं के संदर्भ में जानकारियां देकर जागरूक किया गया। इसके पूर्व विद्यालय प्राचार्य राजकुमार व छात्राओं ने करतल ध्वनि के बीच प्रभारी निरीक्षक श्री मिश्र व महिला आरक्षियों का स्वागत किया।

मोदी के आज के दौरे से पहले वाराणसी होर्डिंग से पट गया

फाइल फोटो

वाराणसी (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को वाराणसी दौरे से पहले उनके संसदीय क्षेत्र में 500 से अधिक होर्डिंग लगाए गए हैं। इनमें से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमन सोनकर द्वारा लगाए गए एक होर्डिंग में मोदी को 10 हाथों के साथ दिखाया गया है, जिनमें से प्रत्एक हाथ स्वच्छ भारत मिशन , जन धन योजना और मेक इन इंडिया जैसी अलग-अलग सरकारी योजनाओं का प्रतिनिधित्व करता है।

शहर के लंका, चितईपुर और सारनाथ इलाकों में लगाया गया यह होर्डिंग लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। सोनकर ने कहा कि यह होर्डिंग विकास और लोगों के कल्याण के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया ने अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को युग पुरुष के रूप में स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी काशी से लगातार सांसद रहे हैं और काशी शिव की नगरी है। उन पर भगवान शिव का आशीर्वाद है। सोनकर ने कहा कि देश की जनता और काशी निवासियों को मोदी जैसा प्रतिनिधि मिलने पर गर्व है और यह होर्डिंग उसी प्रेम एवं कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। इस बीच, भाजपा के काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत और जम्मू-कश्मीर में इसके बेहतरीन प्रदर्शन से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के स्वागत की व्यापक तैयारियां की हैं। त्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाबतपुर हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री की अगवानी करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब हवाई अड्डे से बाहर आएंगे तो पिंडरा से विधायक अवधेश सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता पुष्प वर्षा करके और ढोल, डमरू एवं शंख बजाकर उनका भव्य स्वागत करेंगे।पटेल ने बताया कि अजगरा से भाजपा विधायक टी. राम के नेतृत्व में कार्यकर्ता वाजिदपुर तिराहे पर और शिवपुर विधानसभा के कार्यकर्ता अतुलानंद तिराहे पर प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के काशी आगमन से पहले उनके यात्रा मार्ग और प्रमुख चौराहों को पार्टी के झंडों और बैनरों से सजाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के स्वागत और अभिनंदन के लिए 500 से अधिक छोटे-बड़े होर्डिंग लगाए जा रहे हैं। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी और देश के अन्य शहरों के लिए नेत्र अस्पताल, हवाई अड्डे एवं छात्रावास समेत 6,600 करोड़ रुपए से अधिक की 20 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

चोरी की चार घटनाओं का खुलासा

चोरी के लगभग छह लाख की कीमत के जेवरात और तीन मोबाइल बरामद

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी एवं क्षेत्राधिकारी मऊ जयकरन सिंह के पर्यवेक्षण में एसओजी व थाना बरगढ़ की संयुक्त टीम द्वारा चोरी की 04 घटनाओं का खुलासा करते हुये 02 चोरों को सोने चांदी के जेवरात व 03 एंड्राइड मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया।मिली जानकारी के मुताबिक 18अक्टूबर को एसओजी एवं थाना बरगढ़ की पुलिस टीम द्वारा अरवारी मोड़ से मुखबिर की सूचना पर समय करीब 15.45 बजे अपराहन अभियुक्त अबरार पुत्र रऊफ निवासी बरगढ थाना बरगढ जनपद चित्रकूट,नीरज पुत्र राजकुमार निवासी आदर्श कालोनी बरगढ़ थाना बरगढ,को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की जामा तलाशी से उनके कब्जे से चोरी का 01 मंगलसूत्र पीली धातु, 01 जोड़ी झुमकी पीली धातु, 01 अंगूठी पीली धातु, 01 लोकेट पीली धातु, 04 जोड़ी पायल सफेद धातु, 03 जोड़ी चूड़ा सफेद धातु, 02 जोड़ी बिछिया सफेद धातु, 03 एंड्राइड मोबाइल बरामद किये गये।

अभियुक्तों के कड़ाई से पूंछतांछ की गयी तो बताया कि दोनों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर करीब तीन माह पहले पनिहाई रोड मौजा सेमरा मे एक घर के अन्दर रखे बक्से से 10,000 नकद, एक लाकेट सोने का चोरी किये तथा रोड के किनारे सो रहे व्यक्तियों के पास से तीन अदद बडी व तीन अदद छोटी कुल छः अदद मोबाइल चोरी किये हुये थे, करीब दो माह पूर्व मस्तान साहब बाबा की कुटी के पीछे एक मकान के पीछे से जंगले के नीचे सेंध लगाकर घर के अन्दर घूसकर दो बक्सों में रखा एक मंगलसूत्र सोने का, दो पायल चाँदी की , एक जोडी बिछिया निकाल लिये थे तथा अलमारी खोल कर उसमें रखा 80,000 चोरी कर लिये थे, इस घटना के 10-12 दिन बाद बरगढ के स्टेशन रोड कार्तिकेय स्कूल के बगल मकान में छत के ऊपर से जाली तोड कर घर में घुस गये थे वहां बक्से में रखा एक जोडी झुमका व छः पीस चाँदी का चूडा, एक जोडी पायल व दो जोडी बिछिया तथा 18,000 नकद चोरी कर लिये थे तथा इस घटना के 22-23 दिन बाद स्टेशन रोड पर ही कोलमजरा मोड के पास एक मकान मे पीछे की दीवाल कूद कर अन्दर प्रवेश कर अलमारी का ताला तोड कर उसमें रखा एक लैपटॉप, 5,000 नकद, एक जोडी चाँदी की पायल तथा एक सोने अंगूठी चुरा ले गये थे। चारों चोरियों में जो नकद पैसा मिला था उसको हम लोगो ने आपस मे बराबर-2 बाँट लिया था तथा सारा जेबरात पकडे जाने के डर से रखे हुए थे, अब नकद पैसे खर्च हो गये चोरी मे मिले लैपटॉप को बेचने के लिए काफी प्रयास किये परन्तु कागज न होने से बिक पाया तब थक हार कर राह चलते अन्जान व्यक्ति को 1300 में बेच दिये थे जिसका पैसा भी हम लोगो ने आपस मे बाँट लिया था अब सारा पैसा खत्म हो गया है तो चोरी के सभी जेबरात लेकर प्रयागराग बेचने के लिए लेकर जा रहे थे।उपरोक्त चोरी की घटनाओं के सम्बन्ध में थाना बरगढ़ में मु0अ0सं0 66/2024, 72/2024, 75/2024, 85/2024 धारा 331(4),305 बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत थे। अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं चोरी के माल बरामदगी के आधार पर उपरोक्त चारों मुकदमों में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गयी। बरामदशुदा जेवरात की कीमत लगभग 06 लाख रुपये है।

खुदाई कर सर्वेक्षण की याचिका पर पूरी हुई बहस , 25 को आ सकता है फैसला

भाषा। वाराणसी

ज्ञानवापी मामला: सुनवाई में मुस्लिम पक्ष और वक्फ बोर्ड के अधिवक्ताओं ने अपनी बहस पूरी की- हिन्दू पक्ष पहले ही अपनी दलीलें दे चुका है

वाराणसी में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की खुदाई कर सर्वेक्षण कराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर हिन्दू और मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस पूरी हो गई। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने संभावना जताई कि अदालत 25 अक्टूबर को होने वाली अगली सुनवाई पर अपना आदेश सुना सकती है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि ज्ञानवापी परिसर की खुदाई कर भारत पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वे कराने की मांग वाली याचिका पर शनिवार को दीवानी न्यायाधीश युगल किशोर शम्भू की अदालत में सुनवाई हुई।

सुनवाई में मुस्लिम पक्ष और वक्फ बोर्ड के अधिवक्ताओं ने अपनी बहस पूरी। हिन्दू पक्ष पहले ही अपनी दलीलें दे चुका है। मदन मोहन ने बताया कि मुस्लिम पक्ष ने अदालत में उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए मामले का शीघ्र निपटान करने की बात कही। हिंदू पक्ष ने 10 अक्टूबर को मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतजामिया कमेटी द्वारा पूरे परिसर के सर्वेक्षण का अनुरोध करने वाली याचिका पर आठ अक्टूबर को दी गई दलीलों के जवाब में अदालत के समक्ष अपनी दलीलें पेश की थीं।

उन्होंने बताया कि कमेटी के अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष दलील रखी कि जब हिन्दू पक्ष ने मामले की सुनवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में किए जाने की अपील की हुई है तब इस मामले पर यहां बहस करने का कोई औचित्य नहीं है।यादव के मुताबिक, मुस्लिम पक्ष के वकील ने यह भी कहा कि जब ज्ञानवापी परिसर का एक एएसआई से सर्वे कराया जा चुका तो दोबारा सर्वे कराने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने बताया कि कमेटी के अधिवक्ता ने कहा कि सर्वे के लिए मस्जिद परिसर में गड्ढा कराया जाना किसी तरह से व्यवहारिक नहीं होगा। इससे मस्जिद को नुकसान पहुंच सकता है। इस पहले हिंदू पक्ष ने दलील दी थी कि ज्योतिर्लिंग का मूल स्थान ज्ञानवापी परिसर में स्थित मस्जिद के गुंबद के नीचे बीच में स्थित है। साथ ही भौगोलिक जल अर्घे से लगातार बहता था, जो ज्ञानवापी कुंड में इकट्ठा होता था।उन्होंने इस जल की जल इंजीनियरिंग, भूवैज्ञानिकों और पुरातत्वविदों के जरिए जांच कराने की मांग की थी।

बहराइच में हिंसा प्रभावित इलाके में दुकानें खाली करते हुए नजर आए लोग

भाषा। लखनऊ/बहराइच

बहराइच जिले की महसी तहसील के हिंसा प्रभावित महराजगंज इलाके में दुकानों को ध्वस्त किए जाने की आशंका को देखते हुए दुकानदारों ने शनिवार सुबह अपनी दुकानों को खाली करना शुरू कर दिया, जिसकी तस्वीरें समाचार चैनलों पर भी दिखाई गईं। महसी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक ने घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि जो लोग अपनी दुकानें खाली नहीं करेंगे उनके खिलाफ प्रशासन कार्वाई करेगा। हालांकि, उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने घटना की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्वाई की मांग की।

महसी से भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह ने शनिवार को पीटीआई-भाषा से कहा, लोग अपनी दुकानें खाली कर रहे हैं। जो लोग अपनी दुकानें खाली नहीं करेंगे उनके खिलाफ प्रशासन कार्वाई करेगा। सिंह ने कहा, पहले चरण में दुकानों के खिलाफ जारी नोटिस के अनुसार, जिन दुकानों को तोड़ा जाना है, उनमें तीन हिंदुओं और 20 दुकानें मुसलमानों की हैं। जो दुकानें निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन करती हैं उन पर कार्वाई होगी फिर चाहे वह हिंदू की हो या मुसलमान की। दूसरे चरण में देखना होगा कि ऐसी कितनी दुकानों पर कार्वाई होगी। कुल मिलाकर करीब 50 दुकानें हैं। एक-दो दुकानों को छोड़कर महराजगंज बाईपास पर अधिकांश दुकानों पर कार्वाई हो सकती है। किराए की दुकान में काम कर रहे सोनू मौर्य ने कहा, महराजगंज से आठ किलोमीटर दूर भगवानपुर में मेरी दुकान है। मकान मालिक ने मुझे बताया कि उसकी दुकान पर अतिक्रमण का नोटिस लगाया गया है। अगर दुकान तोड़ी जाती है तो आपको नुकसान होगा। इसलिए बेहतर है कि आप दुकान खाली कर दें। इसलिए हम अपना सामान लेकर भगवानपुर जा रहे हैं।एक अन्य दुकानदार ने आरोप लगाया कि पिछले साल नपाई के बाद 28 फुट मानक बताकर दुकान छोड़ दी गई थी लेकिन इस बार 60 फुट मानक का नोटिस मिला है। उसने यह भी आरोप लगाया कि कस्बे में सैकड़ों दुकानें हैं तो सिर्फ 23 के खिलाफ कार्वाई क्यों हो रही है? स्थानीय निवासी समीउल्लाह, सबीना, रानी जायसवाल ने भी एकतरफा कार्वाई का विरोध करते हुए अपना दर्द बयां किया।इस बीच लोक निर्माण विभाग ने शुक्रवार को महराजगंज क्षेत्र में निरीक्षण कर 20 से 25 मकानों की माप की, जिसमें एक आरोपी अब्दुल हमीद का मकान भी शामिल है। नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि महराजगंज में करीब 20 से 25 ऐसे अवैध मकान चिह्नित किए गए हैं, जिन्हें हम सड़क नियंत्रण अधिनियम 1964 के तहत नोटिस जारी करने जा रहे हैं। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने शुक्रवार को यहां बताया, महराजगंज में सड़क चौड़ीकरण का काम होना है इसलिए अतिक्रमण हटाने की कार्वाई की जाएगी। इसके लिए लोक निर्माण विभाग और तहसील प्रशासन के स्तर पर काम किया जा रहा है।

प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता माता प्रसाद पांडेय शनिवार को घटनास्थल का दौरा करने के लिए बहराइच रवाना होने वाले थे लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक दिया गया, जिसकी अग्रिम सूचना उन्हें लखनऊमें ही दे दी गई। पांडे ने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे शनिवार को बहराइच जाना था लेकिन उससे पहले मुझे नोटिस भेज दिया गया कि मैं वहां नहीं जा सकता। पहले यह नोटिस नगर थाना प्रभारी के माध्यम से जिलाधिकारी के हस्ताक्षर के साथ आया। अब जिलाधिकारी की तरफ से नोटिस आया कि अगर आप यहां (बहराइच में) आए तो हालात और खराब हो जाएंगे। बहराइच जिले की महसी तहसील के महाराजगंज में रविवार को दुर्गा पूजा शोभायात्रा के दौरान धार्मिक स्थल के बाहर तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर हिंसा भड़क गई थी, जिसमें राम गोपाल मिश्रा (22) की गोली लगने से मौत हो गई थी। इस घटना के बाद इलाके में तोड़फोड़ और आगजनी शुरू हो गई तथा भीड़ ने कई घरों, दुकानों, अस्पतालों और वाहनों को आग के हवाले कर दिया था।

बदायूं में सात वर्षीय लड़की से दुष्कर्म की कोशिश के बाद हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बदायूं। बदायूं जिले मे सात वर्षीय लड़की से बलात्कार की कोशिश के बाद उसकी हत्या कर दी गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होने बताया कि पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुठभेड़ मे एक पुलिस कांस्टेबल भी घायल हो गया। बदायूं जिले के बिल्सी थाना क्षेत्र मे शुक्रवार शाम सब्जी खरीदने बाजार गई बच्ची अचानक लापता हो गई। उसके परिजन उसकी तलाश करते रहे और रात मे उसका शव अर्धनग्न अवस्था मे एक खंडहर मकान मे मिला। आरोपी को पकड़ने के लिए एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) टीम के अलावा पुलिस के कई दल गठित किए गए और आरोपी को पुलिस ने शनिवार सुबह चार बजे बीनपुर रोड पर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान जाने आलम (22) के रूप मे हुई है और मुठभेड़ के दौरान उसके दाहिने पैर मे गोली लगी है। इस मुठभेड़ मे मनोज नाम का एक कांस्टेबल भी गोली लगने से घायल हो गया। मृतक बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि इस मामले को सुलझाने के लिए रात मे ही एसओजी समेत कई पुलिस दलो को लगाया गया था। रात मे ही आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान जाने आलम (22) के रूप मे हुई और उसकी तलाश शुरू की गई।

स्टार एयर के विमान में बम रखे होने की धमकी मिली

लखनऊ। लखनऊसे किशनगढ़ जा रहे स्टार एअर के एक विमान मे शनिवार दोपहर बम रखे जाने की धमकी मिली। अधिकारियो ने बताया कि धमकी मिलने के बाद चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीसीएसआई) पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।सीसीएसआई हवाई अड्डे के एक प्रवक्ता ने बताया कि बम की धमकी अपराह्न एक बजकर 52 मिनट पर मिली।उन्होने बताया कि हवाई अड्डे की बम खतरा आकलन समिति ने तुरंत स्थिति का अवलोकन करने और आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने के लिए बैठक की। बयान के मुताबिक, उड़ान संख्या एस5-223 को हवाई पट्टी से एक अलग जगह ले जाया गया और यात्रियो को सुरक्षित तरीके से उतार दिया गया। सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) कर्मियो ने विमान की सुरक्षा जांच की। बयान मे बताया गया कि शाम चार बजकर 10 मिनट पर सुरक्षा मंजूरी मिलने के बाद यात्रियो को टर्मिनल पर जाने की अनुमति दी गई साथ ही टर्मिनल टीम ने यात्रियो के सुचारू आवागमन को सुनिश्चित किया ताकि न्यूनतम व्यवधान हो।सूत्रो के अनुसार, शनिवार को विस्तारा, एअर इंडिया और इंडिगो समेत विभिन्न भारतीय विमानन कंपनियो की 30 से अधिक उड़ानो को बम से उड़ाने की धमकी मिली।इस सप्ताह भारतीय विमानन कंपनियो को अब तक कम से कम 70 उड़ानो को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

हिरासत में आरोपी का मीडिया से बातचीत का वीडियो वायरल होने पर तीन पुलिसकर्मी निलंबित

मथुरा। अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाले लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के शॉर्प शूटर योगेश उर्फ राजू की पुलिस हिरासत मे संवाददाताओ के साथ बातचीत का वीडियो वायरल होने के मामले मे एक दरोगा सहित तीन पुलिसकर्मियो को निलंबित कर दिया गया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ एवं मथुरा के सिघाइनरी थाने की टीम ने एक संयुक्त अभियान मे बृहस्पतिवार तड़के करीब साढ़े चार बजे दिल्ली भाग रहे राजू को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था।राजू, दिल्ली के ग्रेटर कैलाश मे एक जिम संचालक नादिरशाह की हत्या के मामले मे वांछित था। अधिकारी ने बताया कि पैर मे गोली लगने के बाद उसे जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया था।उन्होने बताया कि जिला अस्पताल से जिला कारागार ले जाते समय उसने कुछ मीडियाकर्मियो को बयान दिया, जिससे जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।अधिकारी ने बताया कि इस संबंध मे एक दरोगा, एक हेड कांस्टेबल तथा एक सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस अधीक्षक (नगर) अरविंद कुमार ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डेय ने उक्त मामले का संज्ञान लेते हुए उप निरीक्षक रामसनेही, मुख्य आरक्षी विपिन कुमार व आरक्षी संजय कुमार को अभियुक्त की सुरक्षा के मामले मे लापरवाही किए जाने का आरोपी मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

दाह संस्कार से लौट रहे दो लोगों को कार ने मारी टक्कर, मौत

सुलतानपुर। सुलतानपुर जिले मे एक सड़क हादसे मे दो लोगो की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि जिले के कूरेभार ब्लॉक क्षेत्र मे स्टेशन रोड मोड़ पर शुक्रवार देर रात हुई इस घटना मे चाचा-भतीजे की मौत हो गई।उन्होने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई, जब मोटरसाइकिल पर सवार दोनो लोग दाह संस्कार मे शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे कि तभी एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और दोनो की मौत हो गई।कूरेभार थाना प्रभारी शारदेन्दु दूबे ने बताया कि मृतक की पहचान गोसाईगंज थाना क्षेत्र के रामदासपुर मे रहने वाले सियाराम (45) और अमर बहादुर (40) के रूप मे हुई।उन्होने बताया कि दोनो शवो को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और दुर्घटना मे शामिल कार को जब्त कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि कार चालक फरार है।

बांदा मे लापता महिला का शव बरामद, पति गिरफ्तार

बांदा। पुलिस को उत्तर प्रदेश मे बांदा जिले मे लापता हुई एक महिला का शव शुक्रवार की शाम बबेरु क्षेत्र के अहार गांव से मिला और इस मामले मे उसके पति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। बांदा जिले के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) शिवराज ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार की शाम अहार गांव मे बांध के नजदीक 35 साल की एक महिला का शव मिला जिसके चेहरे पर चोट के निशान थे और उसकी हत्या किए जाने की आशंका है। उन्होने बताया कि महिला की पहचान सुमन पटेल के रूप मे की गई है। न्होने बताया कि महिला अपने पति रामबाबू पटेल (कैसी गांव निवासी) के खिलाफ घरेलू हिंसा के मामले की सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार को बांदा जिला मुख्यालय स्थित एक अदालत गई थी जिसके बाद से वह लापता थी।

दो शातिर चोर गिरफ्तार

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी एवं क्षेत्राधिकारी राजापुर श्रीमती निष्ठा उपाध्याय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज कुमार के मार्गदर्शन में थाना राजापुर पुलिस ने व्यापारी के साथ विश्वासघात कर गेंहूं की चोरी करने वाले 02 अभियुक्तों को 346 बोरी गेहूं, ट्रक व बिक्री के 50 हजार रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया। बीती 10 अक्टूबर को वादी उमेश चन्द्र साहू पुत्र राधेश्याम निवासी पराको थाना राजापुर जनपद चित्रकूट द्वारा थाना राजापुर में सूचना दी कि वह गल्ला व्यापारी है तथा 30सितम्बर को उनके द्वारा मोटर मालिक कृष्ण कुमार पाल के ट्रक पर 600 बोरी (361 क्विंटल 60 किलो) गेहूं लादकर केसी रोलर फ्लोड मील गेट नम्बर 150 पूने अहमद नगर महाराष्ट्र के लिये रवाना किया।

मेरठ में स्थानीय लोगों ने डीएम कार्यालय के बाहर युवक का शव लेकर प्रदर्शन किया

मेरठ। (भाषा) उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में स्थानीय लोगों ने शनिवार को एक युवक का शव जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर रखकर प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि मामला रोहता थाना क्षेत्र के बाडम गांव का है।वहीं परिजनों ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानीय बदमाशों ने उनकी अनुपस्थिति में उनके पुश्तैनी घर की दीवार गिरा दी थी, जिसके सदमे से परिवार के एक सदस्य राहुल (35) की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने न्याय की मांग करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्वाई करने का आग्रह किया।सदर क्षेत्र के उप जिलाधिकारी कमल किशोर ने पीटीआई-भाषा को बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद बाडम गांव में एक पुश्तैनी घर को लेकर था। उन्होंने बताया कि पीड़ित पक्ष ने घर पर स्वामित्व का दावा किया जबकि आरोपी पक्ष का कहना है कि मकान एक मंदिर की जगह पर बनाया गया था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी सोनू के समूह ने कथित तौर पर चार दिन पहले दीवार गिरा दी थी, जिसके बाद पीड़ित पक्ष ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।उन्होंने बताया कि घटना के कुछ दिन बाद हुई राहुल की मौत को प्रथम दृष्टया स्वाभाविक माना गया और मौत का कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।उन्होंने बताया, घटना की जांच तहसीलदार को सौंप दी गई है और जांच के आधार पर आगे की कार्वाई की जाएगी। रोहटा थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) देवेंद्र गौतम ने बताया कि राहुल की मां और छोटे बच्चे मंदिर के पास विवादित मकान में रहते थे था राहुल खुद कंकरखेड़ा में रहता था और चालक का काम करता था।

रविवार से शुरू होगी आरएसएस की राष्ट्रीय बैठक, भागवत होंगे शामिल

मथुरा। (भाषा) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय कार्यकारिणी मण्डल की राष्ट्रीय बैठक मथुरा में रविवार से शुरू होगी। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरएसएस के संघचालक मोहन भागवत की अध्यक्षता में यहां परखम गांव में प्रस्तावित राष्ट्रीय बैठक रविवार को करीब साढ़े तीन हजार स्वयंसेवकों के साथ योगाभ्यास से शुरु होगी। पदाधिकारी ने बताया कि इसके बाद भागवत क्षेत्र व प्रांतवार अलग-अलग समूहों के साथ अनेक बैठकों में भाग शामिल होंगे. जहां देश में वर्तमान समय में जारी समसामयिक विषयों पर चर्चा होगी।शर्मा ने बताया कि अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल की द्विदिवसीय मुख्य बैठक 25 और 26 को आयोजित की जाएगी, जिसमें संघ प्रमुख संगठन से जुड़े सभी छोटे-बड़े सभी विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, पदाधिकारियों से वार्ता करेंगे, उनसे सुझाव हासिल करेंगे और फिर अपनी सलाह देंगे।

सर्राफ़ा व्यापारी के पुत्र की चाकू से गोदकर हत्या

- एक दिन पहले अचानक हुआ था लापता
- शारदा सहायक नहर के किनारे झाड़ी में मिला शव
- राजमार्ग जामकर व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता। ऊंचाहार , रायबरेली

सर्राफा व्यापारी के पुत्र को ज्वैलरी का आर्डर लेने के बहाने करीब दस किमी सुनसान स्थान पर ले जाकर चाकू से गोदकर विभत्स तरीके से हत्या कर दी गई । उसका शव शारदा सहायक नहर के किनारे झाड़ी में मिला है । घटना को लेकर नगर के व्यापारियों में काफी आक्रोश है। व्यापारियों ने राजमार्ग जाम करके प्रदर्शन किया है । पुलिस ने दो लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया है। यह घटना शुक्रवार की है, जिसका सच शनिवार को सामने आया है । कोतवाली क्षेत्र के गांव मदारीपुर निवासी राकेश कौशल की ऊंचाहार में मुख्य चौराहा के पास ज्वैलरी की दुकान है। शुक्रवार को राकेश का बेटा शोभित दुकान पर बैठा हुआ था । तभी उसको दो लोग उसकी बाइक से कहीं लेकर चले गए ।इसके बाद वह वापस नहीं लौटा ।जो लोग उसे अपनी बाइक से ले गए थे ,उसमें से एक व्यक्ति वापस उसकी दुकान पर बाइक लेकर पहुंचा और दुकान में चोरी का प्रयास कर रहा था, तभी ज्वेलर्स राकेश मौके पर पहुंच गए और उसको पकड़ लिया। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी ।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो पूरा माजरा सामने आ गया ।इसके बाद पुलिस ने क्षेत्र के नजनपुर गांव निवासी एक व्यक्ति को रात में पकड़ा और दोनों से गहन पूछताछ की गई । जिसके बाद शनिवार को पुलिस ने प्रतापगढ़ जनपद के थाना नवाबगंज के गांव गोसाई का पुरवा के पास शारदा सहायक नहर के किनारे झाड़ियां से अपहृत का शव बरामद किया है। उसकी चाकू से गोद कर हत्या की गई है। इस घटना की सूचना ऊंचाहार नगर में पहुंचते ही नगर के व्यापारी आक्रोशित हो गए और व्यापारियों ने मुख्य चौराहा पर लखनऊ प्रयागराज राजमार्ग जाम करके प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। व्यापारियों का आरोप है कि पुलिस की लापरवाही के कारण व्यापारी के बेटे की हत्या हुई है।

सर्राफ व्यापारी के पुत्र की हत्या से आक्रोशित व्यापारियों ने नगर के मुख्य चौराहा पर लखनऊ प्रयागराज राजमार्ग जाम कर दिया था । करीब दो घंटे तक राजमार्ग जाम रहने के बाद मौके पर कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक कुंवर अजय पाल सिंह मौके पर पहुंचे और उन्होंने व्यापारियों को समझा बुझाकर शांत किया । वह व्यापारियों को लेकर कोतवाली गए और अपर पुलिस अधीक्षक के साथ पीड़ित परिवार को लेकर वार्ता की । व्यापारियों की मांग थी कि मृतक परिवार को एक करोड़ रुपए सरकारी मदद दी जाए , मृतक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी के साथ नगर के व्यापारियों की सुरक्षा की व्यवस्था की जाए।

क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री डा मनोज पांडेय भी शनिवार की अपराह्न कोतवाली पहुंचे और मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया और उनकी मांग को लेकर पुलिस अधिकारियों से वार्ता की। विधायक ने कहा कि घटना में शामिल किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा।

समाधान दिवस पर डीएम ने सुनीं लोगों की समस्याएं

रायबरेली। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनपद की सभी तहसीलों में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। डलमऊ तहसील में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ लोगों की समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर उनके सामने कुल 40 शिकायतें आई जिनमें से छरू का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। जिलाधिकारी के सामने सर्वाधिक राजस्व विभाग से संबंधित मामले आये। जिसका निस्तारण करने के लिए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी के सामने पेयजल, सुरक्षा, विद्युत, चिकित्सा, पेंशन, सड़क, जल निकासी, पशु और शिक्षा विभाग से संबंधित शिकायतें आयीं।

तहसील गौरीगंज में डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

संवाददाता। अमेठी

शासन के निर्देशानुसार जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में तहसील गौरीगंज में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लेकर उनका गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आज तहसील गौरीगंज में कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 3 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया, तहसील तिलोई में 29 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 3 का निस्तारण किया गया, तहसील अमेठी में 20 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 02 का निस्तारण किया गया तथा तहसील मुसाफिरखाना में 16 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में प्रातः 10ः00 बजे से 12ः00 बजे तक जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, उपजिलाधिकारी गौरीगंज दिग्विजय सिंह, तहसीलदार गौरीगंज सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षक साथी ही संघ की शक्ति की धुरी: प्रो. मंशाराम वर्मा

गोंडा। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षकसंघ (आक्टा) का अधिवेशन/निर्वाचन आगामी 09 नवम्बर को श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा में कराने का निर्णय विश्वविद्यालय कार्यकारिणी ने किया है। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी के रूप में मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मुझे अपना मत एवं समर्थन देकर सेवा का अवसर प्रदान करें। उक्त कथन डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक-संघ के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी प्रो मंशाराम वर्मा ने अंबेडकर नगर जनपद के विभिन्न डिग्री कालेजों में शिक्षकों से जनसम्पर्क के दौरान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आमसभा का प्रत्येक शिक्षक साथी ही शिक्षक संघ की धुरी है। कोई भी पदाधिकारी स्वयं ताकतवर नहीं होता, बल्कि उसके शिक्षक साथी उसे ताकतवर बनाते हैं। संपर्क के दौरान अध्यक्ष पद के प्रत्याशी प्रो0 वर्मा ने त्रिलोकनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय टांडा, बी0एन0के0बी0 पी0जी0 कॉलेज अकबरपुर, बाबा बरुआ दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय पैरुइया आश्रम सहित जिले के अन्य महाविद्यालयों के शिक्षकों से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील किया।

गुणवत्तापूर्ण व समय से निस्तारित हों जन शिकायतें: जिलाधिकारी

संवाददाता। गोंडा

शासन की मंशानुरूप जनसामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का एक ही स्थल पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से आज जनपद के समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील करनैलगंज में डीएम व एसपी ने आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना तथा शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित किया गया। यहां कुल 98 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिसमें 01 का मौके पर ही निस्तारित करते हुए शेष को संबंधित विभाग को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु प्रेषित कर दिया गया।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त होने वाले शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित किया जाय तथा टीम के द्वारा शिकायत का मौके पर स्थलीय जांचकर गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रमण के मामले में संयुक्त रूप से राजस्व एवं पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जाकर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब जमीन की पैमाइश, अवैध कब्जा, चकरोड, नाली, अवैध अतिक्रमण आदि को पुलिस फोर्स के साथ हटवाने का कार्य करें।

शिकायतकर्ताओं को मौके पर बुलाएं। उसके आने पर लिखित रूप से उल्लेख करें और निस्तारण के प्रकरण का फेटोग्राफी/वीडियोग्राफी भी करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रश्मि वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी पंकज कुमार शुक्ल, उपजिलाधिकारी करनैलगंज, पुलिस क्षेत्राधिकारी करनैलगंज, तहसीलदार करनैलगंज मनीष कुमार, नायब तहसीलदार करनैलगंज अल्पिका वर्मा, जयशंकर सिंह, संतोष कुमार, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी, जिला पूर्ति अधिकारी सभी जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आईएफडीसी केंद्र का डीएम एसपी ने किया निरीक्षण

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप सिंह द्वारा आज संयुक्त रूप से आईएफडीसी सेन्टर गौरीगंज, अमेठी का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान सेन्टर पर 1.70 मै.टन डीएपी, 32.94 मै0टन यूरिया भौतिक रूप में उपलब्ध थी, जिसका मिलान पीओएस मशीन से कराते हुये जिलाधिकारी को आई0एफ0एम0एस0 पोर्टल पर लॉगिन करते हुए कृषकों द्वारा क्रय कैसे किया जाता है की पूरी जानकारी को स्वयं देखा गया साथ ही उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी अमेठी से जनपद में उर्वरक की उपलब्धता के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी जिसके क्रम में जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में जनपद में यूरिया 13488 मै0टन, डी0ए0पी0 3600 मै0टन, एन0पी0के0 1360 मै0टन, एस0एस0पी0 2222 मै0टन उपलब्ध है। उक्त के अतिरिक्त जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पैक्स माधवपुर में उर्वरक ब्रिकी केन्द्र का निरीक्षण किया गया।

कबीर स्थली मगहर में भी बनेगा पीपीपी मोड पे कबीर प्लाजा

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर शुक्रवार की देर शाम कबीर एकेडमी स्थित ताना-बाना के निकट पोखरा में सुन्दरीकरण कराये जाने, बोटिंग नाव चलाये जाने एवं पूरब तरफ खाली पड़े जमीन पर योगा तथा बच्चों के लिए खेलकूद की सुविधा/मैदान बनाये जाने तथा निकट में ही फूड प्वाइन्ट बनाये जाने की योजना के उद्देश्य से डिजाइन कंसलटेंट को निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी हाल का निरीक्षण किया। उन्होंने सुझाव दिया कि यहॉ कपड़ा से जुड़े उद्योग का स्टाल/दुकान लगाया जाय। कबीर बाजार के नाम का सुझाव दिया। इससे क्षेत्रीय लोगो/स्थानीय मगहर के उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। यह सब पीपीपी माडल के तहत रहे। जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी हाल के बगल में पुस्तकालय भवन का निरीक्षण किये। उन्होंने पुस्तकालय भवन में डिजिटल लाइब्रेरी/स्टडी सेन्टर शुरू कराये जाने का निर्देश दिये। मगहर के बच्चों को यह सुविधा मिलने पर वह अपने भविष्य को संवारने के लिए ज्ञानबर्धन सुविधा से जुड़ेगे इसका सीधा लाभ मगहर के विद्यार्थियों को मिलेगा।

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने कबीर एकेडमी परिसर का पूरा भ्रमण किया। उन्होंने हरियाली को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण किये जाने का सुझाव दिया। कबीर महोत्सव मंच के सामने दुकानों/क्रियास्क के संचालन कराये जाने संबंधी निर्देश भी दिये।

संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर 62 फ़रियादियों ने दर्ज कराईं शिकायतें

संवाददाता। कालपी, जालौन

शनिवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ जिसमें महज 62 शिकायतें आई उसमे 21 का मौके पर निस्तारण किया गया।

तहसील सभागार में आयोजित समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के तेवर काफी सख्त रहे इस दौरान उन्होने विभागीय जिम्मेदारो को शिकायतो को यथाशीघ्र निस्तारण करने की नसीहत दी तो आनन फानन मौके पर ही 21 शिकायते निस्तारित हो गई। इस दौरान हिन्दू संगठन के दीपक शर्मा व नीलाभ शुक्ला ने चर्चित तथा भूमाफियाओं द्वारा ध्वस्त की गई पुरातन काली हवेली में धर्म विशेष के लोगों द्वारा नमाज अता किए जाने का विरोध कर कहा कि उन्हें भी वहां पर धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन की अनुमति दी जाए क्योंकि यह पुरातन इमारत से स्वाधीनता आन्दोलन मे अपने प्राण गंवाने वाली रानी लक्ष्मीवाई से नाता रखती है। जिलाधिकारी ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन को नजर बनाये रखने के निर्देश दिए तो मामले में पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार ने भी ऐसा कुछ भी नहीं करने के निर्देश दिए हैं जिससे माहौल खराब हो। वही नगर पालिका परिषद के सभासद अतुल सिंह चौहान तथा कपिल शुक्ला ने नगर पालिका परिषद में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है जिस पर जिलाधिकारी ने मामले में जाँच कराए जाने का आश्वासन दिया है तो नगर निवासी आदित्य नगाईच ने बन्दरों की समस्या से अवगत कराते हुए बताया कि उनकी बढ़ती आबादी से नगर की जनता परेशान है। इस मौके पर क्षेत्रीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एनडी शर्मा, उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह, सीओ अवधेश सिंह, तहसीलदार अभिनव तिवारी, जिलापूर्ति अधिकारी, बीएसए प्रदीप कुमार, खण्ड विकास अधिकारी संदीप मिश्रा, समेत सभी विभागों के जिम्मेदार मौजूद रहे।

शिक्षिकाओं के साथ हुआ छात्राओं का दल रवाना

संतकबीरनगर। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज खलीलाबाद संत कबीर नगर की अध्ययन यात्रा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के लिए दल रवाना हुई। यहां छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया तरह-तरह के मशीनों का अध्ययन किया तथा एक्सपर्ट्स की सहायता से उनके वर्किंग को समझा। सिविल इंजीनियरिंग विभाग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, पुस्तकालय, पुस्तक मेला, मल्टीपरपज हॉल, आर्यभट्ट सभागार, इत्यादि का भ्रमण करते हुए छात्रों को अनेक जानकारियां प्राप्त हुई। विश्वविद्यालय द्वारा करियर काउंसलिंग सेशन विश्वविद्यालय में चल रहे हैं सभी कोर्सेज के बारे में सेशन का आयोजन आर्यभट्ट सभागार में हुआ।

डीएम-एसपी ने डलमऊ मेले की तैयारियों का लिया जायज़ा

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाले प्रसिद्ध डलमऊ मेले की तैयारियों का जायजा लिया। यहां उन्होंने मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, बिजली, पानी, शौचालय आदि चल रही व्यवस्थाओं की तैयारियों को देखा।

जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश देते हुए कहा कि मेले में लोगों की सुविधाओं के लिए सभी जरूरी व्यवस्था पूरी करा ली जाए। स्नान करने के स्थान पर नदी में बेरिकेडिंग करा ली जाए। जिससे कि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। पर्याप्त मात्रा में नाव और गोताखोर लगाए जाएं। महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान दिया जाए। कपड़े बदलने के लिए अलग से चेंजिंग रूम बनाया जाए।

पर्याप्त संख्या में महिला सुरक्षाकर्मी तैनात किया जाए। महिला और पुरुष शौचालयो का अलग अलग निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। वाहनों के पार्किंग स्थल का पहले से ही चिन्हांकन कर लिया जाये।

सक्रिय सदस्य बनने के लिए 50 प्राथमिक सदस्य बनाना आवश्यक

अयोध्या। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता महाअभियान के तहत महानगर में शनिवार को सक्रिय सदस्यता महाअभियान चलाया गया। सक्रिय सदस्यता अभियान के क्रियान्वयन के लिए सहादतगंज कार्यालय पर तैयारियों को लेकर मंडल अध्यक्ष, सदस्यता टोली के प्रमुख के साथ महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव तथा सत्यापन अधिकारी महेश मिश्र ओम ने की बैठक की गई। बैठक में सक्रिय सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा की गई। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि सदस्यता महाअभियान के तहत सक्रिय सदस्यता महाअभियान के तहत शनिवार को प्रत्येक बूथ पर सदस्यता अभियान चलाया गया। महानगर में कई स्थानों पर कैम्प लगाकर सदस्यता कराई गई। जलकल के समाने लगाए कैम्प में 126 लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। सक्रिय सदस्य बनने के लिए पचास प्राथमिक सदस्य बनाना आवश्यक है। जिसके लिए कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय से बुकलेट प्राप्त कर लें। जिस विवरण के साथ बनाए सदस्यों की डिटेल भर कर कार्यालय में जमा करा दें। उन्होंने बताया कि सत्यापन के उपरान्त सक्रिय सदस्यों की सूची कार्यालय पर चस्पा की जाएगी। सत्यापन अधिकारी महेश मिश्र ओम ने बताया कि सक्रिय सदस्य 25 अक्टूबर तक अपनी बुकलेट जिला कार्यालय में जमा करा दें।

बुंदेलखंड पृथक राज्य बनाए जाने की मांग सभी विधायक सदन में उठाएं: राजभर

संवाददाता। जालौन, उरई

बुंदेलखंड के अलग राज्य की मांग सभी विधायकों को सदन में करनी चाहिए। वह भी चाहते हैं कि प्रदेश को चार हिस्सों में बांटा जाए। यह बात सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण ओमप्रकाश राजभर ने श्रीबाराहीं देवी मेला ग्राउंड में आयोजित जनसभा में कही।

नगर के श्रीबाराहीं देवी मेला ग्राउंड में आयोजित शोषित वंचित समाज जोड़ो कैबिनेट मंत्री पंचायत एवं अल्पसंख्यक ओमप्रकाश राजभर ने बोलते हुए ने कहा कि जिसे आप नेता बनाते हो वह लोडर बन जाते हैं। जनपद के विधायकों ने कभी सदन में गरीब निर्वलों की बात नही उठायी। पेन दिखाकर बताया कि जिनकी तकदीर लिखते हैं। वहीं नेता बनने के बाद भूल जाते हैं। जिनको मुर्गा खाकर वोट दिया वही विधायक बनने के बाद आपको मुर्गा बनाकर घुमाते है। विधायक को विधायक निधि से निर्धन व गरीबों को इलाज कराने के 25 लाख का पैसा मिलता है। इसके बाद भी विधायक गरीब को 5 हजार इलाज के लिए नहीं देते हैं।

गरीबों के इलाज के लिए वह 92 करोड़ रुपए दे चुका हूं। फिर भी किसी को जरुरत है तो वह आय प्रमाण, आधार कार्ड व सरकारी अस्पताल का स्टीमेट दे दे। उसे सहायता उपलब्ध करा दी जायेगी। उन्होंने नयी योजना की घोषणा कि हर गांव में पांच सदस्यीय टीम प्रत्येक गांव में 25 लोगों को चयनित किया जायेगा। चयनित होने के बाद उसे आवास समेत आवश्यक सुविधाएं मुहैया करायी जायेगी। यह योजना 6 माह में लागू हो जायेगी। नवजवानों के लिए बगैर व्याज के 5 लाख का ऋण मिलेगा। उन्होंने अपनी उपलब्धियों को गिनाया।

मंत्री ने प्रदेश में बुन्देलखण्ड समेत नये प्रदेश बनाने की पैरवी की तथा अपनी लड़ाई स्वयं लड़ने के लिए प्रेरित किया। पार्टी महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का काम करेगी। गांव में पंचायत सहायक 207 सेवाएं 1 वर्ष के अंदर ग्राम सचिवालय सुविधाएं मिलेंगी। इससे पूर्व पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव डां अरविंद राजभर छोटा परिवार सुख का आधार का स्लोगन सरकार चला रही है तो आयुष्मान कार्ड सिर्फ6 सदस्यों के ही क्यों। आयुष्मान कार्ड की सीमा बढ़ाने की प्रधानमंत्री से मांग की। इसके साथ ही प्रदेश में शराब बिक्री पर रोक लगाने की वकालत की।

उन्होंने कि जब देश में वन नेशन व वन इलेक्शन हो सकता है तो एक देश एक शिक्षा क्यों नही। जब देश में एक शिक्षा होगी तो शिक्षा का स्तर सुधरेगा। उन्होंने बेरोजगारी की समस्या को भी उठाया तथा लोगों से हाथ उठवाये इस मौके पर ब्लाक प्रमुख रामराजा निरंजन, सुनील अर्कवंशी राष्ट्रीय प्रवक्ता, सुनील परिहार जिलाध्यक्ष, मम्मू खां महासचिव, वरुण दुबे जिला उपाध्यक्ष, भगवान सिंह यादव, रमन सिंह ठाकुर, रानू महाराज, अरविन्द कुशवाहा, यशवर्धन सिंह परिहार, अब्दुल हमीद समेत बड़ी संख्या में मौजूद उपस्थित रहे। वहीं सुरक्षा के लिए सी ओ शैलेन्द्र कुमार वाजपेयी, कोतवाली प्रभारी वीरेंद्र कुमार, शीलवंत सिंह समेत बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

एसडीएम ने किया चिकित्सा केंद्र का औचक निरीक्षण

कालपी, जालौन। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के निर्देशन के अनुरूप आयुर्वेदिक चिकित्सा तथा योग की व्यवस्था की हकीकत को परखने के लिए उपजिलाधिकारी कालपी के द्वारा राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मंगरौल का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय हो कि महेवा विकासखंड के मगरौल गांव में शासन के द्वारा राजकीय आयुष हेल्थ एंड वेलनेस आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र के भवन का निर्माण कराया गया है। उप जिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने नवनिर्मित आयुष भवन का निरीक्षण किया। भवन में स्थापित वार्ड रूम,ड्रेसिंग रूम, योग रूम घूम घूम कर निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केंद्र में तैनात चीफ फार्मासिस्ट दशरथ तथा महेश कुमार अन्य कर्मचारियों से दवाइयां की उपलब्धता के बारे में जानकारियां हासिल की। एसडीएम ने कहा कि आम जनता का रुझान आयुर्वेदिक चिकित्सा की ओर तेजी से बढ़ रहा है। क्योंकि कोई भी साइट इफेक्ट नहीं होता है। कसरत तथा योगासन के लिए शासन का जोर अधिक है।

परिजनों द्वारा शादी न किये जाने पर एक साथ फांसी के फंदे पर झूले प्रेमी युगल

संवाददाता। कदौरा, जालौन

थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ागांव मे परिजनों द्वारा शादी न करने पर प्रेमी प्रेमिका ने प्रेमी के मकान पर बने कमरे मे फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को दरवाजा तोड़ कर उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया द्य प्रेमी रामलीला नौटंकी व अन्य मंचो पर महिला नृत्य का रोल करके दर्शकों का मनोरंजन करता था। घटना से गांव सहित इलाके में हड़कंप मच गया है।

शुक्रवार रात 12 बजे थाना क्षेत्र के बड़ागांव निवासी कुंवरलाल (25) पुत्र स्वरू गोपी निषाद व पूनम (16) पुत्री रामप्रकाश का प्रेम प्रसंग विगत दो वर्षो से चल रहा था। जिसकी जानकारी दोनों के परिजनों को हुई तो दोनों पर सख्ती की गई। शुक्रवार रात 12 बजे प्रेमी से मिलने पहुंची प्रेमिका ने कमरे मे लगे लकड़ी की बल्ली पर दुपट्टा और रस्सी का फंदा डाल कर फांसी पर झूल गए। सुबह चार बजे जब मृतका के पिता रामप्रकाश शौच क्रिया के लिए उठे तो देखा की पुत्री गायब है। और वह लोग प्रेमी के घर पहुंच गए,कमरा बन्द होने पर रोशनदान से देखा तो होश उड़ गए। के घर वालों को वो नहीं दिखी तो परिजन कुंवारलाल के घर पहुचे तो दोनों को फांसी पर लटका देख कर होश उड़ गए, आनन फानन में पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ कर दोनो शवों को बाहर निकाला। शवों को देखकर मृतका की मां रामप्यारी, मृतक की मां राधादेवी सहित अन्य परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। घटना की जानकारी पा कर सीओ अवधेश कुमार सिँह ने फोरेंसिक टीम के साथ घटना स्थल पर पहुचे और बारीकी से छानबीन की। सीओ ने कहा कि प्रथम दृष्टता मामला प्रेम प्रसंग का है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जांच पड़ताल की जा रही है। मृतक कुंवरलाल पिता का साया उठने के बाद परिवार का भरण पोषण की जिम्मेदारी उठाता था। मृतक के पिता की मौत कई वर्ष पहले हो चुकी थी,मां राधा देवी,छोटे भाई पुष्पेंद्र और मासूम बहन मोहनी के भरण पोषण की जिम्मेदारी के रामलीला मंच पर महिला नृत्य कर मनोरंजन करता था।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 20 अक्टूबर, 2024

पीडीए एकता को खंडित कर रहे सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता

● सामाजिक संगठनों ने सपा प्रमुख से की शिकायत

संवाददाता। फतेहपुर

छात्रा ज्योति मौर्या आत्महत्या मामले में आरोपी विद्यालय के प्रधानचार्य राजकपूर को सत्ता पक्ष के साथ मिलकर सपा नेता व राष्ट्रीय प्रवक्ता जगदीश सिंह उर्फ ज़ालिम सिंह एडवोकेट द्वारा संरक्षण दिए जाने व पीडीए एकता को खंडित करने का आरोप लगाते हुए विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव को शिकायती पत्र भेजकर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जगदीश सिंह उर्फ ज़ालिम सिंह पर कार्रवाई की मांग की।

शनिवार को मौर्या कुशवाहा उत्थान समिति, पटेल सेवा संस्थान, पासी कल्याण समिति, पिछड़ा वर्ग मोर्चा, पाल सामुदायिक उत्थान समिति व यादव महासभा से जुड़े लोगों ने सपा जिला कार्यालय पहुंचकर सांसद नरेश उत्तम पटेल व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को संबोधित ज्ञापन देकर सपा नेता पर कार्रवाई की मांग किया। पूर्व सीएम व राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजे ज्ञापन में सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि जनपद के खागा तहसील निवासी बेटी ज्योति मौर्या की हृदय विदारक घटना से सामाजिक संगठन के लोग आंदोलित है। कहा कि आरोपी प्रधानाचार्य राजकपूर को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है जिससे पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर रही है।

उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जगदीश सिंह उर्फ ज़ालिम एडवोकेट पर आरोपी के अधिवक्ता के रूप में पैरवी करने व संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी व इंडिया गठबंधन पीडीए को मज़बूती के लिए प्रयास कर रही है जबकि सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जातीय मानसिकता के चलते आरोपी को संरक्षण देकर पीडीए की एकता को खंडित कर रहे है।

शिक्षक पर शिष्या के साथ दुष्कर्म का आरोप, मामला प्रेम प्रसंग का

मौदहा, हमीरपुर। नगर में एक बार फिर गुरु और शिष्य के पवित्र रिश्ते को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां पीड़ित शिष्या की मां ने कोतवाली पुलिस से शिकायत की है कि शिक्षक ने उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म कर व उसका वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी है।

हालांकि मामला प्रेम प्रसंग का भी बताया जा रहा है। नगर के रामनगर मोहल्ला की एक छात्रा की मां ने पुलिस को बताया कि उसकी पुत्री एमए की छात्रा है जिसको पढ़ाने उमेश प्रजापति पुत्र जागेश्वर निवासी कुम्हरौडा उसके घर आता था। जो बीती 18 फरवरी 23 को घर में पुत्री को अकेला देख उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और उसका मोबाइल में वीडियो बना लिया। जिसे वायरल करने की धमकी देते हुए आरोपी ने कई बार दुष्कर्म जैसे घिनौने कार्य को अंजाम दिया है। घटना के बाद वह पुत्री से शादी का झांसा देता रहा और जब पुत्री ने उससे शादी का दबाव बनाया तो वह आग बबूला हो मारपीट करने लगा और शादी से इनकार कर दिया और उसके परिजन मामा अरविंद कुमार जो नेशनल इंटर कॉलेज में टीचर है व उसका पिता जागेश्वर पुत्री को लगातार धमकियां दे रहे हैं। और किसी तरह की शिकायत करने पर पूरे परिवार की हत्या करवाने की बात कह रहे हैं जिससे प्रार्थी व परिवार डरा हुआ है।

पीड़ित मां ने कोतवाली पुलिस से उक्त मामले की जांच कर कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाइ है तो वहीं मामले पर कोतवाली प्रभारी ने मामला प्रेम प्रसंग का बताते हुए कहा कि दोनों पक्ष अगर शादी के लिए राजी होते हैं तो ठीक है वरना कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं लोगों की शिकायतें, दिये निर्देश

संवाददाता। बिंदकी, फतेहपुर

बिंदकी तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन श्री सोहन लाल द्विवेदी राजकीय बालिका इंटर कालेज में जिलाधिकारी रविंद्र सिंह की अध्यक्षता व विधायक जहानाबाद राजेंद्र सिंह पटेल, पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल की उपस्थिति में हुआ। डीएम व एसपी ने प्रार्थना पत्रों को सुना एवं उनके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। डीएम ने लेखपाल रजत द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा हटवाने में लापरवाही करने व हीलाहवाली करने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही के निर्देश एसडीएम बिंदकी को दिए।

ग्राम तपनी के अनुसूचित जाति के मजरे में वर्ष 2016 से विद्युत के खंभे लगने के बाद भी अभी तक विद्युतीकरण न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता विद्युत और एसडीओ विद्युत का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। संपत्ति देवी ग्राम उमरौड़ी कल्याणपुर ने अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। डीएम ने तहसीलदार को पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीम भेजकर जांच के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान चांदपुर शिवशंकर सिंह ने अन्नपूर्णा स्टोर व राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय के लिए प्रस्तावित जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की। जिस पर एसडीएम को नियमानुसार जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए।

केशनी निवासी उदूपुर ने अवैध कब्जे के बाद तीन वर्ष से लंबित होने के प्रार्थना पत्र पर तहसीलदार को जांच कर वाद के शीघ्र निस्तारण के लिए कहा। एसपी ने संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को शिकायतों के त्वरित व ससमय निस्तारण के निर्देश दिए। कुल 241 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसके सापेक्ष तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं हटा अवैध कब्जा, लगाई गुहार

राठ, हमीरपुर। शनिवार को तहसील परिसर में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा व पुलिस अधीक्षक डॉ दीक्षा शर्मा की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान संपूर्ण समाधान दिवस में आई 145 शिकायतों में 15 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में कोतवाली के सरसई गांव निवासी करन सिंह पुत्र बद्री प्रसाद ने बताया कि 18 अक्टूबर 23 से लगातार सार्वजनिक एवं निजी कृषि भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ न्याय की गुहार लगा रहा है। परंतु प्रशासन की अनदेखी के कारण न्याय का मिलना असंभव सा लग रहा है। बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी अवैध कब्जा बना हुआ है। आरोप लगाया कि शिकायत वापस लेने व उक्त भूमि को बेचने का दवा बनाया जा रहा है। जिससे परिवार की सुरक्षा व आजीविका पर संकट खड़ा है। आरोप लगाया कि कई बार राजस्व की टीम निरीक्षण करने के लिए गई। लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हो सका। इसी तरह मलहेटा डांडा गांव निवासी उदयवीर सिंह ने जबरन फसल नष्ट करने बीरा गांव निवासी पिंकी ने पिता द्वारा इलाज के लिए रुपए न देने पठानपुरा मोहल्ला निवासी केश चंद्र ने घरेलू विद्युत कनेक्शन स्वीकृत करानेए गिरवर गांव निवासी सुरेश कुमार ने नमामि गंगे योजना में की गई मजदूरी का बाकी रुपया दिलाए जाने की शिकायत की है। इस दौरान जिला संपूर्ण समाधान दिवस में 145 में 15 शिकायतों का निस्तारण किया गया है।

अकबरपुर में समाधान दिवस पर डीएम ने सुनीं फरियादें

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह ने जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील अकबरपुर में लोगों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक, त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 113 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर चार शिकायतों का निस्तारण किया गया। इनमें से राजस्व के 76, बीडीओ 07, पुलिस 14, विद्युत 04, नगर पंचायत 04, पीडब्लूडी, लघु सिंचाई, पंजायतीराज व समाज कल्याण की 01-01 शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त समस्याओं एवं शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर सभी अधिकारी विशेष ध्यान दें।

शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद से संबंधित मामलों में प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। छोटे-छोटे मामलों को भी गंभीरता पूर्वक लेकर आवश्यक कार्यवाही की जायें।

तहसील समाधान दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों की शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष लोगों द्वारा रखी गई, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराकर, निस्तारण आख्या से जिला प्रशासन को अवगत कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस व तहसील दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का समय अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। तहसील दिवस में पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति द्वारा भी पुलिस से संबंधित शिकायतों को सुन कर निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

अदालत ने सुनाया बलवंत हत्याकांड पर फैसला

कानपुर देहात। बहु चर्चित बलवंत सिंह हत्याकांड में न्यायालय ने निर्णय सुनाया। मामले में आरोपी तत्कालीन शिवली थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंह व तत्कालीन मैथा चौकी प्रभारी ज्ञान प्रकाश पाण्डे को धारा 304 भाग 2 में दोष सिद्ध मान उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में ले जिला कारागार में निरुद्ध करने का आदेश पारित कर सजा के बिन्दु पर सुनवाई हेतु 24 अक्टूबर की तिथि नियत करने का आदेश न्यायालय ने पारित किया है। तथा शेष सभी आरोपियों को न्यायालय ने संदेह का लाभ देते हुए न्यायालय ने उन्हें दोषमुक्त करने के आदेश पारित किए है। शिवली क्षेत्र के ग्राम सरैया लालपुर शिवराजपुर निवासी अंगद सिंह नै थाना रनिया के अन्दर अपने भतीजे बलवन्त सिंह की दिनाँक 12 दिसम्बर 2022 को आरोपियों द्वारा पुलिस अभिरक्षा में बेरहमी पूर्वक पिटाई कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट लिखाई थी। मुकदमा आरोपियों के खिलाफ धारा 302 भारतीय दण्ड संहिता में पंजीकृत हुआ था किन्तु विवेचना में धारा 302 हटा कर 304 भारतीय दण्ड संहिता में आरोप पत्र प्रेषित किया गया था। मामला अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंचम कानपुर देहात पूनम सिंह की न्यायालय में चल रहा था। मामले में वादी पक्ष की तरफपैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि मामले में सभी आरोपियों के विरुद्ध दोषित के पर्याप्त साक्ष्य है। न्यायालय ने किस आधार पर आरोपियों को दोष मुक्त किया है और कम अपराध के आरोप में दो आरोपियों को दोषी माना है इसके सम्बन्ध में निर्णय को देखने के बाद ही इस पर कोई टिप्पणी कर पाएंगे।

क्विक न्यूज

करंट से अंधे हुए बंदर का पुलिस ने कराया ईलाज

गुरसहायगंज, कन्नौज। वन विभाग सहित पालिका द्वारा हाथ खड़े करने पर भेजा लखनऊ गुरसहायगंज (कन्नौज)। बीती शाम नगर के विद्युत उपकेंद्र स्थित ट्रांसफार्मर की चपेट में आया बंदर अंधा होकर गंभीर रूप से घायल हो जाने की सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे ने हमराह सिपाहियों के साथ कुत्तों के झुंड से बंदर को बामुश्किल बचाया और कोतवाली लाकर निजी प्रयासों से इलाज कराया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे द्वारा गंभीर रूप से घायल हुये बंदर की सूचना वन विभाग को दी गई लेकिन वनाधिकारियों ने उनके क्षेत्र का मामला न होने की बात कह कर पल्ला झाड़ लिया। वहीं पालिका द्वारा उपकरण न होने का हवाला दिया गया। जिस पर प्रभारी निरीक्षक के निजी प्रयासों से घायल बंदर को प्राथमिक चिकित्सा मुहैया कराई गई। वहीं उनके निवेदन पर निराश्रित पशुओं का निशुल्क इलाज करनें बाले लखनऊ स्थित एनजीओ के कर्मियों ने शनिवार की सुबह स्थानीय कोतवाली पहुंचकर घायल बंदर को इलाज के लिए अपने साथ लेकर लखनऊ की ओर लेकर रवाना हो गए।

बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार वृद्ध की हुई मौत

गुरसहायगंज, कन्नौज। अनियंत्रित गति से आ रही बाइक स्कूटी से टकरा गई जिससे स्कूटी सवार वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया जिससे परिजनों द्वारा इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने वृद्ध को मृत घोषित कर दिया। शनिवार को स्कूटी पर सवार होकर घर की ओर जा रहे जमालुद्दीन उर्फबाबा निजामी जैसे ही नगर के मोहल्ला सुल्तान आलम नगर स्थित जनता गन हाउस के सामने पहुंचे तभी बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें परिजनों द्वारा आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। समाचार लिखे जाने तक घटना का मुकदमा कोतवाली में दर्ज नहीं हो सका था।

संस्था प्रधान एवं नोडल की होगी बायोमैट्रिक आथेन्टिकेशन

कानपुर देहात। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में शासन द्वारा छात्रवृत्ति पोर्टल पर जनपद के समस्त शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्य, प्राचार्य, निदेशक व नोडल आफीसर की आधार बेस ई-के0वाई0सी0 पूर्ण करने के उपरान्त आधार बेस बायोमैट्रिक आथेन्टिकेशन कराये जाने के निर्देश दिये गये है। यह जानकारी समाज कल्याण अधिकारी डॉ प्रज्ञा शंकर ने दी है। उन्होंने बताया कि समस्त शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्य, प्राचार्य, निदेशक व नोडल आफीसर को सूचित किया है कि छात्रवृत्ति पोर्टल पर शिक्षण संस्थान के लॉगिन से ई-के0वाई0सी0 की कार्यवाही पूर्ण करने के उपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर बायोमैट्रिक आथेन्टिकेशन करायें। शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्य, प्राचार्य, निदेशक व नोडल आफीसर की बायोमैट्रिक आथेन्टिकेशन के उपरान्त संस्थाओं द्वारा छात्रों की बायोमैट्रिक आथेन्टिकेशन की कार्यवाही की जाएगी। शिक्षण संस्थायें बायोमैट्रिक आथेन्टिकेशन के उपरान्त ही छात्रों के छात्रवृत्ति आवेदन पत्र अग्रसारित कर सकेंगे।

एसटीएफके हत्थे चढ़ी पचास हजार की इनामी पूजा मौर्य

फतेहपुर। कई जिलों में अरबों रुपए की ठगी करने वाले मास्टरमाइंड की फरार पत्नी पूजा मौर्य को एसटीएफने कानपुर से गिरफ्तार किया है। पूजा मौर्य पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। बता दें कि उसका पति राजेश मौर्य पहले से जेल में बंद थे सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के खजुरिहापुर गांव के निवासी राजेश मौर्य पर ठगी के एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके खिलाफ पुलिस हिस्ट्रीशीटर की कारवाई भी कर चुकी है। उसकी पत्नी पूजा मौर्य पर दो मुकदमे दर्ज थे और पुलिस ने उसे कानपुर के रावतपुर थाना क्षेत्र के मसवानपुर में एक किराए के मकान से गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी राजेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि पूजा मौर्य को एसटीएफके निरीक्षक जय प्रकाश राय के सहयोग से पकडा गया है। पूजा ने पूछताछ में बताया कि उसकी शादी 2015 में राजेश मौर्य से हुई थी। उसके पति ने एक एनजीओ बनाकर प्रयागराज, कौशाम्बी और फतेहपुर में धन दोगुना करने का झांसा देकर लगभग 150 करोड़ रुपये की ठगी की। राजेश मौर्य ने कहा कि हमारा मिशन संस्था के नाम पर यह धोखाधड़ी की गई और दोनों आरोपी फरार हो गए थे।

घटिया सामग्री देख सीडीओ ने निर्माण कार्य कराया बंद

राठ। सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पुराने भवन में बन रहे लैब के भवन निर्माण में का स्थलीय निरीक्षण किया तथा कार्यदाई संस्था को ईंट की टैस्टिंग रिपोर्ट आने तक कार्य बंद रखने के निर्देश दिए है। नगर के सीएचसी के पुराने भवन में लैब के भवन का निर्माण हो रहा है। लोगों ने भवन के निर्माण में बिना कालम के निर्माण किए जाने का आरोप लगाते हुए शिकायत की है।यह मामला सुर्खियों में आने के बाद शनिवार को सीडीओ समाधान दिवस सम्पन्न होने के बाद मौके पर जाकर भवन निर्माण का निरीक्षण किया।

चोरों की चहलकदमी से संडीला में दहशत, किसी अनहोनी की आशंका

संवाददाता। संडीला, हरदोई

नगर में चोरों को लेकर लोगों में भय लगातार बढ़ता जा रहा है और यदि इसे हिस्टीरियाई स्थिति कहा जाए तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस कारण किसी भी समय बड़ी घटना के घटित होने से इनकार नहीं किया जा सकता। नगर में बीते कुछ समय से लगातार चोरी की कई घटनाएं होने से लोगों में लगातार भय पनपता जा रहा है। किसी भी चोरी का खुलासा न होने से लोगों में भय लगातार बढ़ता जा रहा है।

नगर के कई मोहल्लों में रात के समय चोरों को लेकर अचानक शोर मचता है और सैकड़ों लोग लाठी डण्डे लेकर चोरों की तलाश में निकल पड़ते हैं। बीती रात को भी इसी तरह की घटना घटित हुई। मोहल्ला चौखंटी से यह शोर उठा कि 8 चोर आ गए हैं और लोग उनके पीछे तलाश में दौड़े। तमाम घरों में धड़ा धड़ फोन आने लगे और लोग छतों पर टॉर्चें लेकर चढ़ गए। इसके अलावा एक बड़ी भीड़ ने पुराने सरकार अस्पताल परिसर को यह कहते हुए घेर लिया कि चोर इसी में घुसे हैं हालांकि लोगों के इस अस्पताल में घुसने पर कोई चोर नज़र नहीं आया।

चोर और चोरियों को लेकर लोगों में खौफ़ और दहशत इस कदर घर कर गयी है कि लोग आशंका व्यक्त करने लगे है कि कहीं ऐसा न हो कि रात के समय कोई व्यक्ति भीड़ के हत्थे चढ़ जाए और बड़ी अप्रिय घटना घटित हो जाए। इस संबंध में नगर पुलिस चौकी के प्रभारी की कार्यप्रणाली को लेकर भी लोग सवाल खड़े कर रहे हैं। उनके द्वारा न तो इस संबंध में नगर के प्रबुद्धजन से सहयोग हेतु कोई संपर्क किया गया और न ही लोगों के बीच बैठकर इस प्रकार की घटना को लेकर लोगों को जागरूक करने का कोई प्रयास। कुल मिलाकर नगर में लोग अपनी रातें सोते जागते गुज़ार रहे हैं।

डॉ. दिनेश पाल भारती बने संडीला के चिकित्साधीक्षक

संडीला, हरदोई। सीएचसी संडीला के प्रभारी रहे डॉ0 शरद वैश्य को स्थानांत्रित करके उनके स्थान पर डॉ0 दिनेश पाल भारती को नया चिकित्साधीक्षक बनाया गया है। सीएचसी संडीला के चिकित्साधीक्षक रहे डॉ0 शरद वैश्य ने एक सप्ताह पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी हरदोई पर अनेकानेक आरोप लगाते हुए अधीक्षक पद से त्यागपत्र दे दिया था और तब से यह पद रिक्त चल रहा था। सीएमओड डॉ0 रोहिताश कुमार ने डॉ0 शरद वैश्य को सीएचसी संडीला से हरपालपुर में रिक्त चल रहे एनेस्थेटिक पद पर तैनात किया है जबकि इसी सीएचसी में कार्यरत डॉ0 दिनेश पाल भारती को चिकित्साधीक्षक का पदभार सौंपा गया है।

टीका लगाते ही हो गई नवजात बच्चे की मौत

हमीरपुर। विवार क्षेत्र कुनेहटा गांव निवासी युवक ने नवजात बच्चे की मृत्यु पर सीएचसी मौदहा के स्टाफ द्वारा गलत इंजेक्शन लगाने की शिकायत शासन से की है पुलिस ने चार दिन के बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। गांव के अरविंद का कहना है कि तीन दिन पहले पत्नी आरती ने बच्चे का जन्म दिया था उसने वहा के स्टाफ द्वारा कोई भी टीका न लगाने का अनुरोध किया था.मगर स्टाफ ने जबरन टीका लगा दिया जैसे ही बह वच्चे को लेकर घर गये वैसे ही एक घंटे बाद बच्चे नें दम तोड दिया जब वह बच्चे को लेकर मौदहा सीएचसी लाये तो वहा के स्टाफ ने परिवारीजनों से अभद्रता की पीडित अरविंद का कहना है कि वहा का स्टाफ किसी मरीज की कोई बात नही सुनता लोग दर्द से कराहते रहते है कोई सुनने वालानही है। पुलिस ने बच्चे का पोस्टमार्टम कराया है।

केवल नौकरी से ही नहीं बल्कि अन्य विकल्पों से भी चुन सकते हैं करियर

हमीरपुर। तहसील सरीला के राजकीय हाई स्कूल बिलगांव नवीन में कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम फॉर गर्ल्स के अंतर्गत कैरियर मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि असद खान जिला श्रम प्रवर्तन अधिकारी हमीरपुर ने कहा कि करियर केवल नौकरी को ही न समझें अन्य विकल्पों को भी आप अच्छे कैरियर के रूप में चुन सकते हैं जैसे अन्य विकल्प स्टार्टअप व्यवसाय खेल तकनीकी कृषि हो सकते हैं । विशिष्ट अतिथि राजीव सिंह जिला प्रोबेशन अधिकारी ने छात्रों से कहा कि कैरियर चयन का अंकुरण कक्षा 10 से 12 तक में ही उग जाता है कैरियर चयन में हमेशा अपनी रुचि एवं घर की स्थिति को देखकर ही चयन करें ।कैरियर गाइडेंस के नोडल शिक्षक अरुण कुमार ने पंख पोर्टल एवं स्विफ्ट चौट के बारे में छात्र.छात्राओं को विस्तार से बताया । विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर योगेश ज्ञानी ने बताया कि करियर चुनने के लिए दृढ़ इच्छा का होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन हमीरपुर से पधारी दीक्षा सिंह ने भी अपने विचार प्रकट किया। उक्त मेले में ग्राम वासियों अभिभावकों भी आमंत्रित किये गये।

प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में संपन्न हुई सड़क सुरक्षा, कर्मयोग पर गोष्ठी व सड़क सुरक्षा की बैठक

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

शनिवार को अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार प्रमुख सचिव परिवहन, अध्यक्ष उप्र राज्य परिवहन निगम और महानिदेशक उपाम, एसआईआरडी एल. वेंकटेश्वर लू जनपद खीरी पहुंचे, जहां सीडीओ अभिषेक कुमार ने पुष्प कुछ देकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद प्रमुख सचिव ने जिला ग्राम्य विकास संस्थान भंसडिया में सड़क सुरक्षा और मिशन कर्मयोग विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी और जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में शिरकत की। बैठक एवं गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव (परिवहन) एल. वेंकटेश्वर लू ने सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम संजय सिंह, एएसपी नेपाल सिंह, आरटीओ संजय कुमार तिवारी, संदीप कुमार पंकज, राज्य ग्राम विकास संस्थान से सहायक निदेशक एसके सिंह व सलाहकार हेमेंद्र शर्मा संग दीप प्रज्ज्वलन कर गोष्ठी का शुभारम्भ किया।

मुख्य अतिथि एल. वेंकटेश्वर लू ने कर्मयोग, सड़क सुरक्षा पर विस्तार से बताते हुए इनके अंर्तसम्बंधों को भी बताया। सभी को प्रमाणिकता के साथ अपने कार्य को लगन और निष्ठा के साथ करना चाहिए। गीता में कर्मयोग के बारे में बताया गया है। कर्मयोग से व्यक्ति में वैचारिक शुद्धता, त्याग की भावना, राष्ट्रभक्ति एवं देशभक्ति विकसित होती है, जिससे व्यक्ति समाज सेवा से जुड़ता है। कर्मयोग से ही मानसिक नियंत्रण रख सकेंगे एवं सड़क सुरक्षा व समग्र सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। बच्चों को सही शिक्षा एवं संस्कार दिया जाना चाहिए। अधिकारी, कर्मचारी व सभी व्यक्तियों को अपने कर्म को ठीक ढंग से करना चाहिए। सही ज्ञान के साथ सही आचरण करने से सुख का मार्ग प्रशस्त होगा। संसार में अन्याय कर कोई भी सुखी नहीं हुआ है। सम्यक ज्ञान, कर्म, दृष्टि, सत्यनिष्ठा व श्रद्धा के साथ जीवन मे आगे बढ़े।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के मन, वचन, कर्म एवं वाणी में एकाकार होना चाहिए। शास्त्रों में सटीक जीवन के बारे में बताया गया है। शास्त्रों का अध्ययन करना चाहिए एवं उसके अनुसार अपना आचरण करने का प्रयास करना चाहिए। सड़क सुरक्षा के बारे में कहा कि यातायात के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। जो भी कार्य करें, सावधानी के साथ करें। शराब का सेवन करके वाहन नहीं चलाना चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय चरित्र निर्माण संस्थान दिल्ली के अध्यक्ष रामकृष्ण गोस्वामी ने कहा कि मन पर नियंत्रण न होना ही दुर्घटनाओं का मुख्य कारण है। उन्होंने गीता शिक्षा पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि गीता शासन, प्रशासन व अनुशासन का केन्द्र बिंदु है एवं न्याय धर्म की आत्मा है। उन्होंने कहा कि गीता के कर्मयोग का ज्ञान सबको होना चाहिए।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि सड़क पर जाने से पहले अपने और अपने परिवार की चिंता अवश्य करनी चाहिए। महिलाए पुरुषों को हेलमेट पहनने के लिए कहें। हेलमेट लेने के साथ-साथ उसे पहनने का संकल्प लें। यातायात नियमों का पालन कर हादसों पर अंकुश लगाने में सहयोग करे। ओवरस्पीडिंग का कोई लाभ तो नही मिलता बल्कि खतरा जरूर बढ़ जाता है। हेलमेट को अपनी आदत व दिनचर्या में शामिल करे।

एडीएम संजय सिंह ने गुड सेमेरिटन की भूमिका को रेखांकित किया। घायल व्यक्ति को जितनी जल्दी अस्पताल ले जाएंगे, उसके बचने की संभावना भी उतनी ही बढ़ जाती है। इसलिए ऐसी स्थिति मेंघायल व्यक्ति को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंच कर जिम्मेदार नागरिक की भूमिका अदा करें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

संवाददाता। बांदा

जिलाधिकारी बांदा नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में तहसील नरैनी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनशिकायतों का निस्तारण गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्धता के साथ शिकायतकर्ता को संतुष्ट करते हुए करने के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील नरैनी में कुल 126 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिनमें से मौके पर 5 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा शेष प्रकरणों को सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को इस निर्देश के साथ दिये गये कि सम्बन्धित आवेदन पत्रों को गम्भीरता से लेते हुए समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारण कराया जाए। समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विकास एवं अन्य विभागों से सम्बन्धित आवेदन पत्र प्राप्त हुए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने ग्राम पडमई के फरियादी द्वारा उसकी जमीन पर बाउन्ड्री वॉल करने व रास्ता बन्द करने की शिकायत की जिसपर राजस्व एवं पुलिस के अधिकारियों को मौके पर जाकर निस्तारण करने के निर्देश दिये।

ग्राम गौरशिवपुर के चन्द्रपाल द्वारा उसकी जमीन पर अवैध कब्जा किये जाने की शिकायत पर जिसपर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को तत्काल कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। पटेल नगर नरैनी के एक फरियादी द्वारा सड़कों के गड्ढे ठीक कराये जाने के प्रार्थना पत्र पर अधिशाषी अधिकारी लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये। ग्राम पनगरा निवासी रमेश एवं ग्राम शिवपुर के सतरूपा ने अपनी जमीन की पैमाइश कराये जाने के सम्बन्ध में आवेदन दिये जिसपर सम्बन्धित लेखपाल को पैमाइश कर निस्तारण करने के निर्देश दिये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील नरैनी में पुलिस अधीक्षक श्री अंकुर अग्रवाल ने पुलिस विभाग से सम्बन्धित समस्याओं को सुनते हुए उनके त्वरित निराकरण गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों को दिये।

ममता ने कनिष्ठ चिकित्सकों से आमरण अनशन समाप्त करने को कहा

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को आर.जी. कर अस्पताल में अपनी सहकर्मी के बलात्कार और हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से आमरण अनशन समाप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उनकी अधिकांश मांगों पर विचार किया जा चुका है। उन्होंने स्वास्थ्य सचिव को हटाने की जूनियर डॉक्टरों की मांग को अस्वीकार कर दिया। मुख्य सचिव मनोज पंत और गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती ने एस्प्लेनेड स्थित धरना स्थल का दौरा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने फोन के जरिए प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से बात करते हुए, कहा, हर किसी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन इसका असर स्वास्थ्य सेवाओं पर नहीं पड़ना चाहिए। मैं आप सभी से अनुरोध करूंगी कि आप अपना अनशन वापस ले लें।

कनिष्ठ चिकित्सक अन्य मांगों के साथ राज्य के स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम को हटाने की मांग कर रहे हैं। निगम को हटाने की मांग पर चिकित्सकों की हताशा को स्वीकार करते हुए बनर्जी ने कहा, आप जानते हैं कि मैंने स्वास्थ्य सचिव को क्यों नहीं हटाया। एक ही बार में एक विभाग में सभी को हटाना संभव नहीं है। हमने पहले डीएचएस और डीएमई को हटा दिया था। कृपया राजनीति से ऊपर उठें और काम पर वापस लौटें। उन्होंने सवाल किया, आप कैसे तय कर सकते हैं कि किस अधिकारी को हटाया जाएगा या नहीं? क्या यह तर्कसंगत है?

कनिष्ठ चिकित्सक पीड़िता के लिए न्याय और राज्य के स्वास्थ्य सेवा ढांचे में व्यवस्थागत बदलाव की मांग को लेकर दो सप्ताह से आमरण अनशन पर हैं।

अब तक अनशन कर रहे छह चिकित्सकों को बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि आठ अन्य अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं, उनकी मांग है कि राज्य सरकार गतिरोध को दूर करने के लिए 21 अक्टूबर तक रचनात्मक कार्वाई करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सकों को अपना अनशन वापस ले लेना चाहिए और सोमवार को राज्य सचिवालय नबान्न में उनसे मिलकर अपनी मांगों पर आगे चर्चा करनी चाहिए। बनर्जी ने कहा, मैंने पुलिस आयुक्त (सीपी), चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) और स्वास्थ्य सेवा निदेशक (डीएचएस) को हटा दिया है, लेकिन मैं विभाग में सभी को नहीं हटा सकती। उन्होंने कहा, आपकी कुछ मांगों पर नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है। हम यथासंभव सहयोग करेंगे, लेकिन यह स्वीकार्य नहीं है कि आप सरकार को निर्देश दें कि क्या किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर हड़ताल के प्रभाव को रेखांकित करते हुए उनसे जिम्मेदारी की भावना दिखाने की अपील की। उन्होंने कहा, लोग इलाज के लिए आप पर निर्भर हैं। गरीब लोग कहां जाएंगे? सरकारी अस्पतालों में उनका मुफ्त इलाज होता है। कृपया मेरे पद को भूल जाएं और मुझे अपनी दीदी समझें। ए आपकी जायज मांगें हैं, लेकिन आपको लोगों की सेवा करनी चाहिए। आंदोलनकारी चिकित्सकों के साथ राज्य भर के उनके सहकर्मी भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे 22 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल में सभी चिकित्सा पेशेवरों की हड़ताल आयोजित कर विरोध को और तेज कर देंगे। चिकित्सक मंगलवार को देशव्यापी हड़ताल आयोजित करने के बारे में अन्य राज्यों के अपने समकक्षों के साथ चर्चा कर रहे हैं ताकि पश्चिम बंगाल सरकार पर दबाव बढ़ाया जा सके। बनर्जी ने उन्हें आश्वस्त किया कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि सीबीआई आपको न्याय दिलाएगी। चिकित्सक स्वास्थ्य सचिव निगम को हटाने के अलावा चिकित्सा महाविद्यालयों में चुनाव कराने की भी मांग कर रहे हैं। बनर्जी ने चुनाव की मांग को स्वीकार किया, लेकिन आगामी दिवाली समारोह और राज्य में उपचुनावों का हवाला देते हुए और समय मांगा। उन्होंने कहा, कृपया मुझे तीन से चार महीने का समय दीजिए, जो छात्र चुनाव कराने के लिए आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने हालांकि तीन से चार महीने के भीतर उनकी अधिकांश चिंताओं का समाधान करने का वादा किया है, लेकिन डॉक्टर तत्काल कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने शनिवार को यहां उस महिला चिकित्सक के वास्ते न्याय की मांग करते हुए करीब 20 किलोमीटर की पदयात्रा निकाली जिसकी आर जी कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में कथित रूप से बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी।

धरना स्थल पर डॉक्टरों से मिलने पहुंचे पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत

मुख्य सचिव और गृह सचिव ने प्रदर्शन स्थल का दौरा किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत और गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती ने शनिवार को प्रदर्शन स्थल का दौरा किया, जहां आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में पीड़िता को न्याय दिलाने तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर कनिष्ठ चिकित्सक प्रदर्शन कर रहे हैं। अनशन कर रहे छह चिकित्सकों की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल आठ चिकित्सक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं और उन्होंने राज्य सरकार से गतिरोध खत्म करने के लिए 21 अक्टूबर तक कदम उठाने की मांग की है। एक चिकित्सक ने कहा कि अगर सोमवार तक उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो उन्हें 22 अक्टूबर को पूरे राज्य में मजबूरन हड़ताल करनी पड़ेगी। एक कनिष्ठ चिकित्सक ने कहा, हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) चर्चा के लिए बैठें और हमारी सभी मांगें पूरी करें। थिएटर जगत की कई हस्तियों ने भी प्रदर्शनकारी चिकित्सकों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए शनिवार को सांकेतिक भूख हड़ताल की। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों की अपनी मांगों को लेकर रविवार को एक विशाल रैली भी आयोजित करने की योजना है। उनकी मांगों में स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम को हटाना भी शामिल है। चिकित्सकों की अन्य मांगों में राज्य के सभी अस्पतालों एवं चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए केंद्रीकृत रेफरल प्रणाली की स्थापना करना, बिस्तर रिक्ति निगरानी प्रणाली का कार्यान्वयन और कार्यस्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना, ऑन-कॉल रूम तथा शौचालय आदि के लिए आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित करने के वास्ते कार्यबल का गठन करना शामिल है।

उद्धव और एमवीए दोनों बेहतरीन स्थिति में हैं, चेन्निथला ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख से मुलाकात के बाद कहा

मुंबई(भाषा)। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर महा विकास आघाडी (एमवीए) के घटक दलों में जारी गतिरोध के बीच कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। मुंबई में उद्धव के आवास मातोश्री पर हुई मुलाकात के बाद संवाददाताओं से मुखातिब चेन्निथला ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख, जिन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था और एमवीए, दोनों बेहतरीन स्थिति में हैं। एमवीए, के घटक दलों में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। राज्य के कांग्रेस नेताओं और सहयोगी दलों के नेताओं से मुलाकात के बाद चेन्निथला ने कहा कि सीट-बंटवारे को लेकर विपक्षी गठबंधन की बातचीत एक-दो दिन में पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले और शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के बीच कोई मतभेद नहीं है। चेन्निथला ने कहा, विपक्षी गठबंधन के तीनों घटक दलों के नेता सीट-बंटवारा समझौते पर आपस में चर्चा कर रहे हैं। उद्धव और एमवीए बेहतरीन स्थिति में हैं। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन अपने मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा करने से डर रहा है। महायुति में भारतीय जनता पार्टी, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल हैं। वहीं, संजय राउत ने संवाददाताओं से कहा कि चेन्निथला ने उद्धव से उन सीटों पर चर्चा के लिए मुलाकात की, जिन पर अभी तक फैसला नहीं हो सका है। महाराष्ट्र की 288 सदस्ईय विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को होगा, जबकि मतों की गिनती 23 नवंबर को की जाएगी। पटोले ने शुक्रवार को कहा था कि 25 से 30 सीटों के बंटवारे को लेकर गतिरोध है। चेन्निथला ने शनिवार को उद्धव के अलावा राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार और वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट व विजय वडेट्टीवार से भी मुलाकात कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, चरणजीत सिंह चन्नी और पृथ्वीराज चव्हाण सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस पर्यवेक्षकों के साथ भी बैठक की।

जयपुर में रेजिडेंट डॉक्टरों ने हड़ताल पर जाने की घोषणा की

जयपुर(भाषा)। जयपुर में रेजिडेंट डॉक्टरों ने राज्य सरकार पर उनकी मांगों के प्रति उदासीन होने का आरोप लगाते हुए शनिवार रात से हड़ताल पर जाने की घोषणा कर दी। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स के अध्यक्ष डॉ. मनोहर सियोल ने बताया कि रेजिडेंट डॉक्टर्स ने शनिवार रात को हड़ताल कर दी और आपातकालीन तथा चुनिंदा सेवाएं तत्काल बंद कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस साल अगस्त में कार्यस्थल पर सुरक्षा उपायों तथा स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सहित मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

भगवान शिव को लेकर अभद्र टिप्पणी के आरोप में कांग्रेस विधायक पर प्राथमिकी

इंदौर(भाषा)। पुलिस ने भगवान शिव को लेकर अभद्र टिप्पणी करके हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में श्योपुर से कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल के खिलाफ इंदौर में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के विधि प्रकोष्ठ के मालवा प्रांत (इंदौर-उज्जैन संभाग) के संयोजक एवं स्थानीय वकील अनिल नायडू की शिकायत पर जंडेल के खिलाफ तुकोगंज पुलिस थाने में शुक्रवार देर रात प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि यह प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य, जिसका उद्देश्य किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक आस्थाओं का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना है) और धारा 302 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों आदि के प्रयोग) के तहत दर्ज की गई। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) हंसराज सिंह ने पीटीआई- भाषा को बताया कि भगवान शिव को लेकर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में जंडेल पर श्योपुर में पहले ही मूल प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है और इंदौर में दर्ज मामले को श्योपुर में दर्ज प्राथमिकी के साथ संलग्न कराया जाएगा। इंदौर के वकील नायडू ने सोशल मीडिया पर सामने आए एक कथित वीडियो और मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जंडेल ने भगवान शिव के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया जिससे उन जैसे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। श्योपुर में अपने खिलाफ बृहस्पतिवार को मामला दर्ज होने के बाद जंडेल ने विवादास्पद वीडियो के बारे में दावा किया था कि उनकी छवि खराब करने के लिए इस वीडियो को काट-छांट कर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया है। इस वीडियो पर सफाई देते वक्त कांग्रेस विधायक ने खुद को "शिव भक्त" भी बताया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विहिप के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस विधायक पर मामला दर्ज करने की मांग करते हुए इंदौर के तुकोगंज पुलिस थाने के सामने शुक्रवार देर रात विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि पुलिस के मामला दर्ज करने के लिए राजी होने के बाद ही इन कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन खत्म किया।

पलक्कड उपचुनाव में उम्मीदवारी को लेकर कांग्रेस के एक और नेता ने पार्टी छोड़ी

पलक्कड (भाषा)। केरल में पलक्कड विधानसभा सीट पर उपचुनाव में उम्मीदवारी को लेकर विपक्षी कांग्रेस में असंतोष पनप रहा है तथा पार्टी के एक और युवा नेता ने विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। हाल में, पार्टी के पूर्व डिजिटल मीडिया संयोजक पी. सरीन ने पलक्कड उपचुनाव के लिए युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राहुल ममकूटथिल को उम्मीदवार बनाए जाने का विरोध किया था। सरीन ने सतीशन और कांग्रेस सांसद शफी परमबिल को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप लगाए थे। परमबिल इस सीट से विधायक रह चुके हैं। इसके बाद, सरीन ने जब वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के साथ काम करने का इच्छुक होने की घोषणा की, उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। शनिवार को, युवा कांग्रेस के नेता ए. के. शबीन ने भी इसी तरह का विरोध जताया और घोषणा की कि वह कांग्रेस पार्टी छोड़ देंगे। यहां संवाददाता सम्मेलन में शबीन ने कहा कि उन्होंने सुबह अपनी मां को बताया कि वह पार्टी छोड़ रहे हैं। सरीन की तरह, शबीन ने भी सतीशन पर दो अन्य के साथ मिलकर पार्टी को हाईजैक करने और शफी परमबिल को पलक्कड से वडकारा लोकसभा सीट पर स्थानांतरित करने का आरोप लगाया, ताकि भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए पलक्कड में उपचुनाव कराने की जरूरत पड़े। शबीन ने कहा कि पार्टी में कई अन्य लोग भी हैं जिनका मानना है कि सतीशन और परमबिल ने चीजों को हाईजैक कर लिया है, लेकिन विभिन्न व्यक्तिगत कारणों से वे बोलने से डरते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी में कुछ नेताओं द्वारा सदस्यों की घोर उपेक्षा की जा रही और उन्हें दरकिनार किया जा रहा है। कांग्रेस से निष्कासन के बाद सरीन को पलक्कड विधानसभा उपचुनाव के लिए माकपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार बनाया गया है। शबीन ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि वह किसी अन्य राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगे या नहीं।

बारूदी सुरंग में विस्फोट से आईटीबीपी के दो जवान शहीद, दो अन्य जवान घायल

नारायणपुर(भाषा)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में नक्सलियों ने शनिवार को एक बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया, जिसमें भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के दो जवान शहीद हो गए और जिला पुलिस के दो जवान घायल हुए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कोडलियर गांव के निकट एक जंगल में यह विस्फोट हुआ, जिसमें आईटीबीपी की 53वीं बटालियन के दो जवान अमर पनवार (36) और के राजेश (36) शहीद हो गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में नारायणपुर जिला पुलिस के दो अन्य जवान घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नारायणपुर जिले के ओरछा, मोहंदी और ईरकभट्टी पुलिस शिविर से आईटीबीपी, सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और जिला रिजर्व गार्ड के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए धुरबेड़ा गांव की ओर रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि दल की वापसी के दौरान शनिवार दोपहर लगभग 12 बजे एक बारूदी सुरंग में विस्फोट हुआ, जिसमें आईटीबीपी के दो जवान तथा जिला पुलिस के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना के कुछ देर बाद आईटीबीपी के घायल जवानों को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस के घायल दो अन्य जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनकी हालत स्थिर है। राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आईटीबीपी के जवानों को तैनात किया गया है। चार अक्टूबर को राज्य के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सीमा में अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 38 नक्सलियों को मार गिराया था। वहीं महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में शनिवार को आठ लाख रुपए के इनामी एक नक्सली दम्पती ने आत्मसमर्पण कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने उनकी पहचान असिन राजाराम कुमार (37) उर्फ अनिल और उसकी पत्नी अंजू सुल्या जाले (28) उर्फ सोनिया के रूप में की।

एनआईए ने 17 पीएफआई सदस्यों की जमानत को शीर्ष अदालत में चुनौती दी

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने केरल उच्च न्यायालय के उस आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है, जिसके तहत 2002 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेता श्रीनिवासन की हत्या के मामले में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के 17 सदस्यों को जमानत दी गई थी। एनआईए की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एश्वर्या भट्टी ने न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह को बताया कि जांच एजेंसी ने मामले में 17 अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की हैं। भट्टी ने पीठ को सूचित किया कि केरल उच्च न्यायालय ने 25 जून के अपने आदेश में 17 आरोपियों को जमानत दे दी थी और नौ अन्य की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। उन्होंने शुक्रवार को पीठ से आग्रह किया, हमने 17 अलग-अलग विशेष अनुमति याचिकाएं (एसएलपी) दायर की हैं। यह अदालत सभी एसएलपी पर एक साथ विचार कर सकती है।

आरोपी सद्दाम हुसैन एमके की याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वह भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ से सभी मामलों को एक साथ सूचीबद्ध करने की अनुमति ले। केरल उच्च न्यायालय ने सद्दाम की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। आरएसएस नेता की हत्या के मामले में जमानत पाने वाले सभी आरोपी केरल के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के आरोप में भी मुकदमे का सामना कर रहे हैं। विशेष अदालत ने मामले के 26 आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया था। आरोपियों ने फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसने इनमें से 17 को जमानत दे दी थी और नौ अन्य की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। जमानत देते हुए उच्च न्यायालय ने 17 आरोपियों पर कड़ी शर्तें लागू की थीं। आरोपियों को जांच अधिकारी से अपना मोबाइल नंबर और रियल-टाइम जीपीसी लोकेशन साझा करने का निर्देश दिया गया था। उन पर केरल न छोड़ने, अपना पासपोर्ट जमा करने और मोबाइल फोन हमेशा चार्ज एवं चालू रखने की शर्त भी लागू की गई थी। केरल के पलक्कड़ जिले में 16 अप्रैल, 2022 को श्रीनिवासन की हत्या के सिलसिले में 51 लोगों को आरोपी बनाया गया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक की मौत हो गई, जबकि सात आरोपी फरार हैं। बाकी आरोपियों के खिलाफ जुलाई और दिसंबर 2022 में दो चरणों में आरोप पत्र दाखिल किए गए थे। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि जब पुलिस इस हत्याकांड की जांच कर रही थी, तब केंद्र को सूचना मिली थी कि केरल में पीएफआई और उससे जुड़े संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने केरल तथा देश के विभिन्न हिस्सों में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने व आतंकवादी कृत्यों क अंजाम देने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को कट्टरपंथी बनाने की साजिश रची थी।

हैदराबाद में प्रदर्शन कर रहे हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया

हैदराबाद(भाषा)। शहर पुलिस ने यहां एक मंदिर में मूर्ति को कथित तौर पर खंडित किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे विश्व हिन्दू परिषद (विहिप), बजरंग दल और अन्य हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए शनिवार को लाठीचार्ज किया। महाराष्ट्र के इंजीनियरिंग स्नातक सलमान सलीम ठाकुर उर्फ सलमान ने 14 अक्टूबर को तड़के सिकंदराबाद के मुथ्यालम्मा मंदिर के गर्भगृह में कथित रूप से प्रवेश किया और मंदिर की मुख्य मूर्ति को खंडित कर दिया, जिसके बाद स्थानीय लोगों, हिंदू संगठनों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। विहिप के प्रवक्ता रविनुथला शशिधर के अनुसार परिषद ने शनिवार को मंदिरों के प्रति तेलंगाना सरकार के रवैए के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध का आह्वान किया। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और भगवा झंडे लेकर मंदिर के सामने एकत्र हुए। उन्होंने जय श्रीराम और हमें न्याय चाहिए जैसे नारे लगाए। वीडियो फुटेज में प्रदर्शनकारियों को पुलिस पर पानी के पैकेट फेंकते हुए नजर आ रहे थे और लाठीचार्ज के बाद कई लोगों को मामूली चोटें आई हैं। शशिधर ने पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की निंदा की। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि भाजपा लाठीचार्ज की निंदा करती है। पुलिस उपायुक्त (उत्तरी क्षेत्र) रश्मि पेरुमल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि घटना में ज्यादातर पुलिसकर्मी घायल हुए हैं और वे विवरण की पुष्टि कर रहे हैं।

पन्नू की हत्या की साजिश रचने वाले विकास यादव पिछले साल अपहरण के मामले में हुए थे गिरफ्तार

नई दिल्ली (भाषा)। अमेरिका में सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने में कथित भूमिका के लिए आरोपित विकास यादव को दिल्ली पुलिस ने पिछले साल दिसंबर में अपहरण और जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार किया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने भारत सरकार के पूर्व अधिकारी यादव (39) को रोहिणी में रहने वाले एक व्यापारी को अगवा करने और जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर फिरौती मांगने के आरोप में 18 दिसंबर, 2023 को गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया कि यादव को इस साल अप्रैल में जमानत पर रिहा किया गया था। विशेष प्रकोष्ठ की ओर से दायर प्राथमिकी के मुताबिक, यादव ने उक्त व्यापारी से कहा कि वह 11 दिसंबर, 2023 को दक्षिण दिल्ली में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के कार्यालय के पास उससे मिले और धमकी दी कि ऐसा न करने पर उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। प्राथमिकी में दावा किया गया है कि पीड़ित व्यापारी यादव के कहे अनुसार अपने एक दोस्त के साथ उससे मिलने पहुंचा। इस दौरान, यादव के साथ अब्दुल्ला नाम का एक व्यक्ति मौजूद था। इसमें आरोप लगाया गया है कि यादव और अब्दुल्ला ने व्यापारी को एक कार के अंदर खींचा तथा लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर उससे फिरौती की मांग की। प्राथमिकी के अनुसार, दोनों आरोपियों ने व्यापारी को एक कोरे चेक पर दस्तखत करने के लिए मजबूर किया और फिर उसे उसकी कार के पास छोड़ दिया। इसमें कहा गया है कि आरोपियों ने व्यापारी को धमकी दी कि अगर उसने इस घटना के बारे में किसी को भी बताया, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। प्राथमिकी के मुताबिक, घर लौटने के बाद पीड़ित को पता चला कि यादव और अब्दुल्ला ने उसके कैफे में रखे 50,000 रुपए भी ले लिए और सभी सीसीटीवी रिकॉर्डिंग मिटा दी। पुलिस ने यादव और अब्दुल्ला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने इस साल 13 मार्च को यादव के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसके बाद 22 मार्च को उनकी एक वर्षीय बेटी की "बीमारी" के आधार पर उन्हें छह दिनों के लिए अंतरिम जमानत दे दी गई थी। 22 अप्रैल को अदालत ने यादव को नियमित जमानत दे दी। विशेष रूप से, अंतरिम जमानत आदेश में यादव को "एक पूर्व सरकारी कर्मचारी जिसका इतिहास साफ-सुथरा है के रूप में संदर्भित किया गया था। पुलिस ने इस साल 13 मार्च को यादव के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया, जिसके बाद 22 मार्च को उसकी एक साल की बेटी के बीमार होने के आधार पर उसे छह दिन के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था। अदालत ने 22 अप्रैल को यादव को नियमित जमानत दे दी।

पेज 1 का शेष

राष्ट्रीय राजधानी...

30 से अधिक उड़ानों को शनिवार सुबह से सोशल मीडिया के माध्यम से बम की धमकी मिली है। कम से कम एक उड़ान में शौचालय में एक नोट मिला जिसमें कहा गया था कि उड़ान में बम है। शनिवार को, विस्तारा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उसकी पांच उड़ानों को सोशल मीडिया के माध्यम से सुरक्षा संबंधी धमकी मिली, जबकि इंडिगो ने कहा कि उसकी कम से कम चार उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। विस्तारा की पांच उड़ानें यूके106 (सिंगापुर से मुंबई), यूके027 (मुंबई से फ्रैंकफर्ट), यूके107 (मुंबई से सिंगापुर), यूके121 (दिल्ली से बैंकॉक) और यूके131 (मुंबई से कोलंबो) हैं। एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया और अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के मार्गदर्शन के अनुसार सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। इसके अलावा, उदयपुर से मुंबई जाने वाली विस्तारा की फ्लाइट यूके624 को लेकर सुरक्षा चिंता थी और लैंडिंग के बाद विमान को अनिवार्य जांच के लिए एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया। मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि विमान के शौचालय में एक नोट मिला, जिसमें कहा गया था कि फ्लाइट में बम है। इंडिगो ने खतरों के संबंध में कम से कम पांच अंतरराष्ट्रीय उड़ानों - 6ई 11, 6ई 17, 6ई 58, 6ई 108 और 6ई 184 के लिए बयान भी जारी किए। वे 6ई17 (मुंबई से इस्तांबुल), 6ई11 (दिल्ली से इस्तांबुल), 6ई184 (जोधपुर से दिल्ली) और 6ई108 (हैदराबाद से चंडीगढ़) हैं। एयरलाइन ने कहा कि वह मुंबई और दिल्ली से इस्तांबुल की उड़ानों से जुड़ी स्थिति से अवगत है। हैदराबाद से चंडीगढ़ की उड़ान के बारे में इंडिगो ने कहा कि लैंडिंग के बाद विमान को अलग कर दिया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। सूत्रों ने कहा कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर हवाई अड्डे के अधिकारियों द्वारा आइसोलेशन बे में विमान की गहन जांच की जा रही थी। बम की अफवाह के बाद एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 101, एआई 105, एआई 126, 119 और एआई 161 को बाधित कर दिया गया। लखनऊ से किशनगढ़ जाने वाली स्टार एयर की एक उड़ान को शनिवार दोपहर बम की धमकी मिली, जिसके बाद चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई। हवाई अड्डे के प्रवक्ता के एक बयान के अनुसार, धमकी दोपहर 1.52 बजे मिली थी। हवाई अड्डे की बम खतरा आकलन समिति ने तुरंत स्थिति का आकलन करने और आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल को लागू करने के लिए बैठक की। पुलिस ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निशाना बनाकर की गई कई फर्जी बम धमकियों की जांच तेज कर दी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय एयरलाइनों को फर्जी बम धमकियों की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने की योजना बना रहा है, जिसमें अपराधियों को नो-फ्लाई सूची में डालना भी शामिल है।

दुश्वारियों...

स्थिति का विश्लेषण करते हुए पुलिस ने आनंद विहार आईएसबीटी की सड़क पर इन/आउट भीड़ को साफ करने और कैरिजवे को भीड़भाड़ मुक्त बनाने की रणनीति तैयार की। इसके बाद एमसीडी, शाहदरा साउथ जोन के डिप्टी कमिश्नर और स्थानीय पुलिस के साथ एक बैठक की गई और उन्हें आनंद विहार आईएसबीटी पर अतिक्रमण हटाने के लिए संयुक्त अभियान चलाने का अनुरोध किया गया। भीड़भाड़ को हटाने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के साथ एक विशेष अभियान चलाया गया और अधिकांश अतिक्रमण हटा दिए गए। आनंद विहार रेलवे, रैपिड रेलवे ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) और मेट्रो नेटवर्क से जुड़ा एक प्रमुख ट्रांजिट हब है, जिसमें लाखों यात्री परिवहन के विभिन्न साधनों का उपयोग करते हैं। यह घनी आबादी वाले इंदिरापुरम, सूरजमल विहार, गाजियाबाद में रामप्रस्थ, नोएडा, दिलशाद गार्डन, शाहदरा, मयूर विहार, पटपड़गंज से घिरा हुआ है। चौधरी चरण सिंह मार्ग पर आईएसबीटी के बाहर से गुजरने में यात्रियों को 15 से 20 मिनट लग जाते हैं। बसें, ऑटोरिक्शा, ई-रिक्शा और निजी वाहन हमेशा गलत जगहों पर खड़े रहते हैं, जिससे ट्रैफिक जाम हो जाता है। यूपी से दिल्ली में बड़ी संख्या में गैर-गंतव्य वाहन प्रवेश कर रहे हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। रात करीब 9 बजे, वह समय होता है जब आनंद विहार में दिल्ली यूपी सीमा पर गंदगी बढ़ जाती है, क्योंकि वाणिज्यिक वाहनों के लिए राजधानी में प्रवेश का कानूनी समय शुरू होता है। पार्किंग शुल्क बढ़ाने के अलावा, उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पिछले महीने आनंद विहार सहित तीन आईएसबीटी के अंदर और बाहर यातायात/बसों को नियंत्रित करने के आदेश जारी किए थे। आईएसबीटी के अंदर, स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन बाहर, यह वैसा ही है।

दिल्ली में...

अधिकारियों सहित कुल 523 टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें दिल्ली भर में विभिन्न निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर रही हैं और उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं। सभी टीमों को निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यावरण मंत्री ने पर्यावरण विभाग के अधिकारियों को धूल विरोधी अभियान की दैनिक रिपोर्ट एकत्र करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि अब तक 2764 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया गया है और उल्लंघन के लिए 76 नोटिस जारी किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 17.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गोपाल राय ने दिल्ली के लोगों से अपील की कि वे निर्माण या तोड़फोड़ गतिविधियों में किसी भी तरह की अनियमितता की सूचना ग्रीन दिल्ली ऐप के जरिए दें। धूल नियंत्रण से निपटने के लिए आप सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए, राय ने कहा कि धूल प्रदूषण को रोकने के लिए निर्माण स्थल के चारों ओर ऊंची टिन की दीवार खड़ी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, पहले, 20,000 वर्ग मीटर से बड़े निर्माण स्थलों पर ही एंटी-स्मॉग गन की आवश्यकता होती थी। अब, नए नियमों के तहत, 5,000 से 10,000 वर्ग मीटर और उससे बड़े स्थलों पर एंटी-स्मॉग गन लगाना अनिवार्य है। 5,000 से 10,000 वर्ग मीटर के लिए एक एंटी-स्मॉग गन, 10,000 से 15,000 वर्ग मीटर के लिए दो, 15,000 से 20,000 वर्ग मीटर के लिए तीन और 20,000 वर्ग मीटर से अधिक के स्थलों के लिए कम से कम चार एंटी-स्मॉग गन होनी चाहिए। आप सरकार के धूल नियंत्रण दिशा-निर्देशों में कहा गया है, निर्माण और विध्वंस क्षेत्रों और इमारतों को तिरपाल या जाल से ढंकना अनिवार्य है। निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों को साइट छोड़ने से पहले साफ किया जाना चाहिए और उनके पहियों को धोया जाना चाहिए। निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों को पूरी तरह से ढका जाना चाहिए। निर्माण सामग्री और विध्वंस अपशिष्ट को केवल निर्दिष्ट स्थानों पर ही संग्रहित किया जाना चाहिए, सड़क के किनारे भंडारण की अनुमति नहीं है। निर्माण सामग्री, मलबा, मिट्टी और रेत को खुला नहीं छोड़ा जाना चाहिए। पत्थर काटने का काम खुले क्षेत्रों में नहीं किया जाना चाहिए और पत्थरों को काटने के लिए वेट जेट तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

झारखंड....

2019 में, झारखंड विधानसभा में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 47 सीटें जीतीं, जिसमें झामुमो की 30 और कांग्रेस की 16 सीटें शामिल थीं। भाजपा को 25 सीटें, जेवीएम-पी को 3, आजसू पार्टी को 2, सीपीआई-एमएल को 1, एनसीपी को 1 और निर्दलीय को 2 सीटें मिली थीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रांची में एक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा द्वारा संविधान पर हमला किया जा रहा है। उन्होंने भगवा पार्टी पर चुनाव आयोग, नौकरशाही और केंद्रीय एजेंसियों जैसी संस्थाओं को नियंत्रित करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी ताकत जाति जनगणना और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने से नहीं रोक सकती। राहुल गांधी ने झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले रांची में 'संविधान सम्मान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समेत हर तरफ से संविधान पर लगातार हमला करने का आरोप लगाते हुए इसे बचाने की वकालत की। उन्होंने भाजपा पर चुनाव आयोग, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग, नौकरशाही और न्यायपालिका को नियंत्रित करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, भाजपा फंड और संस्थानों को भी नियंत्रित करती है, लेकिन हमारे पास ईमानदारी है। कांग्रेस ने बिना पैसे के लोकसभा चुनाव लड़ा था।

प्रौद्योगिकियों का हथियार के रूप में इस्तेमाल की संभावना से निपटने को तैयार रहना होगा

भाषा। नई दिल्ली

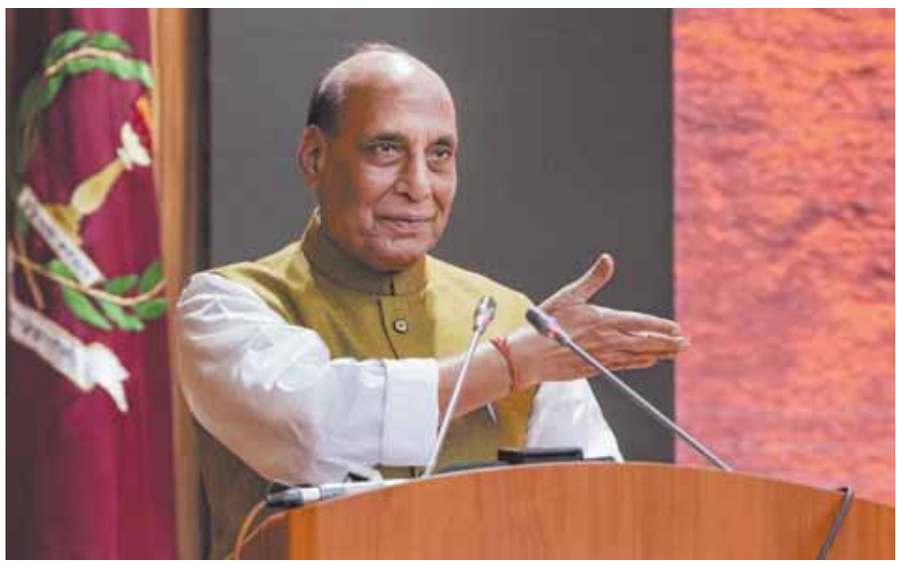

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सैन्य अधिकारियों से लगातार बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में रणनीतिक लाभ हासिल करने के लिए समीक्षात्मक चिंतन करने का शनिवार को आह्वान किया और कहा कि दुश्मन के तकनीकी उपकरणों तथा प्रौद्योगिकियों का हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की संभावनाओं से निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। दिल्ली में राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा, ड्रोन और स्वचालित वाहन से लेकर कृत्रिम मेधा (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस या एआई) और क्वांटम कंप्यूटिंग तक, आधुनिक युद्ध को आकार देने वाली प्रौद्योगिकियां बहुत तेज गति से विकसित हो रही हैं। हमारे अधिकारियों को इन प्रौद्योगिकियों को समझना चाहिए और उनका इस्तेमाल करने में सक्षम बनना चाहिए। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों ने रणनीतिक विचारक बनने का आग्रह किया, जो भविष्य की लड़ाइयों का पूर्वानुमान लगाने , वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में होने वाले बदलावों को समझने और बुद्धिमत्ता एवं सहानुभूति दोनों के साथ नेतृत्व करने की क्षमता रखते हों।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे भूराजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और वैश्विक सुरक्षा गठबंधनों की जटिलताओं जैसे विषयों पर अच्छी पकड़ रखें, क्योंकि उनके द्वारा लिए गए फैसलों के युद्ध के मैदान से इतर कूटनीति, अर्थशास्त्र और अंतरराष्ट्रीय कानून के क्षेत्र में भी दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, राजनाथ ने अधिकारियों से समीक्षात्मक चिंतन करने, अप्रत्याशित परिस्थितियों के अनुकूल ढलने और तकनीक क्षेत्र में होने वाले नवीनतम आविष्कारों का लाभ उठाने का आह्वान किया, ताकि वर्तनमान के लगातार बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में रणनीतिक लाभ हासिल किया जा सके। उन्होंने दुश्मन द्वारा उन तकनीकी उपकरणों और प्रौद्योगिकियों का हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की संभावनाओं से निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत को रेखांकित किया, जिनका लोग रोजमर्रा के जीवन में उपयोग करते हैं।

राजनाथ ने कहा, यह ख्याल भर कि हमारे विरोधी हमारे उपकरणों का दुरुपयोग कर रहे हैं, हमें इस बात की याद दिलाता है कि हमें इन खतरों से निपटने के लिए कितनी तत्परता से तैयारी करनी चाहिए। एनडीसी जैसे संस्थानों को अपना पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार करना चाहिए कि न केवल उसमें ऐसे अपरंपरागत युद्ध पर केस स्टडी शामिल की जाए, बल्कि रणनीतिक नवाचार को भी बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि लगातार बदलती चुनौतियों के बीच पूर्वानुमान लगाने, अनुकूलन करने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता उनका सामना करने की हमारी तत्परता को परिभाषित करेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज युद्ध पारंपरिक युद्ध मैदान से आगे निकल गया है और बहु-क्षेत्रीय परिवेश में लड़ा जाता है, जहां साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध पारंपरिक अभियानों की तरह ही महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा, साइबर हमले, दुष्प्रचार अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे हथियार बन गए हैं, जो बिना एक भी गोली चलाए पूरे देश को अस्थिर कर सकते हैं। सैन्य अधिकारियों के पास जटिल समस्याओं का विश्लेषण करने और नए समाधान सुझाने की क्षमता होनी चाहिए। राजनाथ ने 62वें एनडीसी पाठ्यक्रम (2022 बैच) के एमफिल दीक्षांत समारोह में तकनीक के क्षेत्र में हो रही तीव्र प्रगति को सबसे महत्वपूर्ण शक्ति बताया, जो भविष्य के लिए तैयार सेना विकसित करने में सहायक है। उन्होंने रक्षा अधिकारियों से इस बात का गहन विश्लेषण करने को कहा कि एआई जैसी विशिष्ट तकनीकों का सर्वोत्तम लाभ कैसे उठाया जाए, जिनमें सैन्य अभियानों में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता है। रक्षा मंत्री ने एआई द्वारा लिए जाने वाले फैसलों की सीमा तय करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मानवीय हस्तक्षेप के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फैसले लेने की प्रक्रिया में एआई पर बढ़ती निर्भरता जवाबदेही और अनपेक्षित परिणामों की संभावनाओं को लेकर चिंताएं पैदा कर सकती है। मशीनों को किस हद तक जीवन-मृत्यु का फैसला लेना चाहिए? सैन्य अधिकारियों के सामने आने वाली इस नैतिक दुविधा पर राजनाथ ने कहा कि नैतिकता, दर्शन और सैन्य इतिहास के संबंध में अकादमिक शिक्षा अधिकारियों को संवेदनशील विषयों को संबोधित करने और सही निर्णय लेने के उपाय सुझाएगी। उन्होंने भावी अधिकारियों को मौजूदा समय के युद्ध की चुनौतियों से निपटने की नैतिक रूपरेखा प्रदान करने में एनडीसी जैसे रक्षा शिक्षण संस्थानों की अहम भूमिका को रेखांकित किया। रक्षा मंत्री ने तकनीकी रूप से उन्नत और मजबूत सेना तैयार करने के सरकार के संकल्प का भी जिक्र किया, जो उभरते खतरों का जवाब देने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि सशस्त्र बल भविष्य के लिए तैयार रहें और एनडीसी जैसे संस्थान सैन्य अधिकारियों के दृष्टिकोण को आकार देने तथा उन्हें आधुनिक युद्ध की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजनाथ ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का पाठ्यक्रम गतिशील और अनुकूलनशील बना रहना चाहिए , ताकि संबंधित क्षेत्र में सक्रिय लोगों के लिए इसकी प्रासंगिकता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आधुनिक युद्ध की चुनौतियों, नैतिक दुविधाओं और रणनीतिक नेतृत्व को न केवल चिंतन का विषय बताया, बल्कि इन्हें वह नींव करार दिया, जिस पर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का भविष्य टिका होगा।

राजनाथ ने कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए, जो किसी पाठ्यक्रम की समाप्ति तक सीमित न हो। उन्होंने एनडीसी की पहुंच और प्रभाव बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर छोटे ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करने का सुझाव दिया। रक्षा मंत्री ने कहा, इससे अधिकारियों को उनकी भौगोलिक तैनाती या समय संबंधी सीमाओं से परे जाकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाले ज्ञान और विशेषज्ञता का लाभ हासिल करने का मौका मिल सकेगा। उन्होंने एनडीसी के व्यापक और सुस्थापित पूर्व छात्र नेटवर्क को एक ऐसा अप्रयुक्त संसाधन बताया, जो इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

व्यावसायीकरण से शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हुई: धनखड़

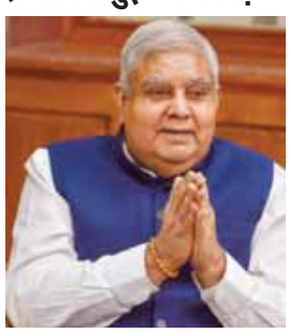

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा के व्यावसायीकरण पर चिंता जताते हुए शनिवार को कहा कि इससे बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।उन्होंने कहा कि शिक्षा में निवेश भविष्य, आर्थिक उत्थान, शांति और स्थिरता में निवेश करने जैसा है।धनखड़ यहां सीकर में एक निजी शिक्षण संस्थान के समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, शिक्षा के व्यावसाईकरण ने उसकी गुणवत्ता को प्रभावित किया है। शिक्षा कभी भी आय का स्रोत नहीं था, यह त्याग और दान का एक माध्यम था, जिसका उद्देश्य समाज का मदद करना था लेकिन हम देखते हैं कि इसको फायदे के लिए बेचा जा रहा है। कुछ मामलों में तो यह जबरन वसूली का रूप ले रहा है। आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने कहा, शैक्षणिक संस्थाओं को अगर आप अर्थ-लाभ के चश्मे से देखेंगे तो आपका उद्देश्य धूमिल हो जाएगा। हमें आवश्यकता है हम ऐसा ना होने दे। मेरा यह आग्रह रहेगा की संस्था का पैसा संस्था के विकास के लिए ही लगे। उन्होंने कहा, हमारा संकल्प होना चाहिए कि जब भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बने तब हम दुनिया की सुपर नॉलेज पावर होने चाहिए। उपराष्ट्रपति ने व्यापार, उद्योग, वाणिज्य और व्यवसाय जगत में लोगों से अपील करते हुए उनसे संस्थानों के विकास में उदारतापूर्वक योगदान देने की बात कही।उन्होंने कहा, शिक्षा में निवेश हमारे भविष्य, आर्थिक उत्थान, शांति और स्थिरता में निवेश है।

नारी शक्ति का आशीर्वाद विकसित भारत के लिए काम करते रहने को प्रेरित करता है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि महिलाओं का आशीर्वाद उन्हें विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करते रहने की प्रेरणा देता है। इससे पहले, भाजपा के एक नेता ने मोदी के प्रति आभार के रूप में 100 रुपए देने की इच्छा जताने वाली एक आदिवासी महिला की कहानी साझा की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा ने तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर कहा कि ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में पार्टी के सदस्यता अभियान के दौरान एक आदिवासी महिला से उनकी मुलाकात हुई। उन्होंने कहा, इस आदिवासी महिला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद व्यक्त करने के लिए मुझे 100 रुपए देने की इच्छा व्यक्त की। उसने मेरे इस स्पष्टीकरण को दरकिनार कर दिया कि यह आवश्यक नहीं है और जब तक मैंने हार नहीं मानी, तब तक वह अपनी बात पर अड़ी रही। पांडा ने अपने पोस्ट में कहा, यह ओडिशा और भारत में हो रहे परिवर्तन का प्रतिबिंब है। मोदी ने जवाब दिया, इस स्नेह से मैं बहुत अभिभूत हूं। मुझे हमेशा आशीर्वाद देने के लिए मैं हमारी नारी शक्ति को नमन करता हूं। उनका आशीर्वाद मुझे विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करते रहने के लिए प्रेरित करता है।

यूडीएफ ने वाम सरकार से सबरीमाला में सांप्रदायिकता को मुद्दा बनाने का मौका न देने का आग्रह किया

वायनाड। विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने शनिवार को केरल की वाम सरकार से आग्रह किया कि वह आगामी तीर्थयात्रा सीजन के दौरान प्रसिद्ध सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर में सांप्रदायिकता को मुद्दा बनाए जाने का मौका न दे। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) वी.डी. सतीशन ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मासिक पूजा और अनुष्ठानों के लिए मलयालम महीने थुलम के पहले दिन मंदिर खुलने के बाद से यहां भारी भीड़ देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों को दर्शन के लिए सात घंटे तक कतार में लगना पड़ता है और सरकार ने वहां पीने के पानी की व्यवस्था या पर्याप्त पुलिसकर्मियों की तैनाती सहित कोई व्यवस्था नहीं की है। सतीशन ने कहा कि विपक्ष ने इस संबंध में हाल ही में राज्य विधानसभा में चेतावनी जारी की थी। उन्होंने बताया कि पिछले साल वर्चुअल क्यू बुकिंग की संख्या प्रतिदिन 90,000 और स्पॉट बुकिंग 15,000 थी। उन्होंने कहा कि इस साल मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसे प्रतिदिन 80,000 तक सीमित कर दिया गया था। सतीशन ने सरकार से ऐसी स्थिति पैदा न करने का आग्रह किया कि प्रतिबंधों के कारण भक्तों को भगवान अयप्पा मंदिर में दर्शन किए बिना वापस लौटना पड़े। उन्होंने इस संबंध में अप्रैल में त्रिशूर पूरम में हुई घटना का जिक्र किया। त्रिशूर पूरम के दिन विभिन्न अनुष्ठानों में व्यवधान ने हाल ही में राज्य में राजनीतिक विवाद को जन्म दिया था। एलओपी ने कहा कि यूडीएफ नहीं चाहता कि सबरीमाला फिर से विवाद का विषय बने, इसलिए सरकार से आग्रह है कि वह तीर्थयात्रियों की संख्या सीमित करने के अपने फैसले के माध्यम से आगामी तीर्थयात्रा सीजन के दौरान इस मंदिर में सांप्रदायिक लोगों को कोई मुद्दा बनाने का मौका न दे।

असम सरकार 129 बील का पुनरुद्धार करने के लिए 800 करोड़ रुपए खर्च करेगी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार मत्स्यपालन को बढ़ावा देने तथा जल भंडारण में सहयोग करने के वास्ते 129 बील (झील जैसी आर्द्रभूमि) के पुनरुद्धार के लिए 800 करोड़ रुपए की परियोजना शुरू करेगी। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स जारी पोस्ट में कहा, एशियाई विकास बैंक के साथ मिलकर शुरू की जाने वाली इस परियोजना के तहत 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले बील का पुनरुद्धार किया जाएगा जिससे मत्स्यपालन एवं जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि बील असम के जल संसाधनों की रीढ़ हैं जिससे बाढ़ उपशमन, भूजल पुनर्भरण, नदी प्रवाह विनियमन, भूमि के कटाव को नियंत्रित किया जाता है और ए मत्स्य पालन के स्रोत भी हैं। उन्होंने कहा कि बील के पुनरुद्धार से सालाना।,200 किलोग्रामाहेक्टेयर अतिरिक्त मछली उत्पादन होगा। इस परियोजना का लक्ष्य बील की जल भंडारण क्षमता बढ़ाना तथा मछली की देसी प्रजातियों का संरक्षण एवं प्रबंधन करना है। बील आर्द्र क्षेत्र की एक झील जैसी संरचना है जहां स्थिर पानी होता है। ए बील असम में जैवविविधता के केंद्रस्थल हैं तथा कई प्रकार के जलीय पादपों एवं जंतुओं तथा प्रवासी पक्षियों के आश्रय स्थल हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के भाई दो करोड़ रुपए की ठगी के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलुरुहुबली। पुलिस ने जनता दल (सेक्युलर) के एक पूर्व विधायक की पत्नी द्वारा दायर शिकायत के आधार पर शनिवार को केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के भाई को गिरफ्तार कर लिया। गोपाल जोशी और विजयलक्ष्मी जोशी नामक महिला के खिलाफ बसवेश्वरनगर पुलिस ने बृहस्पतिवार रात मामला दर्ज किया था। गोपाल के बेटे अजय जोशी को भी प्राथमिकी में नामजद किया गया है। यह शिकायत नागथान के पूर्व विधायक डी. फूल सिंह चव्हाण की पत्नी सुनीता चव्हाण ने दायर की थी। फूल सिंह चव्हाण, 2023 में विधानसभा चुनाव हार गए थे। सुनीता ने आरोप लगाया है कि गोपाल जोशी ने मई में हुए लोकसभा चुनाव में उनके परिवार के सदस्य को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का टिकट दिलाने के बहाने उनसे दो करोड़ रुपए की ठगी की। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि विजयलक्ष्मी को उनसे प्रह्लाद जोशी की बहन के रूप में मिलवाया गया था। हालांकि, संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने स्पष्ट किया है कि उनकी कोई बहन नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके केवल तीन भाई हैं, जिनमें से एक की 1984 में महाराष्ट्र के अहमदनगर में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। मंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि उन्होंने तीन दशक से भी अधिक समय पहले अपने भाई (गोपाल जोशी) से नाता तोड़ लिया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि उन्होंने अदालत में एक हलफनामा दाखिल किया था और एक सार्वजनिक नोटिस भी प्रकाशित किया था, जिसमें कहा गया था कि जो कोई भी उनका भाई, रिश्तेदार या दोस्त होने का दावा करता है और किसी भी वित्तीय लेन-देन में शामिल है, वह उनपर बाध्यकारी नहीं होगा। इस बीच, पुलिस मामले की जांच के सिलसिले में गोपाल जोशी को हुबली के इंदिरा कॉलोनी स्थित उनके आवास पर ले गई।

जलवायु परिवर्तन का असर हर जगह देखा जा सकता है

पणजी। (भाषा) प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को यहां कहा कि जलवायु परिवर्तन का असर हर जगह देखा जा सकता है और इससे मछुआरों तथा किसानों समेत समाज के सबसे हाशिए पर पड़े वर्ग प्रभावित हो रहे हैं। गोवा के राज्यपाल पी. एस. श्रीधरन पिल्लई की पुस्तक ट्रेडिशनल ट्रीज ऑफ भारत के विमोचन के मौके पर आयोजित समारोह में भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा कि राज्य के साथ-साथ नागरिकों को पर्यावरण की रक्षा, संरक्षण और सुधार के लिए मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया कि गोवा में कल भी बारिश हुई थी। बचपन में हमें बताया जाता था कि नारियल पूर्णिमा पर बारिश खत्म हो जाती है, जब मछुआरे समुद्र में नारियल चढ़ाते हैं। लेकिन अब अक्टूबर और दिसंबर में भी बारिश होती है। जलवायु परिवर्तन जरूरी नहीं कि हमारी वजह से हो। उन्होंने कहा, यह हमें पिछले उन समाजों से विरासत में मिला है, जिन्होंने औद्योगिक क्रांति को अपनाया और इसके कारण ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि हुई। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, जलवायु परिवर्तन केवल संपन्न लोगों को ही प्रभावित नहीं कर रहा है, बल्कि यह समाज के सबसे हाशिए पर पड़े वर्गों, जैसे मछुआरा समुदाय और किसानों को भी प्रभावित कर रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रति हमारी प्रतिक्रिया हमारे समाज के सबसे कमजोर वर्गों की रक्षा करने वाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 48ए कहता है कि सरकार पर्यावरण की रक्षा और सुधार करेगी तथा वनों तथा वन्यजीवों की सुरक्षा करेगी, जबकि अनुच्छेद 51ए(जी) के अनुसार प्रकृति की रक्षा करना और सभी जीवों के प्रति करुणा का भाव रखना प्रत्एक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार और नागरिकों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, वनों की सुरक्षा हमारे संविधान में निहित पर्यावरण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण पहलू है। भारत ने लंबे समय से प्रकृति के मूल्य को पहचाना है।

स्टालिन ने राज्यपाल से कहा, खुद को विभाजनकारी ताकतों से मुक्त करें

चेन्नई। (भाषा) तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा है कि अगर राज्यपाल आर.एन. रवि पद पर बने रहना चाहते हैं तो उन्हें खुद को विभाजनकारी ताकतों से मुक्त कर लेना चाहिए और संवैधानिक मानदंडों के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। स्टालिन ने राज्यपाल पर द्रविड़ जाति की खराब छवि पेश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राजभवन को किसी राजनीतिक पार्टी के कार्यालय के रूप में तब्दील करने से बचा जाना चाहिए। शुक्रवार को राज्यपाल की मौजूदगी में हुए एक कार्यक्रम में तमिलनाडु के राज्यगान की एक पंक्ति छोड़े जाने को लेकर रवि और स्टालिन के बीच तीखी बहस हुई थी। मुख्यमंत्री ने इस पर आपत्ति जताते हुए पूछा कि जब राज्यपाल के सामने तमिल गान की एक पंक्ति छोड़ दी गई तो उन्होंने तुरंत इसकी निंदा क्यों नहीं की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से पूछा, आप कहते हैं कि आप तमिल थाई वल्थु को पूरी श्रद्धा के साथ गाते हैं, लेकिन जब गायकों ने द्रविड़ से संबंधित एक पंक्ति को छोड़ दिया तो आपने तुरंत इसकी निंदा क्यों नहीं की? दूरदर्शन के तमिल कार्यालय में हिंदी माह के समापन पर शुक्रवार को आयोजित एक समारोह में जब एक समूह तमिल थाई वल्थु गान प्रस्तुत कर रहा था तो समूह में शामिल लोग अनजाने में इसकी एक पंक्ति गाना भूल गए थे। इस समारोह में राज्यपाल भी शामिल हुए थे। दूरदर्शन केंद्र ने हालांकि, स्पष्टीकरण देते हुए माफी मांग ली थी। तमिल के राज्यगान की अनजाने में छुटी पंक्ति थेक्कनमम अधिल सिरंथा द्रविड़ नाल थिरु नादुम है जो दक्कन में द्रविड़ भूमि की महानता को संदर्भित करती है। स्टालिन ने इस मुद्दे पर राज्यपाल के जवाब पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आपने कहा था कि दुर्भाग्यवश एक मुख्यमंत्री द्वारा राज्यपाल के खिलाफ झूठे आरोप लगाकर नस्लवादी टिप्पणी करना घटिया बात है, लेकिन राज्यपाल महोदय, तमिल हमारी जाति है, हमारे जीवन का आधार है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, तमिलों ने ही तमिल भाषा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और इसी धरती ने प्रथम संविधान संशोधन की नींव भी रखी। राज्यपाल के इस दावे पर कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिल को संयुक्त राष्ट्र तक ले गए तो स्टालिन ने इस मुद्दे पर सवाल किया कि मोदी सरकार ने तमिल भाषा के लिए क्या किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए लगातार भारी धनराशि उपलब्ध कराती रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केंद्र गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोप रहा है।

नक्सलियों ने कांग्रेस के स्थानीय नेता की हत्या की

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में संदिग्ध नक्सलियों ने कांग्रेस के एक स्थानीय नेता और पूर्व उपसरपंच की धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि उसूर गांव में संदिग्ध नक्सलियों ने तिरुपति भंडारी (35) की धारदार हथियार से हत्या कर दी।उन्होंने बताया कि शनिवार अपराह्न लगभग तीन बजकर 45 मिनट पर कुछ हथियारबंद लोग उसूर गांव पहुंचे और वहां सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान में चावल बांटने के दौरान तिरुपति भंडारी की हत्या कर दी।अधिकारियों ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर वहां से फरार हो गए।उन्होंने बताया कि भंडारी मारुड़बाका गांव के रहने वाले थे तथा वर्तमान में बीजापुर में रह रहे थे।अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस दल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।उन्होंने बताया कि पुलिस घटना के संबंध में आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।स्थानीय लोगों ने बताया कि नक्सलियों ने भंडारी को पहले भी धमकी दी थी।बीजापुर समेत सात जिलों वाले नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में जनवरी 2023 से अप्रैल 2024 के बीच अलग-अलग घटनाओं में नौ भाजपा नेताओं की हत्या कर दी गई थी।

हालात तभी सामान्य हो सकते हैं, जब समाज का शस्त्रीकरण कम होगा : मणिपुर पुलिस महानिदेशक

इंफाल। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने शनिवार को कहा कि पुलिस सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों को बरामद करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज का शस्त्रीकरण कम होने के बाद ही राज्य में हालात सामान्य हो सकते हैं।सिंह ने मणिपुर पुलिस के 133वें स्थापना दिवस से इतर संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि प्रदेश में हालात पहले की तुलना में बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत चुनौतीपूर्ण समय है और हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन हम जनता, सुरक्षा एजेंसियों, सीएसओ और सभी समुदायों के नेताओं के सहयोग से पूरी ताकत के साथ इससे निपटने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने कहा, लोगों के पास जो हथियार हैं, उन्हें वहीं (सुरक्षा बलों के पास) लौटाया जाना चाहिए, जहां से उन्हें लूटा गया था। इसके लिए हमने अभियान शुरू किया है और हर दिन हथियार बरामद किए जा रहे रहे हैं। हमने लोगों से भी मदद की अपील की है। समजा के शस्त्रीकरण को काफी हद तक कम करने पर ही हालात सामान्य हो सकते हैं। मणिपुर पुलिस चौबीसों घंटे काम कर रही है। सिंह ने कहा कि कुछ समस्याएं हैं, लेकिन राज्य में शांति स्थापित करने के लिए उन्हें हल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने दावा किया, अगर आप पिछले डेढ़ वर्ष पर गौर करें, तो निश्चित रूप से हालात सुधरे हैं।

भारत का सड़क बुनियादी ढांचा अमेरिका से आगे निकल जाएगा

भोपाल।(भाषा) केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि आने वाले समय में भारत का सड़क बुनियादी ढांचा अमेरिका से बेहतर होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुशल राजमार्ग, जलमार्ग और रेलवे लॉजिस्टिक लागत को कम कर सकते हैं और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने सड़कों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने वाले सलाहकारों पर भी निशाना साधा और कहा कि वे घर बैठे ही यह दस्तावेज तैयार करते हैं।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री भोपाल में सड़क एवं पुल निर्माण में नवीनतम उभरते रुझान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। गडकरी ने याद दिलाया कि जब वे महाराष्ट्र में मंत्री थे, तो उनके कार्यालय में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी का एक कथन लिखा था, अमेरिकी सड़कें इसलिए अच्छी नहीं हैं क्योंकि अमेरिका समृद्ध है, बल्कि अमेरिका इसलिए समृद्ध है क्योंकि अमेरिकी सड़कें अच्छी हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि उनके मित्र रतन टाटा, जिनका इस महीने की शुरुआत में निधन हो गया था, ने मंत्री के कार्यालय में आने के दौरान कई बार उनसे इस उद्धरण के बारे में पूछा था। गडकरी ने कहा, आने वाले समय में, भारतीय सड़क बुनियादी ढांचा अमेरिका से भी बेहतर होगा।

गिरफ्तार पांच आरोपियों ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए मांगे थे 50 लाख रुपए: पुलिस

मुंबई।(भाषा)। बाबा सिद्दीकी हत्या मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने खुलासा किया है कि इस मामले में हाल में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों ने हत्या के लिए 50 लाख रुपए मांगे थे, लेकिन भुगतान को लेकर असहमति और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता के रसूख को देखते हुए उन्होंने हत्या को अंजाम देने से बाद में मना कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने (हाल में गिरफ्तार पांच आरोपियों ने) पूर्व विधायक सिद्दीकी की हत्या में शामिल लोगों को आवश्यक सामग्री और अन्य प्रकार की मदद दी थी।

सिद्दीकी की हत्या मामले में शूटरों को हथियार और रसद सहायता उपलब्ध कराने के आरोप में शुक्रवार को पांच और लोगों को गिरफ्तार किया गया था। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस सनसनीखेज मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या अब नौ हो गई है, जबकि तीन लोग फरार हैं। पुलिस ने बताया कि हाल में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नितिन गौतम सप्रे (32), संभाजी किसान पारधी (44), प्रदीप दत्तू थोम्ब्रे (37), चेतन दिलीप पारधी और राम फूलचंद कनौजिया (43) के रूप में की गई है। सप्रे डोंबिवली से हैं जबकि संभाजी किसान पारधी, थोम्ब्रे और चेतन दिलीप पारधी (27) ठाणे जिले के अंबरनाथ से हैं और कनौजिया रायगढ़ के पनवेल का रहने वाला है। एक अधिकारी ने शनिवार को कहा,"पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि सप्रे के नेतृत्व वाले गिरोह ने राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए मध्यस्थ से 50 लाख रुपए की मांग की थी लेकिन सौदे पर असहमति के कारण यह बात नहीं बन पाई। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सप्रे को पता था कि सिद्दीकी एक प्रभावशाली नेता हैं, इसलिए उन्हें मारना उसके गिरोह के लिए बड़ी समस्या पैदा कर सकता था, इसलिए, इन आरोपियों ने आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा,"लेकिन आरोपी व्यक्तियों ने नए शूटरों को आवश्यक सामग्री देने और अन्य सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया"। अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने पाया है कि सप्रे के नेतृत्व वाला गिरोह गोलीबारी किए जाने तक साजिशकर्ता शुभम लोनकर और मुख्य षड्यंत्रकर्ता मोहम्मद जीशान अख्तर के संपर्क में था। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी (66) की 12 अक्टूबर की रात को उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के मुंबई के बांद्रा स्थित कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम, शुभम लोनकर और मोहम्मद जीशान अख्तर फिलहाल फरार हैं।

सीट बंटवारे पर गतिरोध के बीच चेन्निथला उद्धव ठाकरे से मिले

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर महा विकास आघाडी (एमवीए) के घटक दलों में गतिरोध के बीच कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। हालांकि, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के प्रभारी चेन्निथला ने इस मुलाकात को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि उन्होंने ठाकरे से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए मुलाकात की।

नेतान्याहू के आवास को निशाना बना ड्रोन से हमला

गाजा में इजराइल के ताजा हमले में तीन बच्चों समेत 11 लोगों की मौत

यरुशलम। इजराइल द्वारा गाजा में किए गए ताजा हमले में तीन बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ घंटे पहले किए गए एक अन्य हमले में कम से कम 1 लोग मारे गए थे। फलस्तीन के चिकित्सा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दीर अल-बलाह स्थित अल-अक्सा शहीद अस्पताल ने बताया कि इजराइल ने शनिवार सुबह मध्य गाजा में मघाजी शरणार्थी शिविर पर हमला किया, जिसमें मारे गए सभी लोग एक ही परिवार के थे। हमले के बाद इसी अस्पताल में शवों को लाया गया था। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के संवाददाता ने अस्पताल में शवों को खुद से देखा है।

एपी। यरुशलम

इजराइल सरकार ने बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आवास की ओर शनिवार को एक ड्रोन से हमला किया गया, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इजराइल सरकार ने बताया कि लेबनान की ओर से गोलाबारी के मद्देनजर शनिवार सुबह इजराइल में सायरन बज उठा और इसके साथ ही प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सैसरिया स्थित आवास की ओर ड्रोन से हमला किया गया। प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री आवास पर जिस समय यह हमला किया गया तब न तो नेतन्याहू और न ही उनकी पत्नी वहां मौजूद थे। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इजराइल पर यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब हाल के सप्ताह में लेबनान के हिजबुल्ला और इजराइल के बीच जारी संघर्ष तेज हो गया है। लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला को ईरान का समर्थन प्राप्त है। हिजबुल्ला ने शुक्रवार को कहा था कि वह इजराइल में और अधिक निर्देशित मिसाइलों और विस्फोटक ड्रोन से हमला कर लड़ाई का एक नया चरण शुरू करने की योजना बना रहा है। दरअसल, इजराइल द्वारा सितंबर के अंत में किए गए हवाई हमले में हिजबुल्ला का प्रमुख नेता हसन नसरल्ला मारा गया था, जिसके बाद इजराइल ने अक्टूबर की शुरुआत में लेबनान में अपनी सेना भेज दी थी। दूसरी ओर, इजराइल का गाजा में हमास के साथ भी युद्ध जारी है। इजराइल के सैनिकों ने बृहस्पतिवार को हमास के शीर्ष नेता याह्या सिनवार को मार गिराया था जिसके बाद से दोनों के बीच युद्ध थमने की संभावना न के बराबर लग रही हैं।ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने शुक्रवार को कहा था कि सिनवार की मौत एक दुखद क्षति है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि सिनवार से पहले फलस्तीन के कई नेताओं के मारे जाने के बाद भी हमास अपना अभियान जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा था, हमास जिंदा है और जिंदा रहेगा।

उधर, इजराइल द्वारा गाजा में किए गए ताजा हमले में तीन बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ घंटे पहले किए गए एक अन्य हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए थे। फलस्तीन के चिकित्सा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दीर अल-बलाह स्थित अल-अक्सा शहीद अस्पताल ने बताया कि इजराइल ने शनिवार सुबह मध्य गाजा में मघाजी शरणार्थी शिविर पर हमला किया, जिसमें मारे गए सभी लोग एक ही परिवार के थे।

दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला की सुरंगों को निशाना बना रहा इजराइल

तेल अवीव। गाजा में हमास के भूमिगत ठिकानों पर पिछले एक साल से हमला कर रही इजराइली सेना अब दक्षिणी लेबनान में चरमपंथी समूह हिजबुल्ला की भी सुरंगों और उसके अन्य ठिकानों को निशाना बना रही है। हमास ने इजराइल में पिछले साल हमला किया था जिसके बाद इजराइल ने गाजा में जवाबी कार्वाई की और युद्ध शुरू हो गया। अब इजराइल ने कहा है कि उसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उसकी उत्तरी सीमा से कोई भी ऐसा हमला या घुसपैठ न हो। इजराइली सेना ने पिछले दो हफ्तों से दक्षिण लेबनान के घने जंगलों में तलाश अभियान के दौरान एक सुरंग प्रणाली का पता लगाया, जिसमें हथियारों का जखीरा और रॉकेट लॉन्चर हैं। इजराइल का दावा है कि ए सुरंगें आस-पास के समुदायों के लिए सीधे खतरे का कारण बन सकती हैं। इजराइल ने कहा कि उसके आक्रमण में सीमित, स्थानीय और लक्षित जमीनी हमले शामिल हैं, जिनका उद्देश्य हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना है ताकि हजारों विस्थापित इजराइली अपने घर लौट सकें। लड़ाई के कारण पिछले महीने 10 लाख से ज्यादा लेबनानी भी बेघर हो गए। दक्षिण लेबनान के कई लोग हिजबुल्ला के समर्थक हैं। कई लोग कुछ महीने पहले ही वहां से अपने घर छोड़कर चले गए है लेकिन वे हिजबुल्ला को अब भी अपना रक्षक मानते हैं। इसका कारण यह है कि लेबनानी सेना के पास इजराइल के हमलों से उनकी रक्षा करने के लिए पर्याप्त हथियार नहीं हैं और इसी लिए लोग हिजबुल्ला पर निर्भर हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नै शनिवार को मलावी में श्री राधा कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना की

भारत ने श्रीलंका के बागान समुदाय में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनुदान दोगुना किया

कोलंबो।(भाषा) भारत ने श्रीलंका में भारतीय मूल के तमिल समुदाय के बागान क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के मकसद से अपने अनुदान को दोगुना करके 17 करोड़ 22 लाख 50 रुपए कर दिया है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा और श्रीलंका के शिक्षा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव जे एम थिलाका जयसुंदरा ने इस अनुदान को औपचारिक रूप देने के लिए राजनयिक पत्रों पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए और उनका आदान-प्रदान किया। झा ने कहा, इस परियोजना के तहत श्रीलंका सरकार द्वारा चिह्नित नौ बागान स्कूल के बुनियादी ढांचे के उन्नयन की परिकल्पना की गई है। इनमें मध्य प्रांत के बागान क्षेत्रों में छह स्कूल और उवा, सबरागामुवा और दक्षिणी प्रांत में एक-एक स्कूल शामिल है। यह अतिरिक्त धनराशि श्रीलंका सरकार के अनुरोध पर दी गई और इसी के साथ इस परियोजना के लिए भारत की कुल प्रतिबद्धता अब 60 करोड़ श्रीलंकाई रुपए (17 करोड़ 22 लाख 50 भारतीय रुपए) हो गई है। यह परियोजना शिक्षा के महत्वपूर्ण क्षेत्र में श्रीलंका में भारत की कई पूर्व एवं वर्तमान विकास साझेदारी पहलों का हिस्सा है।

पुतिन ने अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को तोड़ने के लिए समानांतर स्विफ्ट प्रणाली बनाने पर जोर दिया

मॉस्को> (भाषा) रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स समूह को पश्चिमी प्रतिबंधों से मुक्त स्विफ्ट जैसी सीमा-पार भुगतान प्रणाली की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। उन्होंने साथ ही अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को खत्म करने के लिए निवेश परियोजनाओं के वित्तपोषण में राष्ट्रीय डिजिटल मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर दिया। रूस की मेजबानी में आयोजित ब्रिक्स नेताओं के 16वें वार्षिक शिखर सम्मेलन से पहले पुतिन ने यह भी कहा कि एक साझा ब्रिक्स मुद्रा के लिए अभी समय नहीं आया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 10 देशों का समूह डिजिटल मुद्रा के उपयोग की संभावना तलाश रहा है जिसके लिए उनका देश भारत और अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

फरवरी 2022 में यूक्रेन के साथ शुरू हुए संघर्ष के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर व्यापक रूप से प्रतिबंध लगाए हैं। रूस ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े वाणिज्यिक बैंकों के नेटवर्क पर आधारित एक नई भुगतान प्रणाली बनाकर वैश्विक वित्तीय प्रणाली को दरकिनार करना चाहता है। ब्रिक्स सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के ताने-बाने और स्वरूप में अंतर के कारण नई आरक्षित मुद्रा बनाने में सतर्क रुख अपनाने की वकालत करते हुए पुतिन ने कहा कि इन देशों को राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग, नए वित्तीय साधनों और स्विफ्ट के अनुरूप एक व्यवस्था के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 से 23 अक्टूबर तक रूस के तातारस्तान के कजान में होने वाले इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शामिल होने के बाद यह समूह का पहला शिखर सम्मेलन होगा। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स के मूल सदस्य देश हैं। पुतिन ने मॉस्को से करीब 50 किलोमीटर दूर नोवो-ओगारियोवो में अपने आधिकारिक आवास पर शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में ब्रिक्स सदस्य देशों के वरिष्ठ संपादकों से कहा, इस समय यह (ब्रिक्स मुद्रा) एक दीर्घकालिक संभावना है। इस पर विचार नहीं किया जा रहा है। ब्रिक्स सतर्क रहेगा और उत्तरोत्तर काम करेगा, आहिस्ता-आहिस्ता आगे बढ़ेगा। अभी समय नहीं आया है। रूस के राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी ब्रिक्स के आरक्षित मुद्रा बनाने की योजना के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में की। माना जाता है कि पश्चिम के भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक गठजोड़ के जवाब में ब्रिक्स समूह की परिकल्पना की गई।एक प्रश्न का उत्तर देते हुए पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स अब राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ाने तथा ऐसे उपकरणों के निर्माण की संभावना का अध्ययन कर रहा है जो इस तरह के काम को सुरक्षित बना सकें। साथ ही उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ब्रिक्स देश इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग की संभावना पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय मुद्राओं और निपटान प्रणालियों के उपयोग का विस्तार करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं, और ऐसे उपकरण तैनात करना चाहते हैं, जो इसे पर्याप्त रूप से सुरक्षित बना सकें। पुतिन ने कहा कि समूह को एक टूलकिट तैयार करनी होगी जोकि संबंधित ब्रिक्स संस्थानों की निगरानी में रहेगी।उन्होंने कहा, यह हमारी प्रत्यक्ष सक्रिय भागीदारी के साथ वैश्विक दक्षिण के विकास में एक और बहुत अच्छा कदम हो सकता है। हम (कज़ान) शिखर सम्मेलन के दौरान इस संबंध में बात करेंगे। हम पहले से ही चीनी, भारतीय मित्रों व ब्राजील के लोगों के साथ परामर्श कर रहे हैं। इसके अलावा, हम दक्षिण अफ्रीका के साथ भी एक दौर का विचार-विमर्श कर चुके हैं। ब्रिक्स की संभावित मुद्रा के बारे में पुतिन ने कहा कि सदस्य देशों को बिना जल्दबाजी के धीरे-धीरे काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इन देशों की आबादी और संरचना को देखते हुए, यह एक दीर्घकालिक संभावना है और अगर इन मसलों पर विचार नहीं किया गया तो यूरोपीय संघ (ईयू) में एक मुद्रा लागू करते समय हुई समस्याओं से भी बड़ी समस्या का सामना करना पड़ेगा।रूसी राष्ट्रपति ने केंद्रीय बैंकों के बीच संबंध स्थापित करने और वित्तीय सूचनाओं के आदान-प्रदान की जरूरत पर भी जोर दिया, जो कि अंतरराष्ट्रीय सूचना विनिमय के उन अंतरराष्ट्रीय साधनों से स्वतंत्र हो, जो राजनीतिक कारणों से कुछ प्रतिबंध लगाते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं।

यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की समयसीमा निर्धारित करना कठिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित करना कठिन है लेकिन उन्हें यकीन है कि इसमें उनका देश जीतेगा। उन्होंने यूक्रेन में युद्ध के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जताई गई चिंता को लेकर उनकी तारीफ की।यहां मीडिया से बातचीत में रूसी नेता ने कहा कि उनका देश वार्ता के पक्ष में है लेकिन इस दिशा में की गई कोशिश को यूक्रेन ने ही पलीता लगा दिया। जब पीटीआई ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें रूस और यूक्रेन के बीच शांति संबंधी वार्ता में भारत की भूमिका नजर आती है तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा व्यक्त की गई चिंता का हवाला दिया और मोदी को मित्र बताया। पुतिन ने कहा कि रूस इसके लिए आभारी है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित करना कठिन है। उन्होंने रूस को युद्ध में धकेलने के लिए अमेरिका और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को दोषी ठहराया तथा कहा कि उनका देश विजई होगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सेना अपने बलबूते इतनी सटीकता के साथ हथियारों को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा, यह सब नाटो पेशेवरों द्वारा किया जाता है। लेकिन आप जानते हैं कि फर्क क्या है। नाटो हमारे खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रूसी सेना दुनिया की सबसे अधिक प्रभावी और उच्च तकनीक वाली सेनाओं में से एक बन गई है और नाटो हमारे खिलाफ यह युद्ध लड़ते-लड़ते थक जाएगा।

ब्रिटेन की पूर्व मंत्री ने वीजा मांगों को लेकर किया भारत के साथ एफटीए रोकने का दावा

लंदन।(भाषा) ब्रिटेन की पूर्व व्यापार और वाणिज्य मंत्री केमी बेडेनोच ने दावा किया है कि उन्होंने अधिक वीजा की मांग के चलते भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अवरुद्ध कर दिया था। बेडेनोच कंजर्वेटिव पार्टी प्रमुख और नेता विपक्ष के रूप में ऋषि सुनक की जगह लेने की दौड़ में सबसे आगे हैं। नाइजीरियाई मूल की बेडेनोच ने कहा कि सुनक के नेतृत्व वाली टोरी सरकार द्वारा एफटीए पर हस्ताक्षर न किए जाने का एक कारण यह था कि भारतीय पक्ष प्रवासन के मुद्दे पर अधिक रियायतों की अपेक्षा कर रहा था। अखबार द टेलीग्राफ के अनुसार, बेडेनोच ने कहा, व्यापार मंत्री के रूप में, जब मैं प्रवासन को सीमित करने के लिए कुछ करने की कोशिश कर रही थी, तब हमारे पास भारत के साथ एफटीए का मुद्दा था जिसके तहत वे प्रवासन के मामले में अधिक रियायतें मांग रहे थे, लेकिन मैंने मना कर दिया। यह उन कारणों में से एक है जिसके कारण हमने इस पर हस्ताक्षर नहीं किए। हालांकि, उनके कुछ पूर्व टोरी मंत्रिमंडलीय सहयोगियों ने द टाइम्स में बेडेनोच के दावे के विपरीत कहा कि ऐसा संभव नहीं है क्योंकि वह किसी भी कीमत पर समझौते के लिए जोर दे रही थीं जिससे द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी में प्रति वर्ष 38 अरब जीबीपी की उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद थी। खबर में एक पूर्व कैबिनेट मंत्री के हवाले से कहा गया, केमी किसी भी कीमत पर समझौता करना चाहती थीं और उन्हें नहीं लगता था कि जो आपत्तियाँ सामने रखी जा रही थीं, वे गंभीर थीं। इस संबंध में एक पूर्व मंत्री के हवाले से कहा गया, केमी ब्रेक्जिट के बाद के लाभों को दिखाने के लिए एक उपलब्धि चाहती थीं और इसे हासिल करने के लिए वह उत्साहित थीं। पूर्व मंत्री ने कहा, हकीकत यह थी कि सौदेबाजी की सारी ताकत भारतीयों के पास थी और बातचीत में उनका प्रभाव हमसे ज्यादा था। हम पर सारा काम करने का बहुत ज्यादा दबाव था और वे सौदा करने के मामले में काफी बेपरवाह थे। यहीं पर शक्ति संतुलन था और हम हमेशा कमजोर स्थिति से शुरुआत करते थे। हालांकि, बेडेनोच के एक करीबी सूत्र ने इस दावे का खंडन किया कि वह किसी भी कीमत पर समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार थीं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने कंजर्वेटिव सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर न करने का निर्णय इस उम्मीद में लिया कि वह लेबर पार्टी की सरकार के तहत बेहतर शर्तों पर बातचीत करने में सक्षम हो सकती है।भारत ने इसलिए ऐसा नहीं किया क्योंकि उसे पता था कि लेबर सरकार के तहत उसे छात्रों और सामाजिक सुरक्षा पर बेहतर रियायत मिलेगी। इस बीच, भारत से प्राप्त खबरों से संकेत मिलता है कि प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी सरकार के तहत एफटीए वार्ता अगले महीने शुरू होने वाली है और ब्रिटेन के अधिकारी 14 दौर की वार्ता के बाद इसमें तेजी लाने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने हैती में सभी प्रकार के हथियारों और गोला-बारूद पर प्रतिबंध बढ़ाया

संयुक्त राष्ट्र।(एपी) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने कैरेबियाई देश हैती में सभी प्रकार के हथियारों और गोला बारूद पर प्रतिबंध लगाने के लिए शुक्रवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पर मतदान किया। संयुक्त राष्ट्र ने इस गरीब कैरेबियाई देश में गिरोह द्वारा बढ़ती हिंसा और आपराधिक गतिविधियों पर भी चिंता जाहिर की। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों ने जिस प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से मतदान किया, वह उसे हैती में हथियारों और संबंधित सामग्री की अवैध तस्करी और अन्यत्र उपयोग को रोकने के लिए उचित कदम उठाने का अधिकार देता है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका से, खासकर फ्लोरिडा से तेजी से हैती में अत्याधुनिक हथियारों की तस्करी कर इसे सीधे तौर पर गिरोह के सदस्यों और अपराधियों को पहुंचाया जा रहा है।

जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्यालय पर बम से हमला, संदिग्ध गिरफ्तार

तोक्यो। (एपी) जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्यालय में शनिवार को एक व्यक्ति ने कई बम फेंके और प्रधानमंत्री आवास की दीवार में अपनी कार से टक्कर मार दी। तोक्यो पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर की पहचान 49 वर्षीय अत्सुनोबु उसुदा के रूप में की गई है और उसे सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने हालांकि स्पष्ट किया कि बाद में उस पर अतिरिक्त आरोप भी जोड़े जा सकते हैं।हमले का मकसद तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन जापानी मीडिया की खबरों के मुताबिक सोशल मीडिया पर उसुदा की एक कथित पोस्ट है जिसमें वह जापानी कानून के तहत चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक धनराशि के बारे में शिकायत कर रहे हैं, जिससे संकेत मिलता है कि उसुदा की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं। मीडिया ने अज्ञात स्रोतों के हवाले से बताया कि उसुदा ने परमाणु संयंत्रों के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था। उसुदा की इस संबंध में तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी संदिग्ध वित्तपोषण और कर चोरी से जुड़े घोटाले के कारण आमजन के बीच तेजी से लोकप्रियता खोती जा रही है। हमले के संबंध में पार्टी ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। देश की संसद के निचले सदन के लिए मतदान 27 अक्टूबर को होगा। कुछ दागी नेताओं से सत्तारूढ़ पार्टी ने आधिकारिक रूप से समर्थन वापस ले लिया है लेकिन वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी ने हाल ही में नया नेता, प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा को चुना है, ताकि एक नई छवि पेश की जा सके।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 20 अक्टूबर, 2024

सरफराज-पंत की शानदार बल्लेबाजी

● तेज गेंदबाजों ने कराई न्यूजीलैंड की वापसी

भाषा। बेंगलुरु

सरफराज अहमद (150) और ऋषभ पंत (99) की चौथे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी के दौरान भारत ने तीन मैचों की शृंखला के पहले टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को मैच पर शिकंजा कसना शुरू किया था लेकिन तेज गेंदबाजों ने नई गेंद से 54 रन के अंदर सात विकेट झटककर न्यूजीलैंड की शानदार वापसी कराई।

भारत की दूसरी पारी 462 रन पर सिमटी जिससे न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रन का लक्ष्य मिला। इससे न्यूजीलैंड 36 साल में पहली बार भारत में टेस्ट मैच जीतने के करीब पहुंच गया है। न्यूजीलैंड ने भारत में आखिरी टेस्ट मैच 1989 में मुंबई में जीता था। तब सर रिचर्ड हैडली ने 10 विकेट लेकर अपनी टीम को 136 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सरफराज ने अपनी 195 गेंद की पारी में 18 चौके और तीन छक्के लगाए जबकि पंत ने 105 गेंद की पारी में नौ चौके और पांच छक्के जड़े।

न्यूजीलैंड ने लक्ष्य का पीछा करना शुरू किया ही था कि पहले ओवर के दौरान खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने मैच को रोक दिया। इसके बाद तेज बारिश होने लगी और दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया। टीम अब तक चार गेंद की अपनी दूसरी पारी में खाता नहीं खोल सकी। क्रीज पर उसके दोनों सलामी बल्लेबाज टॉम लाथम और डेवोन कोन्वे मौजूद हैं। खराब रोशनी के कारण मैच रोकने के अंपायरों के फैसले से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा खफा भी दिखे। उन्हें मैदानी अंपायरों से थोडे सख्त लहजे में बात करते भी देखा गया। बारिश से प्रभावित दिन के खेल के दौरान भारतीय पारी के 80वें ओवर के बाद कप्तान लाथम ने नई गेंद लेने का फैसला किया और उनके तेज गेंदबाजों ने इस फैसले को सही साबित किया। अनुभवी टिम साउथी (53 रन पर एक विकेट) ने सरफराज को आउट कर पंत के साथ उनकी शानदार साझेदारी को तोड़ा।

न्यूजीलैंड के लिए यहां जीत आसान नहीं होगी

बेंगलुरू (भाषा)। न्यूजीलैंड की टीम भारत में असाधारण टेस्ट जीत दर्ज करने से मात्र 107 रन दूर है लेकिन उसके तेज गेंदबाज विलियम ओरूरके ने कहा कि भले ही लक्ष्य इतना कम हो लेकिन इसे हासिल करना उनके लिए आसान नहीं होगा।

न्यूजीलैंड की टीम ने भारत को दूसरी पारी में 462 रन पर आउट कर दिया जिसमें ओरूरके और साथी तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने मिलकर छह विकेट लिए। ओरूरके ने दिन के खेल के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि यहां से जीतना आसान है। हमारे खिलाफ एक विश्व स्तरीय टीम है। लेकिन हमें कल मैदान पर जाने के लिए आत्मविश्वास से भरे रहना होगा।

न्यूजीलैंड व दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला टी20 विश्व कप फाइनल से नया चैम्पियन मिलना तय

● मैच भारतीय समयानुसार शाम 07:30 बजे शुरू होगा

भाषा। दुबई

सोफी डिवाइन के नेतृत्व में न्यूजीलैंड की स्वर्णिम पीढ़ी के खिलाड़ियों के पास वैश्विक आईसीसी ट्रॉफी पर हाथ रखने का आखिरी मौका होगा जब टीम टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। इस फाइनल मैच से टी20 विश्व का नया चैम्पियन मिलना तय है क्योंकि दोनों टीमों ने इससे पहले कभी भी इस प्रारूप का खिताब नहीं जीता है।

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने 2000 में एकदिवसीय विश्व कप जीता था लेकिन मौजूदा टीम का कोई भी सदस्य उस ऐतिहासिक खिताबी जीत का हिस्सा नहीं था। इस आयोजन के शुरू होने से पहले लगातार 10 मैचों में हार के कारण न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास डगमगाया हुआ था लेकिन डिवाइन के नेतृत्व में इस समूह ने शानदार वापसी की। टीम को सुजी बेट्स, अमेलिया केर और ली ताहुहू जैसी अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी का फायदा मिला। यह संभवत: आखिरी बार है डिवाइन, बेट्स और ताहुहू किसी वैश्विक टूर्नामेंट में राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलेंगे। पैतीस वर्षीय डिवाइन के नाम सफेद गेंद प्रारूप में 7000 से अधिक रन हैं, जबकि 37 वर्षीय बेट्स के नाम 10,000 से अधिक रन हैं। तेज गेंदबाज ताहुहू 34 साल की है। उन्होंने वनडे में 112 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 93 विकेट चटकाए हैं। यह खिलाड़ी विश्व कप ट्रॉफी के सपने को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। दक्षिण अफ्रीका भी पिछले साल की कसक को दूर कर खिताब को अपने नाम करना चाहेगा। पिछले साल घरेलू मैदान पर विश्व कप फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों शिकस्त मिली थी। न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों में टूर्नामेंट में अहम मौकों पर अपने खेल के स्तर को उंचा उठाया है और जब बल्लेबाजों के प्रदर्शन में गिरावट आई तो गेंदबाजों ने टीम को मैच जिताया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में भी ऐसा ही नजारा दिखा जब गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाजों को रोककर कम स्कोर वाले मैच को अपने नाम किया।

टीमें:-

न्यूजीलैंड:- सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, एडेन कारसन, इसाबेला गेज (विकेटकीपर), मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, फ्रैन जोनास, लेह कास्पेरेक, अमेलिया केर, जेस केर, रोसमरी मायर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, ली ताहुहू।

दक्षिण अफ्रीका:- लौरा वोलवार्ट (कप्तान), एनेके बॉश, ताजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, मिके डी रिडर (विकेटकीपर), अयांदा ह्लुबी, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), मारिजान कैप, अयाबोंगा खाका, सुने लुस, नॉनकुलुले म्लाबा, सेशनी नायडू, तुमी सेखुखुने, क्लो ट्रायॉन।

एशियाई महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा भारत

भाषा। नई दिल्ली

भारत एक से 10 दिसंबर तक पहली बार एशियाई महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा जिसका आयोजन इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। टूर्नामेंट के 20वें चरण का आयोजन पहले कजाखस्तान के अल्माटी में होना था लेकिन अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण इसका स्थल बदलना पड़ा।

भारत के अलावा ईरान, दक्षिण कोरिया, चीन, जापान, कजाखस्तान, हांगकांग और सिंगापुर टूर्नामेंट में भाग लेने वाले मजबूत देश हैं। एशियाई हैंडबाल महासंघ के तकनीकी सहायक निदेशक अब्दुल्लाह अल थेयब ने शनिवार को जारी विज्ञप्ति में कहा, भारत में एशियाई महिला हैंडबाल चैम्पियनशिप के 20वें चरण की मेजबानी करने को लेकर हम बहुत खुश हैं। यह टूर्नामेंट भारत की क्षमता को दर्शाता है।

अय्यर के शतक के बाद गायकवाड़ ने दिखाया जलवा

भाषा। मुंबई

रुतुराज गायकवाड़ ने नाबाद 80 रन बनाकर शनिवार को यहां महाराष्ट्र को वापसी का दिलाने का शानदार प्रयास किया लेकिन उनकी टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के मैच में अब भी 173 रन से पीछे है।

महाराष्ट्र ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 142 रन बनाए। स्टंप उखड़ने के समय गायकवाड़ के साथ सचिन धास 59 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले गत विजेता मुंबई ने पहली पारी में 441 रन बनाकर 315 रन की विशाल बढ़त हासिल की थी। उसने महाराष्ट्र को पहली पारी में केवल 126 रन पर आउट कर दिया था। मुंबई ने सुबह अपनी पहली पारी तीन विकेट पर 220 रन से आगे बढ़ाई। उसकी तरफ से 17 वर्षीय सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने 176 रन की बड़ी पारी खेली। यह उनका केवल तीसरा प्रथम श्रेणी मैच है। जहां भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को सात रन पर आउट होने से निराशा का सामना करना पड़ा, वहीं अय्यर ने 190 गेंदों में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 142 रन बनाए।

दिल्ली में खेले जा रहे ग्रुप ए के एक अन्य में से बड़ौदा ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 477 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इसके जवाब में सेना की टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 74 रन बनाए थे और इस तरह से उसकी टीम बड़ौदा से 403 रन पीछे है। बड़ौदा की तरफ से शिवालिक शर्मा ने 178 और विष्णु सोलंकी में 125 रन बनाए। कप्तान क्रुणाल पंड्या ने 117 गेंदों में आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 86 रन की तेज पारी खेली जबकि अतीत शेठ ने 50 गेंदों में आठ चौकों की मदद से नाबाद 53 रन बनाए। शिलांग में खेले जा रहे एक अन्य मैच में त्रिपुरा ने मेघालय के खिलाफ बारिश से प्रभावित पहले दिन शुरुआती झटकों के बाद जोरदार वापसी करते हुए दूसरे दिन स्टंप्स तक छह विकेट पर 346 रन बना लिए हैं।

उसकी तरफ से श्रीदाम पॉल ने 178 गेंदों में 20 चौकों और दो छक्कों की मदद से 146 रन बनाए, जबकि कप्तान मनदीप सिंह (59), एस शरथ (नाबाद 54) और मुरा सिंह (नाबाद 53) ने दूसरे छोर से अच्छा योगदान दिया। कटक में चल रहे मैच में ओडिशा ने जम्मू कश्मीर के 270 रन के जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 198 रन बना लिए हैं। उसके अनुभवी बल्लेबाज गोविंदा पोद्दार 87 रन बनाकर खेल रहे हैं।

विवियन रिचर्ड्स, सुनील गावस्कर और शॉन पोलक आईएमएल संचालन परिषद में शामिल हुए

मुंबई(भाषा)। पूर्व महान खिलाड़ी विवियन रिचर्ड्स, सुनील गावस्कर और शॉन पोलक को शनिवार को इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) टूर्नामेंट के संचालन परिषद का सदस्य घोषित किया गया। भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर और वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा सहित पूर्व खिलाड़ियों की भागीदारी वाले छह देशों के इस टी20 टूर्नामेंट का उद्घाटन सत्र 17 नवंबर से आठ दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। आईएमएल ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, यह त्रिमूर्ति (रिचर्ड्स, गावस्कर और पोलक) आईएमएल की रणनीतिक दिशा, नियमों और संचालन की देखरेख करेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि यह लीग एक प्रमुख मंच बना रहे। इस टूर्नामेंट के मैचों को तीन स्थलों पर खेला जाएगा। इसके मैच नवी मुंबई (17 से 20 नवंबर), लखनऊ (21 से 27 नवंबर) और रायपुर (28 से आठ दिसंबर) में आयोजित होंगे।

महिला टी-20 विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग करेंगी परेरा और पोलोसाक

भाषा। दुबई

निमाली परेरा और क्लेयर पोलोसाक को रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के खिताबी मुकाबले की अंपायरिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों पहली बार आईसीसी महिला टी20 विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग करेंगी। एना हैरिस तीसरे अंपायर की भूमिका निभाएंगी जबकि जैकलीन विलियम्स चौथे अंपायर की भूमिका में होंगी। जीएस लक्ष्मी को मैच रैफरी नियुक्त किया गया है। परेरा ने टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेमीफाइनल में अंपायरिंग की थी। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सेमीफाइनल में भी वह अंपायर रही थीं। पोलोसाक बेहद अनुभवी अंपायर हैं। वह 64वें महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अंपायरिंग करेंगी। वह इस साल शारजाह में वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच सेमीफाइनल के दौरान तथा दक्षिण अफ्रीका में 2023 महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मैदानी अंपायरिंग टीम का हिस्सा थीं। फाइनल दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होना है।

भारत की जूनियर पुरुष टीम ने जापान को 4-2 से हराया

सुल्तान जोहोर कप

भाषा। जोहोर (मलेशिया)

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां जापान को 4-2 से हराकर सुल्तान जोहोर कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। भारत के लिए आमिर अली (12वें मिनट), गुरजोत सिंह (36वें), आनंद सौरभ कुशवाह (44वें) और अंकित पाल (47वें) ने जबकि जापान के लिए त्सुबासा तनाका (26वें) और राकुसी यामानाका (57वें) ने गोल किए। भारत के पूर्व गोलकीपर और जूनियर टीम के कोच पीआर श्रीजेश अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद संतुष्ट नजर आ रहे थे। यह मैच शुरू से ही काफी रोमांचक रहा। भारत ने आक्रामक खेल दिखाया और वह शुरू से ही गोल करने के मौके बनाने की कोशिश करता रहा। भारतीय प्रयासों को तब सफलता मिली जब मैच के 12वें मिनट में आमिर अली ने जापान के रक्षकों को छकाकर मैदानी गोल करके भारत का खाता खोला। जापान ने वापसी करने के लिए अच्छे प्रयास किया और वह तब इसमें सफल रहा जब 26वें मिनट में त्सुबासा तनाका ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद जापान के पास पहली बार मैच में बढ़त हासिल करने का मौका था लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने उसके प्रयास को नाकाम कर दिया। मध्यांतर तक दोनों टीम 1-1 से बराबरी पर थी लेकिन इसके बाद भारतीय टीम अधिक आक्रामक हो गई। पिछले महीने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाले गुरजोत ने मध्यांतर के छह मिनट बाद मैदानी गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिला दी।

तवांग अंतरराष्ट्रीय मैराथन की तैयारियां जोरों पर

भाषा। ईटानगर

भारतीय सेना और अरुणाचल प्रदेश सरकार की संयुक्त मेजबानी में 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाले तवांग अंतरराष्ट्रीय मैराथन के दूसरे सत्र की तैयारियां जोरों पर हैं। रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि उंचाई वाले स्थल पर आयोजित होने वाले इस मैराथन को क्लीन ऑफ हाई-एल्टीट्यूड रन के नाम से जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि यह सीमावर्ती शहर तवांग में नागरिक-सैन्य सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। पिछले साल इसके उद्घाटन सत्र की सफलता के बाद मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने जुलाई में इसकी वेबसाइट (डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट तवांगमैराथन) के लॉन्च के दौरान इसे वार्षिक तौर पर आयोजित करने की घोषणा की थी। राज्य सरकार ने इस आयोजन का समर्थन करने के तहत अनुदान को बढ़ाकर दो करोड़ रुपए कर दिया है। इसमें क्रमश: 10 किमी और पांच किमी दौड़ के साथ हाफ मैराथन और मैराथन में 5,000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है।

आयोजन का कुल पुरस्कार राशि 60 लाख रुपए हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा कि अब तक 4,500 से अधिक प्रतिभागियों ने मैराथन के लिए पंजीकरण कराया है। अधिकारियों ने कहा कि इस आयोजन ने क्षेत्र में पर्वतीय खेलों, साहसिक गतिविधियों और पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है। उन्होंने बताया कि खांडू, गजराज कोर जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह और बॉल ऑफ फायर डिवीजन जीओसी मेजर जनरल केएस ग्रेवाल समेत अन्य की मौजूदगी में तवांग स्टेडियम से मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे।

दीपक चाहर के पांच विकेट से हिमाचल 98 रन पर सिमटा, राजस्थान ने फॉलो ऑन दिया

भाषा। धर्मशाला

तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच के दूसरे दिन हिमाचल प्रदेश के पांच विकेट झटके जिससे मेजबान टीम पहली पारी में टीम 98 रन पर सिमट गई और राजस्थान ने उसे फॉलो ऑन दिया। भारत के 32 साल के चाहर ने 30 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे हिमाचल प्रदेश की टीम राजस्थान के पहली पारी में 334 रन के जवाब में 100 रन के अंदर सिमट गई।

स्टंप तक हिमाचल प्रदेश ने दो विकेट गंवाकर 147 रन बना लिए और वह अब भी 89 रन से पीछे चल रहा है। सुबह राजस्थान ने सात विकेट पर 304 रन से आगे खेलना शुरू किया। महिपाल लोमरोर अपने सातवें प्रथम श्रेणी शतक से महज 11 रन दूर थे लेकिन वह 99 रन पर आउट हो गए जिससे टीम का नौंवा विकेट 323 रन पर गिरा और टीम खलील अहमद (शून्य) का विकेट गिरते ही 334 रन पर सिमट गई। स्पिनर मयंक डागर ने अहमद को आउट किया और 85 रन देकर पांच विकेट प्राप्त किए।

हिमाचल प्रदेश ने पहली पारी में अपने शीर्ष चार बल्लेबाजों के विकेट गंवाए जो 10 से कम स्कोर पर आउट हुए और उसका स्कोर चार विकेट पर 19 रन हो गया। स्कोर जब सात विकेट पर 51 रन था, तब कप्तान धवन और अर्पित गुलेरिया (17) ने 40 रन की भागीदारी निभाई। गुलेरिया अनिकेत चौधरी का शिकार हुए। धवन की टीम 98 रन पर सिमट गई और कप्तान 40 रन बनाकर नाबाद रहे। चाहर को चौधरी (28 रन देकर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। हिमाचल प्रदेश की टीम ने दूसरी पारी में मजबूत शुरूआत की जिसमें सलामी बल्लेबाज शुभम अरोड़ा और प्रशांत चोपड़ा ने 103 रन की भागीदारी निभाई। मानव सुथार ने अरोड़ा को 59 रन पर आउट कर अहम विकेट झटका। चोपड़ा 37 रन बाद इसी गेंदबाज का शिकार हुए और अर्धशतक से एक रन से चूक गए। अंकित कलसी 30 और एकांत सेन चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

वहीं अहमदाबाद में ग्रुप के एक अन्य मैच में गुजरात ने चिंतन गजा (92 रन) और अर्जन नागवासवाला (नाबाद 82 रन) के अर्धशतकों से पहली पारी में 367 रन बनाने के बाद आंध्र के 137 रन तक पांच विकेट झटक लिए हैं जिसके लिए केएस भरत ने 78 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। गुजरात की टीम पहली पारी के हिसाब से अब भी 230 रन की बढ़त बनाए है। देहरादून में उत्तराखंड के पहली पारी में 325 रन के जवाब में हैदराबाद की टीम पांच विकेट पर 244 रन बनाकर 81 रन से पिछड़ रही है।

भारत के तीन खिलाड़ियों को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में प्रशिक्षण सत्र के लिए चुना गया

भाषा। नई दिल्ली

जमीनी स्तर की फुटबॉल पहल यूनाइटेड वी प्ले के भारत में आयोजित चौथे सत्र से चुने गए पांच फुटबॉल खिलाड़ी मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में प्रशिक्षण लेंगे। इसमें तीन भारतीय खिलाड़ी हैं।

इस आयोजन में 18 शहरों के 15,000 से अधिक उभरते भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसका समापन चंडीगढ़ में मैनचेस्टर यूनाइटेड के दिग्गज और सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शामिल गैरी नेविल की उपस्थिति में एक भव्य समापन समारोह में हुआ। इसके फाइनल के बाद पीसी लालचुआनवमा (मिजोरम), श्रीजल किस्कू (भुवनेश्वर), मोहम्मद अयान (लखनऊ), भक्त बहादुर परियार (नेपाल) और चानसोन चैयथम (बैंकॉक) को चयनित किया गया। इन खिलाड़ियों को मैनचेस्टर यूनाइटेड सॉकर स्कूल के कोचों के साथ प्रशिक्षण सत्र और दिग्गज खिलाड़ियों से बातचीत करने का मौका मिलेगा। उन्हें इस दौरान मैचों को देखने और जूनियर टीमों के लिए खेलने का भी मौका मिलेगा।

अपने शानदार करियर में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए आठ इंग्लिश प्रीमियर लीग खिताब और दो यूईएफए चैंपियंस लीग खिताब जीतने वाले नेविल ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, भारत में छोटे बच्चों के बीच फुटबॉल के प्रति समर्पण और जुनून देखकर खुशी हुई। उन्होंने कहा, उन युवा खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई जिनकी मेहनत आज रंग लाई है।

मौजूदा पीढ़ी के जिमनास्टों में जुनून की कमी: दीपा

भाषा। नई दिल्ली

भारत की दिग्गज जिमनास्ट दीपा करमाकर ने मौजूदा पीढ़ी के ज्यादातर खिलाड़ियों में जुनून की कमी पर निराशा जातते हुए उनसे वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उत्साह के साथ जिमनास्टिक को अपनाने की सलाह दी।

दीपा ने इस महीने की सात तारीख को संन्यास की घोषणा की थी। रियो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहकर मामूली अंतर से पदक चूकने वाली दीपा नियमित रूप से अत्यधिक कठिन प्रोडुनोवा वॉल्ट करके लोगों को प्रभावित करती थीं। दीपा ने जब पूछा गया कि भारतीय महिला जिमनास्टों में दीपा और प्रणति नायक के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई और पदक क्यों नहीं जीत पा रहा है तो उन्होंने कहा, दीपा में जुनून था, प्रणति के साथ भी ऐसा ही है। उन्होंने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन द्वारा आयोजित बियॉन्ड द फिनिश लाइन नामक कार्यक्रम में शुक्रवार रात एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, मैं मौजूदा पीढ़ी (जिम्नास्ट) में यह जुनून ज्यादा नहीं देख रही हूं। मुझे लगता है कि वे अल्पकालिक, तत्काल सफलता की तलाश में हैं। त्रिपुरा की 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 2016 रियो खेलों के वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियां बटोरी थीं जहां वह सिर्फ 0.15 अंक से ओलंपिक पदक से चूक गई थी। तोक्यो ओलंपियन प्रणति ने 2019 और 2022 एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट स्पर्धा का कांस्य पदक जीता है। अगरतला की रहने वाली दीपा जिम्नास्टिक के इतिहास की केवल पांच महिलाओं में से एक हैं जिन्होंने प्रोडुनोवा को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है जिसमें जमीन पर उतरने से पहले दो बार समरसॉल्ट करना होता है और इसे वॉल्ट ऑफ डेथ भी कहा जाता है क्योंकि इसमें चोट लगने का जोखिम बहुत अधिक होता है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय महासंघ की समस्याओं से भी भारतीय जिम्नास्टिक को परेशानी का सामना करना पड़ा है। दीपा ने कहा साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) और महासंघ के बीच समस्या थी। उदाहरण के तौर पर पिछले एशियाई खेलों (2023) के लिए चयन मानदंड के बारे में वास्तविक चयन ट्रायल के बाद पता चला। इस खिलाड़ी से जब उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं भारतीय जिम्नास्टिक में बदलाव लाना चाहती हूं ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याएं न हों, लेकिन मैं अकेले ऐसा नहीं कर सकती। दीपा ने संन्यास की घोषणा के समय कहा था कि वह अपने जीवन में किसी समय कोच बनकर खेल को कुछ वापस देना चाहेंगी। इस साल मई में ताशकंद में एशियाई कलात्मक जिमनास्टिक चैंपियनशिप में वॉल्ट स्वर्ण पदक जीतने वाली दीपा से संन्यास लेने के फैसले के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मेरी दो एसीएल सर्जरी हुई, कंधे और टखने में चोट लगी। मैं वॉल्ट स्पर्धा में उस तरह से नहीं कर पा रही थी जैसा मैं चाहती थी। जब शरीर जोर लगाने की इजाजत नहीं दे रहा है तो जारी रखने का कोई मतलब नहीं है।

दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता चिंता का विषय नहीं: वीडीएचएम प्रतिभागी प्रीति

भाषा। नई दिल्ली

पोडियम की दावेदार प्रीति लांबा ने रविवार को वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन से पहले शहर में खराब होती वायु गुणवत्ता के कारण सांस लेने में हो रही समस्या की बात स्वीकार की और कहा कि सिर्फ भारतीय ही वायु प्रदूषण के बारे में चिंतित हैं जबकि विदेशी एथलीट जीतने के बारे में सोचते हैं।

दिल्ली हाफ मैराथन में पहले भी कई बार हिस्सा ले चुकीं प्रीति भारतीय प्रतिभागियों में शीर्ष तीन में जगह बनाना चाहती हैं। वह 2022 में भारतीय महिला धावकों में तीसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने 2015, 2016 और 2020 में भी भाग लिया था। उनकी पसंदीदा स्पर्धा हालांकि 3000 मीटर स्टीपलचेज है जिसमें उन्होंने पिछले साल हांग्झोउ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। प्रीति (28 वर्ष) ने शनिवार को मैराथन से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, शाम को दिल्ली में धूल थी, इसमें कोई संदेह नहीं है। गले में धूल के कारण मुझे सांस लेने में थोड़ी दिक्कत हुई। लेकिन यहां दो दिन में सब ठीक हो गया है।

मैंने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लिया है। उन्होंने कहा, यह कोई बड़ी चिंता की बात नहीं है और यह कोई नई बात भी नहीं है। विदेशी एथलीट भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह सिर्फ हमारे लिए ही चिंता की बात क्यों है? हम भारतीय हमेशा वायु प्रदूषण या गर्मी के बारे में सोचते हैं जबकि विदेशी एथलीट सिर्फ दौड़ जीतने के बारे में सोचते हैं। पिछले तीन दिन से दिल्ली में वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बनी हुई है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।